@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
वीरवार, 25 जुलाई 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 259 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

करंट लगने से निलेश की हुई थी मौत, आतिशी ने अपनाया सख्त रुख

नई दिल्ली, 24 जुलाई। पटेल नगर में करंट लगने से आईएएस अभ्यर्थी के मौत होने की घटना पर बिजली मंत्री में सख्त रुख अपनाया है। बिजली मंत्री आतिशी ने मुख्य सचिव को इस घटना की जांच करने के निर्देश दिये हैं। साथ

ही घटना के लिए जिम्मेदार लोगों पर सख्त कारवाई करने के निर्देश दिए हैं। मंत्री आतिशी ने मुख्य सचिव को निर्देश दिए हैं कि घटना के लिए जिम्मेदार लोगों पर कड़ी कारवाई की जाये और उससे संबंधित रिपोर्ट अगले दो दिनों के भीतर सौंपी जाये। साथ ही उन्होंने मुख्य सचिव को भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए नीतिगत सुझाव मांगे हैं, ताकि ऐसी घटनाओं पर रोकथाम लगाई जा सके। सहायता अनुग्रह राशि को लेकर बिजली मंत्री आतिशी ने मुख्य सचिव को निर्देश दिए हैं कि मृतक के परिजनों को सहायता अनुग्रह राशि देने की प्रक्रिया तुरंत शुरू की जाए और कल शाम पांच बजे तक इसका प्रस्ताव उन्हें सौंपा जाए। आतिशी ने कहा कि एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां पटेल नगर इलाके में करंट लगने से 26 वर्षीय आईएएस अभ्यर्थी की जान चली गई। सरकारी अधिकारियों की लापरवाही और उदासीनता के कारण एक युवा की जान चली गई। ऐसे में मौत के कारण का पता लगाने की जरूरत है और दोषियों पर जिम्मेदारी तय कर सख्त कारवाई करने की जरूरत है, ताकि यह भविष्य में ऐसी घटनाएं न हो सके। 1. मामले की तुरंत जांच शुरू करें और इस दुखद घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई का सुझाव दें।

गलत धारणा फैलाने की कोशिश की जा रही है: वित्त मंत्री

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 24 जुलाई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को बजट को भेदभावपूर्ण बताने के विपक्ष के दावे पर करारा जवाब दिया। वित्त मंत्री ने कहा कि यह एक अपमानजनक आरोप है। उन्होंने कहा कि ऐसे आरोप विपक्षी दलों की ओर से जानबूझकर लगाए जा रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि कांग्रेस की अगुवाई में ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि लोगों के बीच यह गलत धारणा फैलाई जा सके कि उनके राज्यों को धन या योजनाएं आवंटित नहीं की गईं। वित्त मंत्री ने यह प्रतिक्रिया विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के उस दावे के बाद दी है जिसमें उन्होंने कहा था कि मंगलवार को पेश किया गया बजट देश के राज्यों के प्रति भेदभावपूर्ण है। राज्य सभा में बोलते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि विपक्ष, खासकर एक वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने बजट पर ऐसी बात कही है इसलिए मैं इसका जवाब दे रही हूं। वित्त मंत्री ने कहा, उन्होंने (खरगे ने) सवाल खड़ा किया कि मैंने कई राज्यों का बजट में नाम नहीं लिया और केवल दो राज्यों का नाम लिया। मैं यहां कुछ बातें कहना चाहूंगी कि भाषण में क्या होता है? कांग्रेस पार्टी इस देश में बहुत लंबे समय तक सत्ता में रही है और उन्होंने इतने सारे बजट पेश किए हैं कि उन्हें स्पष्ट रूप से पता होगा कि हर बजट में आपको इस देश के हर राज्य का नाम लेने का मौका नहीं मिलता है। उन्होंने कहा, इस साल एक फरवरी में पेश किए गए लेखानुदान और कल पेश किए गए पूर्ण बजट के बीच मैंने बहुत सारे राज्यों का नाम नहीं लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मंत्रिमंडल ने महाराष्ट्र के वाधवन में बंदरगाह बनाने का फैसला किया है, लेकिन कल बजट में महाराष्ट्र का नाम शामिल नहीं किया गया। क्या इसका मतलब यह है कि महाराष्ट्र को खुद को उपेक्षित महसूस करना चाहिए? वित्त मंत्री ने कहा कि उस परियोजना के लिए महाराष्ट्र के लिए 76 हजार करोड़ रुपये की घोषणा की गई है। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र का नाम लेखानुदान में नहीं लिया गया। राज्य के नाम का उल्लेख कल भी नहीं किया गया था; क्या इसका मतलब यह है कि राज्य की अनदेखी की गई? आगे उन्होंने कहा, और मैं इतने सारे अलग-अलग राज्यों का नाम ले

सकती हूं जिनके पास कई प्रमुख परियोजनाएं हैं। अगर भाषण में किसी राज्य का नाम नहीं है तो क्या इसका मतलब यह है कि भारत सरकार की योजनाएं और कार्यक्रम, विश्व बैंक, एशियाई विकास बैंक, एआईबी आदि से मिलने वाली बाहरी सहायता इन राज्यों में नहीं जाती है? उन्होंने कहा, वे नियमित रूप से चलते हैं और सरकार के व्यय विवरण में, सरकार के विभागवार आवंटन में इन सभी बातों का जिक्र होता है। सीतारमण ने कहा, मैं जिम्मेदारी के साथ कह रही हूं कि यह कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी दलों का एक जानबूझकर किया गया प्रयास है ताकि लोगों के मन में गलत धारणा बने कि उनके राज्यों को धन या योजनाएं आवंटित नहीं की गईं। कांग्रेस को चुनौती देते हुए वित्त मंत्री ने कहा, मैं कांग्रेस पार्टी को चुनौती दूंगी कि उन्होंने (कांग्रेस ने) जो भी बजट भाषण दिए हैं, क्या उन्होंने अपने प्रत्येक बजट भाषण में देश के प्रत्येक राज्य का नाम लिया है? यह एक अपमानजनक आरोप है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कल पेश किए गए बजट की निंदा की थी और दावा किया था कि आंध्र प्रदेश और बिहार के अलावा किसी अन्य राज्य को कुछ भी नहीं मिला। उन्होंने कहा था सबके थाली खाली और सिर्फ दो के थाली में पकोड़ा और जलेबी। ये दो स्टेट्स को छोड़कर, किसी को कुछ नई मिला। तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र, पंजाब राजस्थान और छत्तीसगढ़ को कुछ नहीं मिला।

काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर क्रैश हुआ विमान, 18 की मौत

तेजिन्दर कौर बब्बर

काठमांडू, 24 जुलाई। नेपाल की राजधानी काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार सुबह उड़ान भरने के दौरान एक निजी एयरलाइन कंपनी सौर्य एयरलाइंस का विमान

दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें 19 लोग सवार थे। इनमें 18 लोगों की मौत की बात सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विमान पोखरा जा रहा था और सुबह करीब 11 बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हवाई अड्डे पर तैनात एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि विमान के पायलट को अस्पताल ले जाया गया है। उन्होंने बताया कि विमान में लगी आग को बुझा दिया गया है। पुलिस और दमकलकर्मी दुर्घटनास्थल पर बचाव अभियान चला रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पोखरा जाने वाले सौर्य एयरलाइंस के विमान के उड़ान भरने के दौरान रनवे से बाहर निकल जाने के कारण यह दुर्घटना हुई। विमान में चालक दल के सदस्यों सहित 19 लोग सवार थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दुर्घटनास्थल से पांच शव बरामद हुए थे। जहाज के कैप्टन एमआर शाक्य को अस्पताल ले जाया गया है। हवाई अड्डे पर धुएं का घना गुबार देखा गया। पुलिस और दमकलकर्मी दुर्घटना स्थल पर बचाव अभियान चला रहे हैं। हादसे के बाद काठमांडू के त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट को एहतियातन बंद कर दिया गया है। बीते साल भी नेपाल ने एक विमान हादसे में 72 लोगों की मौत हो गई थी। साल 2023 में यति एयरलाइंस का विमान नेपाल में हादसे का शिकार हो गया था। यति एयरलाइंस के हादसे में जान गंवाने वालों में पांच भारतीय भी शामिल थे। जांच में पता चला था कि यति एयरलाइंस का हादसा पायलट की गलती से हुआ था, जब विमान के पायलट ने गलती से पावर कट कर दिया था, जिससे विमान हादसे का शिकार हो गया।

कहां लापता हुई पूजा खेडकर?

नई दिल्ली, 24 जुलाई। आईएएस बनने के लिए फर्जीवाड़ा करने के मामले में सुर्खियों में आई प्रशिक्षु आईएएस पूजा खेडकर के मामले में नया मोड़ आ गया है। दिल्ली पुलिस की एफआईआर के बाद पूजा खेडकर लापता हैं। उत्तराखंड के मसूरी स्थित लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी ने उन्हें 23 जुलाई को तलब किया था लेकिन न तो उनके मसूरी पहुंचने की सूचना है और न ही पुणे पुलिस को ही उनके बारे में कोई जानकारी है। पुणे पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने अमर उजाला को बताया कि फिलहाल, उन्हें पूजा खेडकर के बारे में कोई जानकारी नहीं है कि वह कहां हैं। उनका फोन भी बंद है। स्थानीय लोगों के अनुसार, बीते 20-21 जुलाई को उनके पुणे स्थित घर पर हलचल दिखाई दी थी। लेकिन यह जानकारी नहीं मिल पाई कि पूजा अपने घर में हैं या नहीं। पुणे से वाशिम स्थानांतरित होने के बाद पूजा खेड़कर ने पुणे के जिलाधिकारी सुहास दिवसे पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया था। इस मामले में उनका बयान दर्ज करने के लिए पुणे पुलिस ने दो बार नोटिस दिया लेकिन उपस्थित नहीं हुई। सूत्रों का कहना है कि वह पुणे में नहीं हैं। पूजा खेडकर के विवादों में आने के बाद संघ लोकसेवा आयोग (यूपीएससी) की ओर से दिल्ली में उनके खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है। वहीं, 23 जुलाई को उन्हें मसूरी स्थित अकादमी में उपस्थित होना था। कहा जा रहा है कि पूजा ने अकादमी को ईमेल पर सूचना दी है कि फिलहाल, वह नहीं पहुंच सकती। लेकिन इसकी अधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मसूरी स्थित अकादमी ने इस संबंध में कोई बयान भी जारी नहीं किया है।

सर गंगाराम हॉस्पिटल और डॉक्टर अंशू रोहतगी जी का बहुत-बहुत शुक्रिया !

मैं अपने शुभचिंतक मित्रों को बताना चाहता हूं की मुझे ब्रेन स्ट्रोक हुआ था और मैं दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल में एडमिट था , अब छुट्टी मिल गई है ! बहुत बड़े और जाने-माने मशहूर न्यूरोलॉजी के स्पेशलिस्ट डॉक्टर अंशू रोहतगी जी मेरा इलाज कर रहे हैं और वाहेगुरु जी की कृपा से अब मैं ठीक हूं ! सर गंगाराम हॉस्पिटल और डॉक्टर अंशू रोहतगी जी का बहुत बहुत शुक्रिया !

Gurcharan Singh Babbar,
Editor - In - Chief ,
National Daily Newspaper Group & Author

राज्यपाल मानहानि मामले में ममता बनर्जी का अनुरोध

कोलकाता, 24 जुलाई। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कलकत्ता ।ष्ट की खंडपीठ का रुख कर एकल पीठ के आदेश पर रोक लगाने का अनुरोध किया है। बता दें कि एकल पीठ ने ममता बनर्जी और तीन अन्य पर राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस के खिलाफ अपमानसूचक और गलत बयान देने पर रोक लगा दी थी। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस मानहानि मामले में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के वकील एस.एन. मुखर्जी ने न्यायमूर्ति आई.पी. मुखर्जी की अध्यक्षता वाली खंडपीठ के समक्ष कहा कि मुख्यमंत्री ने राज्यपाल के खिलाफ कोई टिप्पणी नहीं की है। वकील ने कहा कि उनकी जिस टिप्पणी की बात हो रही है वह दो नवनिर्वाचित विधायकों के शपथ ग्रहण के संबंध में सार्वजनिक दायित्व निभाने से जुड़ी है। ममता बनर्जी के वकील ने आगे कहा कि राज्यपाल ने समाचारों का हवाला दिया है, लेकिन उन्होंने मानहानि मामले में प्रकाशनों को पक्षकार नहीं बनाया है। हालांकि इस पर पीठ ने कहा कि मामले पर गुरुवार को सुनवाई होगी जब राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस के वकील अपनी दलीलें पेश करेंगे। बता दें कि न्यायमूर्ति कृष्ण राव ने तृणमूल कांग्रेस के दो नवनिर्वाचित विधायकों सर्यातिका बनर्जी और रेयात हुसैन सरकार के शपथ ग्रहण पर विवाद से संबंधित एक प्रशासनिक बैठक के दौरान कुछ टिप्पणी करने के लिए ममता बनर्जी और तीन अन्य के खिलाफ राज्यपाल की तरफ से दायर मानहानि के मुकदमे पर 16 जुलाई को अंतरिम आदेश पारित किया था। हाईकोर्ट की पीठ ने उनपर रोक लगाने का आदेश पारित किया था, जो 14 अगस्त तक लागू रहेगा।

बॉर्डरों पर डटे रहेंगे, एक अगस्त को करेंगे प्रदर्शन: किसान नेता

पटियाला, 24 जुलाई। हरियाणा सरकार की ओर से दायर पटीशन पर सुप्रीम कोर्ट के बुधवार को दिए फैसले से बॉर्डरों पर डटे किसानों में मायूसी है। किसान नेताओं का कहना है कि आंदोलन करना मजबूरी है। ऐसा इसलिए कि केंद्र सरकार पहले किसान मोर्चे में मांगे मानने के बाद भी इन्हें लागू नहीं कर रही है। किसान जत्थेबंदियों का फैसला है कि पहले की तरह ही बॉर्डरों पर बैठे रहेंगे। बॉर्डर खुलने के बाद ही किसान दिल्ली के लिए कूच करेंगे। जत्थेबंदियां नहीं चाहती हैं कि आपसी टकराव में किसी का कोई नुकसान हो। किसान नेताओं का कहना है कि एक अगस्त को देश भर में जिला हेडक्वार्टरों पर मार्च करके केंद्र सरकार के पुतले फूंके जाएंगे। किसानों पर हमले करने वाले पुलिस अधिकारियों को सम्मानित करने का विरोध किया जाएगा। साथ ही बजट के खिलाफ भी लोगों को जागरूक किया जाएगा। यह बजट किसान व मजदूर विरोधी है। भारतीय किसान यूनियन क्रांतिकारी के प्रधान रणजीत सिंह सवाजपुर ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से एक स्वतंत्र कमेटी गठित करने की बात कही गई है। लेकिन यहां सवाल उठता है कि पहले किसान आंदोलन के वक्त भी एमएसपी व किसानों की अन्य मांगों संबंधी जरूरी बातें तय करने को एक कमेटी बनाई गई थी। बाद में यह मात्र औपचारिकता साबित हुई थी। ऐसे में अब नई समिति बनाए जाने वाली कमेटी किस तरह से काम करेगी, इस पर संशय है। जिस सरकार की ओर से किसानों पर हमले करने वाले पुलिस अधिकारियों को सम्मानित किया जा रहा है। उसके नुमाइंदे से किसानों के हित में फैसले लेने की उम्मीद कम ही है। भारतीय किसान यूनियन क्रांतिकारी के प्रदेश चेयरमैन सुरजीत सिंह फूल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले से निराशा जरूर हुई है, लेकिन किसान हौसला नहीं हारे हैं। किसान पहले की तरह ही बॉर्डरों पर डटे रहेंगे और बॉर्डर खुलते ही दिल्ली के लिए कूच करेंगे। जत्थेबंदियों का रूख साफ है कि मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। फिर चाहे इसमें कितना ही समय क्यों न लग जाए। फूल ने कहा कि किसान दिल्ली कूच के लिए फरवरी में चले थे, लेकिन केंद्र की शह पर हरियाणा ने सात लेयर की बैरिकेडिंग करके उन्हें रोक लिया। इसके बाद किसानों के खिलाफ ही गलत प्रचार किया गया कि उनकी वजह से अंबाला व पंजाब के व्यापारियों का नुकसान हो रहा है। आम लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हरियाणा सरकार की ओर से हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में डाली पटीशन से साफ हो गया है कि रास्ते किसानों ने नहीं रोके हैं।

अपनी तहसील में ही निवास करें उपजिलाधिकारी और तहसीलदार: यूपी सरकार

नरेश मल्होत्रा

लखनऊ, 24 जुलाई। जनता की समस्याओं को सुनने और समय पर उनकी समस्याओं का निस्तारण सुनिश्चित कराने के लिए योगी सरकार ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। गुड गवर्नेंस की अपनी प्रतिबद्धता का अनुकरण करते हुए सरकार ने प्रदेश भर की विभिन्न तहसीलों में तैनात उपजिलाधिकारी (एसडीएम) एवं तहसीलदार को अब उसी तहसील में निवास करने का आदेश जारी किया है। इस आदेश का उद्देश्य यह है कि उपजिलाधिकारी एवं तहसीलदार ज्यादा से ज्यादा समय अपनी तहसील में बिताएं एवं जनसामान्य की समस्याओं को सुनकर निर्धारित समयसीमा के अंतर्गत उसका निराकरण करने का प्रयास करें। इससे न सिर्फ अधिकारियों की, बल्कि सरकार की छवि में भी सुधार होगा। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की ओर से सभी मंडलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों को इस संबंध में निर्देश जारी किए गए हैं। इसमें मंडलायुक्त और जिलाधिकारियों को इस आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य सचिव की ओर से मंडलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों को जो निर्देश दिए गए हैं, उसके अनुसार जनसमस्याओं का ससमय निराकरण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार की गुड गवर्नेंस की प्रतिबद्धता के लिए यह आवश्यक है कि तहसील स्तरीय प्रशासन पूरी सजगता व तत्परता से कार्य करें। इस निर्देशन व पर्यवेक्षण को सशक्त बनाने के लिए यह आवश्यक है कि संबंधित तहसीलदार एवं उपजिलाधिकारी जिस तहसील में तैनात हैं, वहीं निवास करें। तहसील राजस्व प्रशासन के अंतर्गत सौंपी

गई जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी तरह हो, यह सुनिश्चित करना संबंधित जिलाधिकारी व मंडलायुक्तगण का प्राथमिक दायित्व है। संबंधित जिलाधिकारी व मंडलायुक्तगण यह सुनिश्चित करेंगे कि संबंधित तहसीलदार व उपजिलाधिकारी जिस तहसील में तैनात किए गए हैं, वहीं निवास करें। सभी जिलाधिकारी ईमेल आईडी पर 7 दिन के अंदर इस आशय का सर्टिफिकेट उपलब्ध कराएंगे। वहीं संबंधित मंडलायुक्त एवं शासन स्तर से इस विषय का आकस्मिक निरीक्षण व जांच भी की जाएगी। संबंधित तहसीलदार व उपजिलाधिकारी यदि तहसील में निवासरत नहीं पाए गए तो उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही संबंधित जिलाधिकारी का भी उत्तरदायित्व निर्धारित किया जाएगा। इस आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

महिला हो कुछ जानती नहीं हो, चुप रहो: नीतीश

सौरभ शर्मा

पटना, 24 जुलाई। बिहार विधानसभा में जदयू प्रमुख सह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महिलाओं को लेकर विवादित बयान दिया है। नीतीश कुमार बिहार विधानसभा में बोल रहे थे, जहां उन्होंने यह आरोप लगाया कि आरजेडी ने 2005 के बाद महिला को आगे नहीं बढ़ाया। इस बीच आरजेडी विधायक रेखा देवी ने अपनी प्रतिक्रिया देनी चाही। इसी दौरान नीतीश कुमार ने उनसे कहा कि अरे महिला हो, कुछ जानती नहीं हो। हम कह रहे हैं चुपचाप सुनों। वहीं, रेखा देवी ने इसे गलत बयान बताया है। दरअसल, बिहार विधानसभा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बजट पर वक्तव्य दे रहे थे। उन्होंने कहा कि अगर बैठकर पूरी बात सुन लीजिएगा, तब आपको ठीक लगेगा। इसी दौरान वे भड़क कर बोले ऐ सुनिए। अरे हमको सबको बुलाए हैं, मेरी इच्छा थी न। सारी पार्टियों को आप लोग भी साथ थे, ये भी। हम सबको बुलाकर करके बैठक किए थे और बातचीत करके हमने पूरा सर्वे करवाया। फिर जाति जनगणना करवाई और एक-एक चीज के बारे में जानकारी मिली। सीएम नीतीश ने कहा कि सुनिए अरे भाई! आप सुनिए न। आप लोग तो ऐसे ही बोलते रहते हैं और ये सब भूल जाते हैं कि हमने इनको कितना ज्यादा किस तरह से आप लोगों को भी कह के करवाया था। यह मेरी इच्छा थी

और सब लोग राजी हुए थे। सुनिए! चुप रहिए। अगर बैठकर सुनते तब पता चलता कि सचमुच आप कुछ चाहते हैं। अरे आप सुनिए न। आप सुन क्यों नहीं रहे हैं। आप जानते हैं कि ये काम हम लोगों ने करवाया। आप लोगों के साथ इन सब लोगों ने सपोर्ट किया। जब आप लोगों द्वारा सपोर्ट किया गया पूरी सर्व सम्मति से...। इसी बीच मुख्यमंत्री नीतीश तेज आवाज में राजद विधायक रेखा देवी से बोले कि अरे महिला हो, कुछ जानती नहीं हो। अरे बोल रही है कि कहां से आते। इन लोगों के साथ जो है... ये लोग कोई (राजद) महिला को आगे बढ़ाया था। अरे हम 2005 के बाद न कोई महिला को आगे बढ़ाए हैं। बोल रही हो फालतू। इसीलिए हम कह रहे हैं कि चुपचाप सुनों। अरे ऐसे ही बोल रहे... अरे क्या हुआ, सुनोगे नहीं। हम तो सुनाएंगे और अगर आप नहीं सुनिएगा तो आपकी गलती है। तो आप समझ लीजिए कि हम यह चाह रहे थे कि ये लोग समझते। और एक-एक चीज को हम लोगों ने लागू कर दिया। जो भी तय कर दिया था पिछड़ों का जितना ज्यादा जो आया वो इसीलिए जो भी होता था 50ब उसमें पिछड़ा, अति पिछड़ा, दलित-महादलित... और इस सब की जो संख्या बढ़ी तो हम लोगों ने पचास की जगह 75 प्रतिशत किया। इसके साथ ही जदयू नेता ललन सिंह ने राबड़ी देवी पर विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि बजट जैसी चीज राबड़ी देवी की समझ से बाहर है। उन्हें साइन करना आता नहीं, बजट पर क्या बोलेंगी। बता दें कि ललन सिंह मुंगेर के सांसद व केंद्रीय मंत्री हैं।

इंडोनेशिया में भूकंप के तेज झटके

एजेंसी

जकार्ता। इंडोनेशिया के पूर्वी हाईलैंड पापुआ प्रांत में बुधवार सुबह भूकंप के तीव्र झटके महसूस किये गये। इंडोनेशिया की मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान एवं भूभौतिकी एजेंसी के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय समयानुसार सुबह करीब 07:22 बजे आये भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.3 मापी गयी। भूकंप का केंद्र मम्बरमो तेंगाह रीजेंसी से 96 किलोमीटर उत्तर पूर्व में 26 किमी की गहराई में था।

ओलंपिक ख़त्म होने से पहले नये प्रधानमंत्री की नियुक्ति नहीं : मैक्रों

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि वह अव्यवस्था से बचने के लिए ओलंपिक खेलों की समाप्ति से पहले नये प्रधानमंत्री की नियुक्ति नहीं करेंगे। यह जानकारी मंगलवार को स्थानीय मीडिया ने दी। श्री मैक्रों ने फ्रांस 2 चैनल के साथ एक साक्षात्कार में कहा, 'इस सरकार ने खेलों की तैयारी की है और हमारी जिम्मेदारी यह सुनिश्चित करना है कि वे अच्छी तरह से हो' राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने खेलों की सुरक्षा के लिए स्थिरता को चुना है, जिसमें लगभग 10,500 एथलीट और लाखों प्रशंसक इकट्ठा होंगे। उन्होंने कहा कि नये प्रधानमंत्री की नियुक्ति और एक नई सरकार के गठन से 'अराजकता' उत्पन्न होगी इसलिए उन्होंने राजनीतिक दलों से पूर्ण बहुमत के अभाव में देश की संसद में समझौता करने का आह्वान किया।सत्तारूढ़ पार्टी के मध्यावधि चुनावों में बहुमत प्राप्त करने में विफल रहने के बाद गैब्रियल अट्टल ने आठ जुलाई को श्री मैक्रों को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा सौंप दिया था।राष्ट्रपति ने 16 जुलाई को श्री अट्टल का इस्तीफा स्वीकार कर लिया, लेकिन उन्हें नयी सरकार के गठन तक एक कार्यवाहक कैबिनेट के प्रमुख के रूप में बने रहने के लिए कहा।

फिलीपींस में भूस्खलन में गर्भवती समेत चार लोगों की मौत

मनीला। फिलीपींस की राजधानी मनीला के दक्षिण में बटांगस प्रांत में कई दिनों से हो रही बारिश के कारण बुधवार तड़के हुए भूस्खलन में छह महीने की गर्भवती महिला सहित चार लोगों की मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि भूस्खलन बुधवार सुबह छह बजे से पहले एगोन्सिल्हो शहर में हुआ। एगोन्सिल्हो शहर की मेयर सिंड्रेला रेयेस ने एक रेडियो साक्षात्कार में बताया कि मरने वालों में 28 वर्षीय गर्भवती महिला, उसका नौ वर्षीय बच्चा और उसके 13 और 15 वर्षीय भाई-बहन शामिल हैं। उन्होंने बताया कि बचावकर्मियों ने चारों के शव बरामद कर लिए हैं। उन्होंने बताया कि अभी तक किसी के लापता होने की सूचना नहीं है। सुश्री रेयेस ने बताया कि लगातार बारिश और बाढ़ का पानी जमा होने के बावजूद शहर में ग्रामीणों को निकालने का काम जारी है। गौरतलब है कि 'गेमी' इस साल फिलीपींस में आया तीसरा तूफान है, जिसके बुधवार रात या गुरुवार सुबह तक देश से चले जाने की उम्मीद है। राष्ट्रीय मौसम ब्यूरो ने हालांकि चेतावनी दी है कि गेमी के चले जाने के बाद भी बारिश जारी रहेगी।

भारत के साथ सीमा मुद्दों को राजनयिक तंत्र के माध्यम से हल किया जाएगा : केपी शर्मा ओली

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने कहा है कि भारत के साथ लिम्पियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी जैसे क्षेत्रों सहित सीमा मुद्दों को राजनयिक तंत्र के माध्यम से हल करने के लिए समझ बनी हुई है। ओली ने प्रतिनिधि सभा में एक सांसद के सवाल का जवाब देते हुए सोमवार को उल्लेख किया कि नेपाल-भारत सीमा पर सीमा चौकियों का निर्माण और बहाली चल रही है। 'माई रिपब्लिका' ने ओली के हवाले से कहा, संघीय संसद, नेपाल सरकार और सभी नेपाली नेपाल की अंतर्राष्ट्रीय सीमा के संबंध में स्पष्ट और दृढ़ रहे हैं। 17 जून, 2020 को नेपाल के संविधान में दूसरे संशोधन के माध्यम से, नए मानचित्रों को संविधान की अनुसूची-3 में शामिल किया गया है और सीमा मुद्दों पर एक अभूतपूर्व राष्ट्रीय सहमति है। वर्ष 1816 की सुगौली संधि के अनुसार, नेपाल सरकार दृढ़ और स्पष्ट है कि लिम्पियाधुरा, कालापानी और लिपुलेख सहित काली (महाकाली) नदी के पूर्व के सभी क्षेत्र नेपाल के हैं। उन्होंने कहा कि नेपाल और भारत के प्रधानमंत्रियों के बीच उच्च स्तरीय यात्राओं के अवसर पर हुई बैठकों के दौरान, स्थापित राजनयिक तंत्र के माध्यम से सीमा मुद्दों को हल करने पर सहमति बनी थी। उन्होंने कहा, चार जनवरी, 2024 को विदेश मंत्री स्तर पर आयोजित नेपाल-भारत संयुक्त आयोग की सातवीं बैठक में सीमा मुद्दे पर भी चर्चा की गई और नेपाल-भारत सीमा के शेष हिस्सों पर जितनी जल्दी हो सके काम पूरा करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

सोलह मामलों में दोषी न्यूजर्सी के डेमोक्रेट सीनेटर रॉबर्ट मेनेंडेज का इस्तीफा

एजेंसी

वाशिंगटन। रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार के 16 मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद आखिरकार न्यूजर्सी के डेमोक्रेट सीनेटर रॉबर्ट मेनेंडेज ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। रॉबर्ट मेनेंडेज ने कहा कि उन्होंने अपना इस्तीफा न्यूजर्सी के गवर्नर फिलिप डी. मर्फी को भेज दिया। यह जानकारी द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में दी गई है। द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, अदालत से दोषी ठहराए जाने के बाद उनपर डेमोक्रेटिक सहयोगियों की तरफ से इस्तीफा देने का दबाव बढ़ गया था।

उन्होंने कहा है कि मैनहट्टन की संघीय जूरी के पिछले सप्ताह सुनाए गए फैसले के खिलाफ अपील करेंगे। उल्लेखनीय है कि सीनेट एथिक्स कमेटी के निष्कासित करने से पहले उन्होंने अपना कार्यकाल महीनों पहले छोड़ने का विकल्प चुना।उल्लेखनीय है कि उन्हें मिस्र के एजेंट के तौर पर काम करने के आरोप में भी दोषी ठहराया गया है।

रॉबर्ट मेनेंडेज को शक्तिशाली डेमोक्रेट माना जाता है। 70 वर्षीय मेनेंडेज सातवें ऐसे सीनेटर हैं, जिन्हें पद पर रहते हुए संघीय अपराध का दोषी पाया गया है। इन मामलों में उन्हें कितनी सजा मिलेगी यह अक्टूबर में तय होगा। 29 अक्टूबर को न्यायाधीश सिडनी एच स्टीन सजा सुनाएंगे।

ब्रिटेन की संसद में ऋषि सुनक दो नवंबर तक अंतरिम नेता प्रतिपक्ष बने रहेंगे

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन की संसद में पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक दो नवंबर तक अंतरिम नेता प्रतिपक्ष बने रहेंगे। कंजर्वेटिव पार्टी की समय सारिणी के अनुसार नवंबर तक उनके उत्तराधिकारी का चुनाव किया जाएगा और इसके लिए नामांकन प्रक्रिया बुधवार से शुरू होगी। टोरी (कंजर्वेटिव पार्टी) का नेतृत्व कौन करेगा, यह तय करने के लिए संसद के बैकबेंच सदस्यों की 1922 समिति ने सोमवार शाम को दो चरण की चुनाव प्रक्रिया की जानकारी दी, जिसके तहत दो नवंबर को नए नेता की नियुक्ति की जाएगी। ब्रिटिश भारतीय नेता ऋषि सुनक (44) ने आम चुनाव में पार्टी की सबसे बुरी हार के बाद पांच जुलाई को अपने इस्तीफे की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि जब तक उनका उत्तराधिकारी नहीं चुना जाता तब तक वह टोरी के अंतरिम नेता की जिम्मेदारी का निर्वहन करते रहेंगे। सुनक ने कहा, ''पार्टी का नेतृत्व हासिल करने के उम्मीदवारों या इससे जुड़े अभियान के बारे में कोई भी टिप्पणी करना मेरे लिए अनुचित होगा।

ताइवान में तूफान 'गेमी' का जमीन से आसमान तक असर

एजेंसी

ताइपे। ताइवान में 'तूफान गेमी' का जमीन से लेकर आसमान तक असर दिख रहा है। आम जनजीवन ठप है। बाजारों को बंद करा दिया गया है। कामकाजी लोगों को छुट्टी दे दी गई। एयरलाइन कंपनियों ने उड़ानें भी रद्द कर दी हैं। मूसलाधार बारिश और तेज हवा के पूर्वानुमान के दौरान होने वाली तबाही से निपटने के लिए सेना को चौकस किया गया है।

फोकस ताइवान सीएनए इंग्लिश न्यूज और ताइपे टाइम्स के अनुसार, केंद्रीय मौसम प्रशासन ने कहा है कि गेमी के आज शाम पूर्वोत्तर तट पर टकराने की उम्मीद है। फिलहाल इसे मध्यम-शक्ति वाले तूफान के रूप में

वर्गीकृत किया गया है। इसके बाद गेमी के ताइवान जलडमरूमध्य के पार जाने की संभावना है। यह दक्षिणपूर्वी चीनी प्रांत फुजियान से टकराएगा। इसकी तीव्रता के मद्देनजर ताइवान में सारे स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। तेज बारिश से राजधानी ताइपे की सड़कें सुनसान हो गई हैं।

परिवहन मंत्रालय ने कहा कि 27 अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के साथ लगभग सभी घरेलू उड़ानें रद्द कर दी गई हैं।

फोकस ताइवान सीएनए इंग्लिश न्यूज के अनुसार केंद्रीय मौसम प्रशासन ने कहा है कि गेमी बुधवार सुबह ताइवान के पूर्वी हिस्से पर पहुंच गया। यह तेजी से देश की ओर बढ़ रहा है। हवा की गति 250 किलोमीटर प्रति घंटा है। बुधवार आधी रात यह पूर्व में यिलान और हुलिएन काउंटी में तबाही मचा सकता है। इससे होने वाले भूस्खलन से गुरुवार सुबह तक सबसे ज्यादा नुकसान हो सकता है।

केंद्रीय मौसम प्रशासन के विज्ञानी लियू यू-ची ने कहा कि यिलान में आधीरात तक तेज हवा चलने की उम्मीद है। इस दौरान हुलिएन काउंटी के लोगों को सतर्क रहना होगा। गेमी के प्रभाव से 24 घंटे में 350 मिली मीटर से अधिक वर्षा हो सकती है। ताइपे टाइम्स के अनुसार, स्थानीय सरकारों ने कल रात घोषणा की कि तूफान गेमी के कारण ताइपे, न्यू ताइपे शहर, ताओयुआन, ताइनान, कीलुंग, सिंचू और काऊशुंग, साथ ही यिलान, हुलिएन, सिंचु, मियाओली, चियायी, पिंगटुंग, पेंघु और लियानचियांग काउंटी में स्कूल और कार्यालय आज बंद रहेंगे।

रूसी जहाज पर यूक्रेनी ड्रोन हमले में एक की मौत

मॉस्को। रूस के क्रास्नोडार क्षेत्र में एक जहाज पर यूक्रेनी ड्रोन हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। समाचार एजेंसी ने स्थानीय गवर्नर वेनियामिन कोंद्रायेव के हवाले से बताया कि नौका जहाज (फेरी शिप) कावकाज बंदरगाह पर था। तभी सुबह उस पर यूक्रेनी ड्रोन ने हमला किया। हमले में कई चालक दल के सदस्य और बंदरगाह कर्मचारी घायल हो गए। गवर्नर ने आगे बताया कि हमले की वजह से आग लग गई, इससे कोई खतरा नहीं है।

रोनाल्ड रोवे संभालेंगे अमेरिकी सीक्रेट सर्विस की कमान, निदेशक चीटल का इस्तीफा

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका की रिपब्लिकन पार्टी के वरिष्ठ नेता, राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर 13 जुलाई को हुए कातिलाना हमले की उच्चस्तरीय जांच के बीच आखिरकार अमेरिकी सीक्रेट सर्विस की निदेशक किम्बर्ली चीटल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। फिलहाल सीक्रेट सर्विस की कमान रोनाल्ड रोवे के हाथों में होगी। डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति जो बाइडेन ने बयान में कहा कि 13 जुलाई को जो कुछ हुआ, वह दोबारा नहीं होना चाहिए। इस बीच होमलैंड सुरक्षा सचिव एलेजांद्रो मयोरकास ने कहा है कि सीक्रेट सर्विस के उप निदेशक

रोनाल्ड रोवे कार्यवाहक निदेशक के रूप में काम करेंगे। उनको एजेंसी में काम करने का 24 साल का अनुभव है।व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने किम्बर्ली की दशकों की सार्वजनिक सेवा के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि किम्बर्ली चीटल ने देश की रक्षा के लिए निस्वार्थ रूप से समर्पित होकर कई बार अपना जीवन जोखिम में डाला।

उल्लेखनीय है कि चीटल प्रतिनिधि सभा के सामने पेश हुई थीं। इस दौरान उन्हें तीखी आलोचना का सामना करना पड़ा। उन्होंने सांसदों के कई सवालों के जवाब नहीं दिए। इस पर कई रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक सांसदों ने उनसे इस्तीफा देने की मांग की। इसके बाद अटकलें तेज हो गई थीं कि वह अपना पद छोड़ देंगी। सीक्रेट सर्विस की निदेशक किम्बर्ली चीटल ने इस्तीफा दे दिया है। इस पर

चीन में तूफान गेमी के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी

एजेंसी

बीजिंग। चीन के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (एनएमसी) ने बुधवार सुबह तूफान गेमी के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया, जिसके कारण देश के दक्षिणी क्षेत्रों में तेज हवाएं चलने और भारी बारिश होने का अनुमान है। इस वर्ष का तीसरा तूफान गेमी बुधवार सुबह पांच बजे ताइवान के यिलान काउंटी से 260 किमी दक्षिण पूर्व में स्थित था। एनएमसी ने कहा कि इसके 10 से 15 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और धीरे-धीरे शक्तिशाली होने का अनुमान है। तूफान के बुधवार रात मध्य और उत्तरी ताइवान के तट पर पहुंचने की आशंका है। द्वीप को पार करने के बाद, गुरुवार दोपहर और रात के बीच फुज़ियान के फुडिंग और जिनजियांग के बीच तट पर दूसरी बार भूस्खलन होने का अनुमान है। एनएमसी के अनुसार, तूफान उत्तर की ओर चीन के अंतर्देशीय क्षेत्रों की ओर बढ़ेगा, इसकी तीव्रता धीरे-धीरे कम होगी। तूफान से प्रभावित होने के कारण दियाओयू द्वीप, दक्षिण चीन सागर, बाशी चैनल, ताइवान जलडमरूमध्य के साथ-साथ झेजियांग, फुजियान, जिआंगसू, शंघाई और ताइवान के तटीय क्षेत्रों, यांग्त्जी नदी के मुहाने क्षेत्र और हांगझोउ खाड़ी के तटीय क्षेत्रों में बुधवार सुबह आठ बजे से गुरुवार सुबह आठ बजे आंधी आने का अनुमान है।

वेस्ट बैंक में इजरायली हमले में 7 फिलिस्तीनियों की मौत

एजेंसी

रामल्लाह। इजरायली सेना और पुलिस ने वेस्ट बैंक में दो अलग-अलग झड़पों में सात फिलिस्तीनियों को मार गिराया है। फिलिस्तीनी सूत्रों ने ये जानकारी दी है।

फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों ने समाचार एजेंसी को बताया कि उत्तरी वेस्ट बैंक में तुलकरम शिविर में इजरायली ड्रोन हमले में हमास और फतह आंदोलन से जुड़े फिलिस्तीनी आतंकवादियों सहित चार लोग मारे गए। समाचार एजेंसी ने बताया कि इजरायली सेना ने शवों को जब्त कर लिया और फिलिस्तीनी चिकित्सकों को घायलों को अस्पताल ले जाने से रोका।

इस बीच, फिलिस्तीनी रेड क्रिसेंट सोसाइटी के अनुसार, तुलकरम के एक अस्पताल में इजरायली गोलीबारी में मारे गए एक फिलिस्तीनी व्यक्ति का शव और कम से कम तीन घायल मिले।

इजरायल रक्षा बलों ने एक बयान में कहा कि सेना और पुलिस ने 'आतंकवाद विरोधी अभियान' के तहत रात भर तुलकरम क्षेत्र में छापा मारा, जिसमें सशस्त्र फिलिस्तीनी

उग्रवादियों के साथ गोलीबारी की गई और सड़कों के नीचे लगाए गए अनेक विस्फोटकों को नष्ट कर दिया गया। बयान में कहा गया कि तुलकरम में हमास शाखा के प्रमुख अशरफ नफा को इस छापे में मार दिया गया। वह वेस्ट बैंक पर इजरायली सैनिकों के खिलाफ कई हमलों की साजिश रच रहा था और उन्हें अंजाम दे रहा था, साथ ही वह गुट में नए कार्यकर्ताओं की भर्ती भी कर रहा था। इजरायली सरकार के स्वामित्व वाले कान टीवी समाचार ने कहा कि छापे के दौरान, इजरायली सेना ने ड्रोन से सशस्त्र लोगों के एक समूह को निशाना बनाया। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक प्रेस बयान में कहा कि एक अलग झड़प में, दक्षिणी वेस्ट बैंक के शहर सैर में इजरायली सेना की गोलीबारी में दो युवक मारे गए।

7 अक्टूबर को गाजा पट्टी में युद्ध शुरू होने के बाद से वेस्ट बैंक पर विभिन्न शहरों, गांवों और शिविरों में तनाव और सशस्त्र टकराव बढ़ गया है, जिसके चलते फिलिस्तीनी स्रोतों के अनुसार, 500 से अधिक लोग मारे गए हैं।

डेमोक्रेटिक पार्टी का नामांकन हासिल करने के लिए कमला हैरिस को मिला पर्याप्त समर्थन

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की संभावित उम्मीदवार बनने के लिए कमला हैरिस ने पर्याप्त डेलीगेट (प्रतिनिधि) का समर्थन हासिल कर लिया है। इससे पहले अमेरिकी उपराष्ट्रपति को संभावित प्रतिद्वंद्वियों, सांसदों, गवर्नर और प्रभावशाली समूहों से समर्थन मिला था। वहीं हैरिस ने राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को चुनौती देने के लिए अपनी डेमोक्रेट पार्टी के डेलीगेट का समर्थन जुटाने के वास्ते अपनी पहली रैली के लिए विस्कॉन्सिन पहुंचीं।जानकारी के मुताबिक, भारतीय-अफ्रीकी मूल की हैरिस को 1976 डेलीगेट का समर्थन मिल गया है जो राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी का उम्मीदवार बनने के लिए जरूरी संख्या से ज्यादा है। हैरिस ने कहा, जब मैंने राष्ट्रपति पद के लिए अपने अभियान की घोषणा की थी, तो मैंने कहा था कि मैं यह नामांकन हासिल करना चाहती हूं। आज रात, मुझे इस बात पर गर्व है कि मुझे हमारी पार्टी का उम्मीदवार बनने के लिए आवश्यक समर्थन

मिल गया है। हैरिस (59) ने कहा, मैं जल्द ही औपचारिक रूप से नामांकन स्वीकार करने की आशा करती हूं।

राष्ट्रपति जो बाइडन ने रविवार को घोषणा की थी कि वो राष्ट्रपति पद का आगामी चुनाव नहीं लड़ेंगे। इसके साथ ही उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार के तौर पर उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के नाम का अनुमोदन किया। बाइडन के राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रमुख नेता हैरिस के समर्थन में तत्काल खड़े हो गए। अमेरिका में इस साल पांच नवंबर को चुनाव होने हैं।हैरिस ने कहा कि वह राष्ट्रपति बाइडन और डेमोक्रेटिक पार्टी के सभी लोगों की आभारी हैं जिन्होंने उन पर विश्वास जताया है। उन्होंने कहा कि वह अपने मुद्दे सीधे अमेरिकी लोगों के बीच लेकर जाएंगी। हैरिस ने कहा, यह चुनाव दो अलग-अलग दृष्टिकोणों के बीच एक स्पष्ट विकल्प प्रस्तुत करेगा। डोनाल्ड ट्रम्प हमारे देश को उस दौर में वापस ले जाना चाहते हैं जब हममें से कई लोगों को पूर्ण स्वतंत्रता और समान अधिकार नहीं थे। हैरिस का जन्म प्रवासी माता-पिता (एक अश्वेत पिता और एक भारतीय मां) से हुआ। उनके पिता डोनाल्ड हैरिस जमैका के थे और उनकी मां श्यामला गोपालन चेन्नई की एक कैंसर शोधकर्ता और नागरिक अधिकार कार्यकर्ता थीं। डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रमुख नेताओं के हैरिस के पक्ष में लामबंद होने के बीच वह राष्ट्रपति चुनाव का उम्मीदवार बनने के लिए रविवार से शुरू किए गए अपने अभियान के तहत मिलवॉकी से समर्थन जुटाना शुरू करेंगी।

बाइडन (81) ने गत रविवार को राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने की अचानक घोषणा कर सबको चौंका दिया था। उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए भारतीय-अफ्रीकी मूल की कमला हैरिस (59) के नाम की सिफारिश की थी। हैरिस ने रविवार दोपहर से अबतक 10 करोड़ डॉलर से अधिक धनराशि जुटा ली है और डेमोक्रेट नेताओं का समर्थन भी हासिल कर लिया है।

नेपाल में बड़ा विमान हादसा, टेकऑफ होते ही प्लेन काठमांडू में दुर्घटनाग्रस्त; 18 लोगों की मौत

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू में बुधवार को बड़ा विमान हादसा हुआ है। त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शौर्य एयरलाइंस का एक विमान उड़ान भरने के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। काठमांडू पोस्ट के अनुसार, दुर्घटना स्थल से आठ 18 बरामद किये गये हैं।

विमान में सवार थे 19 लोग

काठमांडू पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार टीआईए के प्रवक्ता प्रेमनाथ ठाकुर ने बताया कि पोखरा जाने वाले विमान में एयरक्रू सहित 19 लोग सवार थे। यह विमान सुबह करीब 11 बजे दुर्घटनाग्रस्त हुआ। पुलिस और अग्निशमन कर्मी दुर्घटना स्थल पर मौजूद है और राहत बचाव कार्य जारी है।

पायलट को ले जाया गया अस्पताल

हवाई अड्डे पर तैनात एक सुरक्षा अधिकारी ने समाचार एजेंसी को बताया कि विमान के पायलट को अस्पताल ले जाया गया है। उन्होंने बताया कि विमान में लगी आग को बुझा दिया गया है। पुलिस और

दमकलकर्मी दुर्घटनास्थल पर बचाव अभियान चला रहे हैं। फिलहाल यात्रियों की स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं मिल पाई है।

वहां मौजूद लोगों ने बताया हादसे से पहले का मंजर

काठमांडू पोस्ट के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि विमान रनवे के दक्षिणी छोर से उड़ान भर रहा था और अचानक पलट गया और पंख सीधा जमीन से टकरा गया जिससे विमान में तुरंत आग लग गई। इसके बाद यह रनवे के पूर्वी हिस्से में बुद्ध एयर हैंगर और रडार स्टेशन के बीच खाई में जा गिरा। वायरल वीडियो में हवाई अड्डे पर धुएं के घने गुबार देखे जा सकते हैं।

उत्तर पश्चिमी चीन प्रांत में भारी बारिश से 13,000 से ज्यादा लोग प्रभावित

लान्झू। उत्तर पश्चिमी चीन के गांसू प्रांत के लोंगनान शहर में मूसलाधार बारिश से बुधवार सुबह तीन बजे तक 13,400 से ज्यादा लोग प्रभावित हुए, जबकि 5,622 लोगों को सुरक्षित निकाला गया। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी।लोंगनान मौसम विभाग के अधिकारियों के अनुसार, सोमवार से बुधवार तक लोंगनान में 251 मिमी तक की भारी बारिश हुई।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

माल्विनास द्वीप के पास मछली पकड़ने वाली नाव पलटी, 8 की मौत

ब्यूनस आयर्स। माल्विनास द्वीप समूह के पास एक मछली पकड़ने वाली नाव के पलट जाने से आठ लोगों की मौत हो गई, जिसे अंग्रेजी में फ़ॉकलैंड द्वीप समूह कहते हैं। इस द्वीप पर अर्जेंटीना अपना दावा करता है लेकिन यह ब्रिटेन द्वारा शासित है। यह जानकारी अर्जेंटीना और स्पेनिश मीडिया ने दी।अर्जेंटीना के दैनिक समाचारपत्र ला नासियोन ने कहा कि सोमवार को मछली पकड़ने वाली नौका ट्रूथफिश की तलाश में माल्विनास द्वीप के पास नौकायन कर रही थी, तभी उसका पतवार टूट गया और वह डूब गया। अधिकारियों ने सुबह नाव पर सवार चालक दल के तीन सदस्यों की मौत की सूचना दी। दैनिक समाचारपत्र ने कहा, पिछले कुछ घंटों में, जहाज में डूबे शेष

27 लोगों को खोजने के लिए बचाव अभियान चलाया गया - जिनमें से 10 स्पेनिश नागरिक हैं और जीवनरक्षक नौकाओं के सहारे हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, बाद में मृतकों की संख्या बढ़कर आठ हो गई और 14 लोगों को बचा लिया गया। दक्षिण अटलांटिक में एक विदेशी ब्रिटिश क्षेत्र, सेंट हेलेना द्वीप का झंडा फहराने वाले मछली पकड़ने वाली नाव ने एक संकट संकेत दिया था, जब वह माल्विनास द्वीप समूह में प्यूर्टो अर्जेंटीनो से लगभग 200 समुद्री मील दक्षिण-पूर्व में स्थित था। अर्जेंटीना की नौसेना ने मंगलवार को एक बयान जारी कर कहा कि मछली पकड़ने वाली नौका ने खराब मौसम के कारण हुए नुकसान की सूचना दी, जिसके कारण इसमें पानी घुस गया, यही कारण है कि इसे जीवनरक्षक नौकाओं का सहारा लेना पड़ा। दुर्घटना के समय 70 समुद्री मील (लगभग 130 किमी) प्रति घंटे की रफ़्तार से हवाएं चल रही थीं और आठ मीटर ऊंची लहरें थीं। स्पैनिश अखबार फ़ारो डी विगो के अनुसार, जहाज पर 25 चालक दल के सदस्य और दो वैज्ञानिक पर्यवेक्षक थे, जिनमें आठ रूसी, दो उरुग्वे, दो पेरू और पांच इंडोनेशियाई शामिल थे।

हज 2024 सफलतापूर्वक संपन्न, सभी भारतीय हज यात्री सुरक्षित घर पहुंचे

एजेंसी

नई दिल्ली। हज 2024 के सभी भारतीय हज यात्री सुरक्षित घर वापस पहुंच चुके हैं और इनमें से 95 प्रतिशत से अधिक हज यात्रियों ने सऊदी अरब में हज कमिटी ऑफ इंडिया और वहां स्थित भारत के महावाणिज्य दूतावासद्वारा की गई व्यवस्थाओं पर संतोष और खुशी व्यक्त की है तथा भारत सरकार विशेषकर अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय का शुक्रिया अदा किया। दिल्ली और मुंबई हवाई अड्डा पर हज कमिटी ऑफ इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डॉ. लियाकत अली अफ़ाक़ी ने हज यात्रियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की विशेष निगरानी के कारण हज 2024 कई मायनों में अनुकरणीय रहा। उन्होंने कहा कि हज 2024 में पहली बार भारतीय हज यात्रियों को सुविधाओं के मामले में कई नायाब तोहफे मिले हैं। उन्होंने बताया कि मदीना में 95 प्रतिशत से अधिक भारतीय हज यात्रियों को मस्जिद नबवी के बहुत करीब ठहराया गया था।

नीट-यूजी पर शीर्ष न्यायालय का निर्णय महत्वपूर्ण : अभाविप

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) की परीक्षा के संदर्भ में उच्चतम न्यायालय के निर्णय पर स्वागत किया है और केन्द्र सरकार से न्यायालय के निर्देशों पर शीघ्र आवश्यक कदम उठाने की मांग की है। अभाविप ने कहा क नीट-यूजी की परीक्षा में गड़बड़ी के आरोपों पर जाँच कर रही सीबीआई को शीघ्रता से यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जो भी लोग परीक्षा की शुचिता से समझौता करने में शामिल रहे हों, उनके खिलाफ ऐसी कार्रवाई हो कि भविष्य में कोई भी पेपर लीक जैसी घटनाओं में शामिल होने की हिम्मत न जुटा सके। अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल ने कहा, सर्वोच्च न्यायालय ने नीट-यूजी परीक्षा के संदर्भ में जो कदम उठाए जाने के निर्देश दिए हैं, उनका पालन करते हुए केन्द्र सरकार को विद्यार्थियों के लिए न्याय सुनिश्चित करना चाहिए। नीट-यूजी परीक्षा सहित अलग-अलग परीक्षाओं में पारदर्शिता सहित जो विभिन्न समस्याएं सामने आई हैं, उनका स्थायी निदान हो सके, इसके लिए व्यवस्थागत सुधार होने चाहिए।

पर्यावरण मंत्री ने शालीमार बाग विधानसभा में विकास सभा कर किया मुफ्त पौधा वितरण

नई दिल्ली। विकास कार्यो में जनता की सहभागिता को लेकर दिल्ली सरकार ने शालीमार बाग विधान सभा में आज विकास सभा का आयोजन किया। इस अवसर पर दिल्ली के पर्यावरण एवं विकास मंत्री गोपाल राय ने कहा कि सभा के माध्यम से गांवो के लोगों को विकास कार्य के बारे में जानकारी प्राप्त होती है। साथ ही विकास प्रक्रिया में जनसहभागिता जरूरी है, इससे विकास कार्यों को गति मिलती है। सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सभी सुविधाएं मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है। गोपाल राय ने कहा कि लगभग 4 करोड़ रुपये से शालीमार बाग विधान सभा के गांवों में विकास कार्य किया जा रहा है। दिल्ली के गांव के विकास से संबंधित कार्यों के लिए सरकार ने 900 करोड़ रुपये का बजट रखा है। इस अवसर पर शालीमार बाग विधान सभा के विधायक बन्दना कुमारी और सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग और वन विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

राय ने बताया कि दिल्ली के गांवो में विकास सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड का गठन किया था। दिल्ली के गांवों के विकास के लिए इस साल सरकार ने 900 करोड़ रुपये का बजट रखा है। जिसके तहत दिल्ली के सभी गांवो में बेहतर सुख सुविधाएं उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है। इसके तहत सड़कों, नालियों, जल निकाय, सामुदायिक केंद्र, पार्क, श्मशान, खेल मैदान आदि से जुड़े विकास कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि लगभग 4 करोड़ रुपये से शालीमार बाग विधान सभा के गांवों में विकास कार्य किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा विकास कार्यों में जनता की सहभागिता को लेकर यह विकास सभा का आयोजन किया गया है।

विकसित भारत के सपने को साकार करने की शुरुआत है बजट: रिजिजू

नई दिल्ली। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने संसद में पेश आम बजट 2024-25 को विकसित भारत के सपने को पूरा करने की शुरुआत करने वाला करार देते हुये कहा कि यह विकासोन्मुखी बजट है।श्री रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है और यह बजट इसकी शुरुआत है। उन्होंने कहा कि बजट

में सभी वर्गों के हितों को ध्यान रखा गया है और बजट प्रावधानों से पूर्वोत्तर राज्य वित्तीय क्लस्टर बनेंगे। उन्होंने कहा कि इस बजट में किसानों और युवाओं सहित सभी वर्गों के लिये कुछ न कुछ किया गया है। बजट में जनहितैषी घोषणाओं से विपक्ष निराश है। विपक्ष के लिये बजट पर कहने के लिये कुछ नहीं है।

रोजगार का अवसर खोलने वाला बजट : जेपी नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार के आम बजट को विकसित भारत की आधारशिला रखने वाला सर्व-स्पर्शी और सर्व समावेशी तथा रोजगार के अवसर खोलने वाला बजट करार दिया। श्री नड्डा ने आज यहां कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की राजग सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट विकसित भारत की आधारशिला रखने वाला बजट है। यह सर्व-स्पर्शी और सर्व समावेशी तथा गरीब, महिला, युवा एवं अन्नदाता वर्ग के कल्याण के साथ-साथ उद्योगों एवं बुनियादी ढांचे को भी मजबूती देने वाला दूरदर्शी बजट है। उन्होंने कहा कि इस बजट में मातृशक्ति के आगे बढ़ने की असिमित छाप है तो कृषि विकास एवं किसानों की खुशहाली का आधार भी। इसमें नौजवानों को आगे बढ़ने के लिए खुला आसमान है तो गरीबों के चेहरे पर लाने वाली मुस्कान भी। यह बजट आत्मनिर्भर भारत की ऊर्जा से ओतप्रोत और रोजगार सृजन के प्रति समर्पित है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, मैं विकसित

भारत की संकल्पना को चरितार्थ करते इस बजट के लिए प्रधानमंत्री , वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और उनकी पूरी टीम को मैं अपनी ओर से तथा पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ताओं की ओर से बधाई देता हूँ और उनका हार्दिक अभिनंदन करता हूँ। उन्होंने कहा, पिछले 10 वर्षों में श्री मोदी के नेतृत्व में ऐसी व्यवस्था बनी है जिसमें लाभार्थियों को उनका हक़ बिना किसी बिचौलिए के, बिना किसी लीकेज के सीधे उनके बैंक खाते में पहुँच रहा है। पिछले 10 वर्षों में लगभग 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं। पिछले 10 वर्षों में हमारी अर्थव्यवस्था, औपचारिक अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हुई है। डिजिटल इंडिया से देश की अर्थव्यवस्था न केवल मजबूत हुई है बल्कि अब वैश्विक छाप भी छोड़ रही है। श्री नड्डा ने कहा कि इस बजट में रोजगार और कौशल विकास तथा प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने वाला है। प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान शुरू करने का निर्णय एक सराहनीय पहल है। इसके 63 हजार गांवों को कवर किया जाएगा, जिससे पांच करोड़ आदिवासियों को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि यह बजट गरीब, युवा, महिला और अन्नदाता के प्रति समर्पित बजट है। भारतीय अर्थव्यवस्था सही रास्ते पर है और उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ रही है।

बजट में मध्यम वर्ग को आर्थिक राहत देकर सरकार ने उनके सपनों को नया विस्तार दिया : अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि आम बजट 2024-25 में केंद्र सरकार ने मध्यम वर्ग को आर्थिक राहत देकर उनके सपनों को नया विस्तार दिया है। केंद्रीय मंत्री शाह ने बजट का स्वागत करते हुए एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट कर कहा कि बजट 2024-25 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार का देशवासियों की आशा, आकांक्षा व विश्वास पूर्ति के संकल्प का प्रतिबिम्ब है। यह बजट युवाओं व महिलाओं के सशक्तीकरण के साथ-साथ किसानों के लिए अनेक अवसर उपलब्ध करवाकर विकसित व आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि यह बजट ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और एंटरप्रेन्योरशिप को और बढ़ावा देकर देश के आर्थिक विकास को नई ऊंचाई देने की प्रधानमंत्री मोदी की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। साथ ही, इस बजट में टैक्स नियमों का भी सरलीकरण किया गया है, जिससे करदाताओं को बहुत आसानी होगी। शाह ने कहा कि टैक्स में छूट हो या उसके नियमों को आसान करना हो, 'प्रधानमंत्री आवास योजना' के तहत मध्यम वर्गीय परिवारों को आवास देना हो या कैंसर के मरीजों को दवाओं में राहत देने का निर्णय हो; यह बजट मध्यम वर्ग के जीवन को और भी आसान बनाने वाला है। उन्होंने कहा कि किसान कल्याण हमेशा से मोदी सरकार की योजनाओं व नीतियों के केंद्र में रहा है। आज बजट में कृषि क्षेत्र में उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए 1.52 लाख करोड़ रुपये की घोषणा कृषि क्षेत्र के लिए परिवर्तनकारी सिद्ध होने वाली है।शाह ने कहा कि बजट में एक करोड़ किसानों को प्राकृतिक कृषि के लिए सर्टिफाई करने, 10 हजार बायो-इनपुट सेंटर्स की स्थापना, कृषि के लिए डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण, 400 जिलों में खरीफ फसलों का क्रॉप सर्वे और

तिलहनों के लिए एक कार्यनीति का निर्माण जैसे निर्णयों से कृषि क्षेत्र तेजी से आत्मनिर्भर होने की दिशा में आगे बढ़ेगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा सहकारी क्षेत्र को निरंतर विस्तार देकर ग्रामीण अर्थतंत्र को मजबूत बनाने का काम किया जा रहा है। बजट में 'राष्ट्रीय सहकारी नीति' के निर्माण की घोषणा, देश में सहकारी आंदोलन को सशक्त बनाने और जमीनी स्तर पर इसकी पहुंच को मजबूत करने का काम करेगी। साथ ही, मत्स्य सहकारिता को झींगा की खेती, प्रसंस्करण और निर्यात के लिए नाबार्ड के माध्यम से वित्तपोषण की सुविधा से नई गति मिलेगी।

नीट यूजी 2024 परीक्षा रद्द नहीं होगी, सुप्रीम कोर्ट ने दोबारा कराने की गुहार ठुकराई

एजेंसी

नई दिल्ली । उच्चतम न्यायालय ने स्नातक स्तर की मेडिकल एवं अन्य पाठ्यक्रमों में दाखिले से संबंधित पांच मई को आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) 2024 रद्द कर दोबारा आयोजित कराने की गुहार मंगलवार ठुकरा दी। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने दोबारा परीक्षा आयोजित कराने की मांग वाली याचिकाएं ठुकराते हुए कहा कि रिकॉर्ड में मौजूद आंकड़े प्रश्नपत्र के व्यवस्थित रूप से सार्वजनिक होने के संकेत नहीं देते हैं। पीठ ने अपना फैसला सुनाते हुए कहा कि उपलब्ध आंकड़ों की जांच में कोई सबूत नहीं मिला, जिससे यह पता चल सके की प्रश्न पत्र सार्वजनिक होने समेत अन्य अनियमितताओं के पीछे परीक्षा आयोजित कराने वाली संस्था राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की प्रणालिगत विफलता है। पीठ ने कहा, ÷हमारा विचार है कि रिकॉर्ड में मौजूद तथ्यों के आधार पर इस अदालत द्वारा प्रतिपादित स्थापित

सिद्धांतों के आधार पर पूरी परीक्षा को रद्द करने का आदेश देना उचित नहीं है।पीठ ने हालांकि कहा कि यदि जांच में में लाभार्थियों की संख्या में वृद्धि का पता चलने पर काउंसलिंग प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद किसी भी स्तर पर ऐसे किसी भी विद्यार्थी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि कोई भी अभ्यार्थी इस धोखाधड़ी में शामिल पाया जाता है या लाभार्थी है, उसे नामांकन जारी रखने में किसी भी निहित अधिकार का दावा करने का अधिकार नहीं होगा।

पीठ ने कहा कि यह सच है कि नीट यूजी 2024 का प्रश्न पत्र हजारीबाग और पटना में सार्वजनिक हुआ था। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि हजारीबाग और पटना के केवल 155 विद्यार्थी ही इसके (प्रश्न पत्र सार्वजनिक होने और अन्य अनियमितताओं) के लाभार्थी थे। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि वर्तमान वर्ष के लिए नए सिरे से नीट कराने का निर्देश देना इस परीक्षा में बैठने वाले करीब 24 लाख से विद्यार्थियों के लिए गंभीर परिणामों से भरा होगा। पीठ ने यह भी कहा कि दाखिले के कार्यक्रम में व्यवधान से भविष्य में योग्य चिकित्सा पेशेवरों की उपलब्धता पर प्रभाव समेत अन्य पहलुओं पर विचार करने के बाद फैसला दिया गया?। पीठ ने कहा कि नीट परीक्षा 05 मई को आयोजित की गई थी और परिणाम 4 जून को घोषित किए गए थे। परीक्षा में लगभग 23 लाख 33 हजार अभ्यर्थी उपस्थित हुए। मेडिकल स्नातक स्तर की पढ़ाई के लिए 1.08 लाख सीटें हैं, जिनमें से 56000 सीटें सरकारी कॉलेजों में और बाकी निजी संस्थानों में हैं। शीर्ष अदालत ने केंद्र और एनटीए का प्रतिनिधित्व करने वाले सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और याचिकाओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता नरेंद्र हुड्डा, संजय हेगड़े और एडवोकेट मैथ्यूज जे नेदुम्परा सहित अन्य की दलीलें चार दिनों तक सुनने के बाद फैसला सुनाया।

230 सीट नहीं ला सकने वाला क्या नसीहत देगाः सीतारमण

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विपक्ष विशेषकर कांग्रेस द्वारा आम बजट को मोदी सरकार बचाओ बजट बताये जाने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये कहा कि जो इंडिया समूह 230 सीटें नहीं ला सका वह 240 सीटें लाने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को क्या नसीहत देगा। श्रीमती सीतारमण ने संसद में चालू वित्त के आम बजट को पेश करने के बाद संवाददाताओं से चर्चा में इस संबंध में पूछे जाने पर कहा कि बजट जरूरतमंद राज्यों को मदद करने की बजटीय प्रावधान किया गया है। यह किसी को खुश करने या नाराज करने वाला बजट नहीं है। उन्होंने कहा कि 37 दलों के गठबंधन 230 के आंकड़े को पार नहीं सका वह राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को लेकर क्या कह सकता है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बजट को 'कुर्सी बचाए' रखने के लिए गठबंधन के सहयोगियों की बात मानकर उन्हें खुश करने वाला बजट करार दिया और कहा कि इसमें कांग्रेस के न्याय एजेंडे की नकल का विफल प्रयास किया गया है। पश्चिम

बंगाल को बजट में विशेष ध्यान नहीं दिये जाने के बारे में पूछे जाने पर वित्त मंत्री ने कहा कि देश के सभी राज्यों को ध्यान में रखा गया है। बजट भाषण में जिनका नाम नहीं है उनको भी सभी केन्द्रीय योजनाओं को लाभ मिलता है और मिलता रहेगा, लेकिन कुछ राज्य हैं जो केन्द्रीय योजनाओं को लागू ही नहीं रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूर्वोदय योजना में पश्चिम बंगाल का नाम शामिल है और बजट भाषण में उसका नाम लिया गया है।

भारतीय संस्कृति में ऊंच-नीच का भेद नहीः प्रो मिश्र

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय (जेएनयू) के प्रो. रजनी कुमार मिश्रा ने यहां कहा कि भारतीय संस्कृति में ऊंच-नीच का विभेद नहीं करते। हमारे शास्त्र विचारों के हैं, विचारधारा के नहीं। इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) की यूजीसी से मान्यता प्राप्त अर्धवार्षिक पत्रिका 'कला कल्प' के गुरु पूर्णिमा अंक का लोकार्पण किया गया और कला कोश द्वारा तैयार नौ महत्त्वपूर्ण पुस्तकों का भी लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में भगवान महाकाल की नगरी उज्जैन के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्त्व पर आधारित फिल्म 'उज्जैनः द एबोड ऑफ महाकाल' का प्रदर्शन भी किया गया।

इस मौके पर मुख्य वक्ता जेएनयू के संस्कृत एवं प्राच्यविद्या अध्ययन संस्थान के आचार्य प्रो. रजनी कुमार मिश्रा, आईजीएनसीए के अध्यक्ष राम बहादुर राय, आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी, निदेशक (प्रशासन) डॉ. प्रियंका मिश्रा और कला कोश के विभागाध्यक्ष प्रो. सुधीर लाल भी उपस्थित थे। प्रो. रजनीश कुमार ने कहा,÷हम ऊंच-नीच का विभेद नहीं करते। हमारे शास्त्र विचारों के हैं, विचारधारा के नहीं। भारतीय संस्कृति गुरु-शिष्य परम्परा द्वारा संरक्षित हैं। हमारे यहां कोई भी बात परम्परा से विछिन्न होकर, कट कर नहीं कही गई है और न ही की जाती है। यदि कही भी जाएगी, तो कालांतर में वह लुप्त हो जाएगी। उन्होंने शास्त्रों के अनुसार गुरु की विशेषता बताते हुए कहा कि जो शिव तत्त्व को जानने वाला है, शांत है, जितेन्द्रिय है, सत्त्ववान है, निष्कंप है, यानी जिसमें जरा भी विचलन नहीं है और जिसमें शिव शास्त्रों का अनुभव है, वह गुरु है। श्री राय ने कहा,÷गीता में भगवान कृष्ण जिस स्पृहा रहित अवस्था का ज्ञान दे रहे हैं, वह भी गुरु की महिमा का ज्ञान है। गुरु सिखाता है और वह एक धागा भी देता है, जो धागा है, वह कर्म का मंत्र भी देता है। व्यक्ति को उस धागे में कर्म को विशुद्ध बुद्धि से पिरोना पड़ता है। यही साधना है। व्यक्ति अगर तैयार है, तो गुरु को खोजना नहीं पड़ता, गुरु खुद आपको खोज लेता है। प्रश्न यह है कि क्या हम सचमुच गुरु को खोजना चाहते हैं! गुरु पूर्णिमा इस शाश्वत प्रश्न को हमारे सामने उपस्थित कर देता है। सोचने की शकित् देता है। गुरु के योग्य बनकर ही हम योग्य गुरु को प्राप्त कर सकते हैं। गुरु पूर्णिमा का भाव असीम है और गुरु का भाव आकाश की तरह है। डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने कहा,आज जिन पुस्तकों का लोकार्पण किया गया है

Name Change
I, REEMA MAHESHWARI W/O RAJESH MAHESHWARI, R/O 53-A, LANE 4, MODEL TOWN, BAHADURGARH, JHAJJAR, HARYANA - 124507, have changed my name from RANU MAHESHWARI to REEMA MAHESHWARI for all future purpose.

Name Change
I, SHALU wife of JC-705960P Rank-SUB (NA) Name-SANTOSH SINGH CHAUHAN presently residing at VPO-GUHISAR, TEH-GOHAD, DISTT-BHIND, M.P-477222 have changed my name from SHALU to SHALU DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 24/07/2024 before Notary Public, Delhi

Name Change
I, Bhimlal Ahir S/O Shri Gurudin Yadav, E-154, pkt-3, DDA flat Bindapur Uttam nagar, New Delhi 110059, have Changed my name from BHIMLAL AHIR to BHIM LAL YADAV. Address E-154, pkt-3, DDA flat Bindapur Uttam nagar, New Delhi 110059.

Name Change
I AMAN KUMAR MAURYA S/O RAM NATH MAURYA residing at C-1B-240 C-B IP DEPOT T-HUTS RING ROAD ANNA NAGAR DARYA GANJ DELHI-110002 have changed my name to AMAN KUMAR MOURYA permanently

Name Change
I, MD. SAFAQ S/O Majrul Haq, House No-E-140, Sanjay Colony, Bhatti Mines, Chattar Pur, PO: Chattarpur, DIST: South Delhi, Delhi - 110074 have changed my name from MD.SAFAQ to MOHD SAFAQ for all in future purpose.

Name Change
I, JADHAO KOMAL RAVINDRA Wife of JC-708723W Rank-NB/SUB (NA) Name-JADHAV RAVINDRA RAMRAO Presently residing at GAJANAN NAGAR, WARD NO-17, CHIKHLI, DISTT-BULDHANA, MAHARASHTRA-443201 have changed my name from JADHAO KOMAL RAVINDRA to KOMAL RAVINDRA JADHAV for all future purposes vide Affidavit Dated 24/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, RAHUL SINGH S/O KISHAN SINGH, R/O KHASRA NO 444, GALI NO 3, SHIV MANDIR PARTAP VIHAR, KHORA COLONY, KHORA GAON, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH - 201309, have changed my name from RAHUL to RAHUL SINGH for all future purpose.

Name Change
I, NAJIA is legally wedded spouse of No.IC-33287H Rank- LT COL (Retd), Name- MUSHTAQ MOHAMMED KHAN R/o B-113, SIPCOT HOUSING COLONY, HOSUR-635126 (TAMILNADU), have changed my name from NAJIA to NAJIA KHAN for all future purposes. And in my husband service records my date of birth wrongly mentioned is 1960 instead of 17/06/1962. Vide affidavit dated 24/07/2024 before Notary Public New Delhi.

Name Change
I ANIL KUMAR SHARMA S/O SURAJ PRAKASH SHARMA R/O D2-2501 CLEO COUNTRY SECTOR 121 NOIDA UTTAR PRADESH 201301 HAVE CHANGED MY NAME TO ANIL SHARMA FOR ALL FUTURE PURPOSES.

Name Change
I TIKAM SINGH S/O BAJRANG SINGH R/O H.N0-2722, SECTOR-7 A, FARIDABAD, HARYANA-121006 HAVE CHANGE MY NAME TO TIKKAM SINGH RAJPUROHIT FOR ALL PURPOSE.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि मेरे मुवक्किल इकबाल खान पुत्र आजाद खान एंव श्रीमती रस्सो खान पत्नी इकबाल खान निवासीगण – ए–1/35, मधु विहार, उत्तम नगर, वेस्ट दिल्ली, दिल्ली–110059 ने अपने पुत्र नदीम खान एंव उसकी पत्नी अफसाना एंव उसके बच्चे को हमारे नियन्त्रण में ना होने, व हमारे साथ अभद्र व्यवहार करने और हमारे साथ लड़ाई–झगडा करने के कारण मैं उसके व्यवहार से बहुत दुखी होकर अपनी चल व अचल सम्पत्ति से उसे बेदखल कर रहे हैं और उनसे अपने सारे सम्बन्ध विच्छेद कर रहे हूँ। यदि कोई व्यक्ति उनके साथ किसी प्रकार का लेन–देन व संव्यवहार रखता हैं तो उसका जिम्मेदार वह स्वंय होगा, मेरे मुवक्किलगण व उसके परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
SANGEETA KUMARI ADVOCATE
CH. NO.534 LAWYERS CHAMBER BLOCK DISTRICT COURT DWARKA NEW DELHI-110075

Name Change
I, Anuj Kumar S/o Kanhiya Lal Aggarwal R/o 133, 3rd Floor, Amolik Residency, Amolik Chowk, Sector-86, Kheri Kalan(113), Faridabad, Haryana-121002, Have Changed My Name To Anuj Aggarwal For Future Purpose.

Name Change
I hereto known as Raveendra Swami alias R N Swami alias Dr Raveendra alias Dr R Swami alias Ravinder nath swami s/o ram teerth swami r/o kiran clinic, C-1, sector-21C Part-1 ,Faridabad Haryana-121012,have changed my name and shall hereafter be known as Ravinder Nath Swami.

Name Change
I hitherto known as Dr Kiran Bala Swami alias Kiran Bala alias Kiran alias Kiran Swami alias Kiran Raveendra D/O Lal Bihari W/O Ravinder Nath Swami R/O kiran clinic C-1,Sector-21C,Part -1 Faridabad ,Haryana-121012 have changed my name and shall hereafter be known as KIRAN BALA SWAMI.

Name Change
I, JC-551943K Rank-NB SUB Name-T KHUPKHOLAL KHONGTHANG Father of HATNEICHING R/o VILL-LEIMAKHONG BAZAR, PO-MANTRIPUKHRI, TEH-GAMNOM SAPORMAINA, DIST-KANGPOKPI, MANIPUR-795002 have changed my minor daughter's name from HATNEICHING to HATNEICHING KHONGTHANG for all future purposes vide affidavit dated 24/07/2024 Before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, JC-551943K Rank-NB SUB Name-T KHUPKHOLAL KHONGTHANG Father of HATNUNNEM R/o VILL-LEIMAKHONG BAZAR, PO-MANTRIPUKHRI, TEH-GAMNOM SAPORMAINA, DIST-KANGPOKPI, MANIPUR-795002 have changed my minor daughter's name from HATNUNNEM to HATNUNNEM KHONGTHANG for all future purposes vide affidavit dated 24/07/2024 Before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
To Whom so ever it may concern
Mr. Deepak Kumar s/o Late Narayan Singh is absolute owner of Western Portion of Plot No. 42A area measuring 75 sqyds part of Khasra No. 64//24/2 situated at Saran (Sanjay Colony) Tehsil Badkhal and District Faridabad, Haryana and Lost Original Sale deed vide Document No. 10345, dated 13/12/2004 and Original Release deed vide Document No. 11051, dated 08/11/2010 and FIR for has been Done vide FIR No. 1962429/2024, dated 23/07/2024 if anybody found above mentioned deed kindly contact on- 8882910441 within 7 Days
(Advocate Abhishek)
Lexicure Law Firm Advocates
Office At : 305, 3RD Floor Aggarwal building pocket 3 Sector 12 Dwarka New Delhi 110075.

Name Change
I, KAISHER JAHAN, W/o. SH. AZMAT HUSSAIN KHAN, R/o. DHAKA, PANDRI, JAMUA, EAST CHAMPARAN, BIHAR-845418, have changed my name from KAISHER JAHAN to KAISER KHANAM for all future purpose.

Name Change
I, Idayachandran Selvakumar S/o Selvakumar Perumal R/o H-714, Jalvayu Towers, Sector-56, Gurgaon, Haryana-122011, Have Changed My Minor Daughter Name Kavya Prada Idayachandran To Kavyaprada Idayachandran For All Future Purpose

Name Change
It is for general information that I, FAIZ KHAN S/o MUJAHID KHAN R/o 67, Gali No.-10, Noor Nagar, Jamia Nagar Okhla, South Delhi-110025, declare that name of my mother has been wrongly written SEEMA in my 10th & 12th class Educational Documents and Birth Registration Certificate No. MCDOLR05262194. The actual name of my mother is SEEMA PARVEEN.

Name Change
I, No-15485271M Rank-DFR Name-TUNTUN KUMAR S/o SUKHARI SAHANI R/o VILL-LAXMIPUR, PO-TURKI, TEH+DIST-MUZAFFARPUR, BIHAR-844127 have changed my Minor son's name from NIKHIL BINAY to NIKHIL VINAY for all future purposes vide affidavit dated 24/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, JC-551943K Rank-NB SUB Name-T KHUPKHOLAL KHONGTHANG Father of NGAMGUNSANG R/o VILL-LEIMAKHONG BAZAR, PO-MANTRIPUKHRI, TEH-GAMNOM SAPORMAINA, DIST-KANGPOKPI, MANIPUR-795002 have changed my minor son's name from NGAMGUNSANG to NGAMGUNSANG KHONGTHANG for all future purposes vide affidavit dated 24/07/2024 Before Notary Public, Delhi.

Name Change
I hitherto known as FARHANA D/o MD HAMID ALI SHAIKH, R/o O-21/4, An Noor Masjid, Bish Foota Road, Batla House, Jamia Nagar Okhla, South Delhi, Delhi-110025, have changed my name and shall hereafter be known as FARHANA SHAIKH.

Name Change
I, ROHIT S/O RAJA RAM r/o HOUSE-E 160 GALI NO-69 MAHAVIR ENCLAVE PART-3, UTTAM NAGAR, Dwarka, 110059, have changed my name from ROHIT to ROHIT KANOJIA for all in future purpose.

सार्वजनिक सूचना
मै हरीश चन्द पुत्र सीता राम निवासी E–49/2 महाबीर विहार कॉलोनी कंझावला दिल्ली –81. शपतपूर्वक अपने पुत्र सुमित को इसके दुर्व्यवहार के कारण अपनी समस्त चल अचल सम्पति से बेदखलकर सभी सम्बंध समाप्त कर लिए है भविष्य मे कोई व्यक्ति सुमित से किसी भी प्रकार का लेन देन करेगा तो वह उसका जिमेदार स्वयं होगा. मै या मेरा परिवार नही

Name Change
I, No-3008465X Rank-HAV Name-BHAGWAN SAHAI GURJAR Father of REENU BAI R/o WARD NO-4, BABA KI DHANI, PEEPALKI, TEH-SIKRI, DISTT-DAUSA, RAJASTHAN-303509 have changed my minor daughter's name from REENU BAI to REENU GURJAR for all future purposes vide affidavit dated 24/07/2024 Before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, JC-551943K Rank-NB SUB Name-T KHUPKHOLAL KHONGTHANG Father of LALGOUMANG R/o VILL-LEIMAKHONG BAZAR, PO-MANTRIPUKHRI, TEH-GAMNOM SAPORMAINA, DIST-KANGPOKPI, MANIPUR-795002 have changed my minor son's name from LALGOUMANG to LALGOUMANG KHONGTHANG for all future purposes vide affidavit dated 24/07/2024 Before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, PRASHANT S/O TEK CHAND residing at 107, KRISHAN KUNJ COLONY, LAXMI NAGAR, DELHI-110092 have changed my name to PRASHANT KUMAR for all future purpose.

Name Change
I, JC-551943K Rank-NB SUB Name-T KHUPKHOLAL KHONGTHANG Father of NGAMMINHAO R/o VILL-LEIMAKHONG BAZAR, PO-MANTRIPUKHRI, TEH-GAMNOM SAPORMAINA, DIST-KANGPOKPI, MANIPUR-795002 have changed my minor son's name from NGAMMINHAO to NGAMMINHAO KHONGTHANG for all future purposes vide affidavit dated 24/07/2024 Before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
To Whom so ever it may concern
Mrs. Pinki w/o Anil Kumar is absolute owner of Flat No. GF-1 on Ground Floor without roof rights area measuring 75 sqyds part of Khasra No. 1065min situated at Sadarpur Paragna Dasna Tehsil and District Ghaziabad, Uttar Pradesh and Original Sale deed vide Document No. 2971, dated 08/04/2010and FIR for has been Done vide FIR No. 1962421/2024, dated 23/07/2024 if anybody found above mentioned deed kindly contact on-8882910441 within 7 Days
(Advocate Abhishek)
Lexicure Law Firm Advocates
Office At : 305, 3RD Floor Aggarwal building pocket 3 Sector 12 Dwarka New Delhi 110075.

NOTICE
Public at large is hereby informed that my client Smt. Rajni Devi W/o Sh. Manoj Kumar is the owner of Residential land area measuring 287.11 sq. yds. part of Gata No. 636/1, Situated at Village Jaolli, Pargana and Tehsil Sikandrabad, Distt. Bulandsahar, U.P. vide Regd. Gift Deed dated 11/04/2022 executed by Sh. Giriraj S/o Sh. Pitam Singh in favour of Smt. Rajni Devi W/o Sh. Manoj Kumar as vide Doc No. 3676, in Book No. I, Vol No. 10187, SR-Sikandrabad, in respect of land area measuring 287.11 sq. yds. Initially, Sh. Pitam Singh was recorded owner of the said property, who died leaving behind Legal heir (1) Sh. Giriraj, Later said property mutated in revenue record in name of Sh. Giriraj S/o Sh. Pitam Singh who executed Regd. Gift Deed dated 11/04/2022 in favour of abovementioned client who will be mortgaging the said property with Cholamandalam Investment and Finance Company Ltd. Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.
NEW DELHI
DATE: 24/7/2024
PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक श्रीमती सरिता पत्नी श्री जगपाल, 0 कनाल 4 मरला 1 सरसाई यानी 127 वर्ग गज भूमि, खेवट नंबर 298 रेक्ट नंबर 37, किला नंबर 19/2/1/19(2–) की फ्रीहोल्ड रेजिडेंशियल हाउस की मालिक हैं। 8), आवासीय कॉलोनी में स्थित है जिसे ग्राम फाजिलपुर झारसा, गुरुग्राम, तहसील बादशाहपुर जिला गुरुग्राम हरियाणा के नाम से जाना जाता है।, विक्रय विलेख द्वारा दिनांक 30.01.2024 विधिवत एसआर – बादशाहपुर के रूप में पंजीकृत, दस्तावेज़ संख्या 16263, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 603/1172 पृष्ठ संख्या 198/47–51, दिनांक 30.01.2024।, नीचे उल्लिखित दस्तावेजों की श्रृंखला में उपलब्ध नहीं है यानी स्वर्गीय श्री रणजीत रतन मेहरा का मृत्यु प्रमाण पत्र और एसएमसी, अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, वही संपत्ति वर्तमान में आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा वित्तपोषित है और अब वही जा रही है उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड शाखा नोएडा उत्तर प्रदेश द्वारा पुनर्वित्त किया जाएगा। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

बजट ने हरियाणा और देश को किया निराश : हुड्डा

एजेंसी

चंडीगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा का कहना है कि केंद्रीय बजट से हरियाणा को बड़ी निराशा हाथ लगी है। बजट में हरियाणा का कहीं कोई जिक्र नहीं किया गया। हुड्डा ने कहा कि इस बजट ने देश के किसान, छोटे व्यापारी, मिडिल क्लास, गरीब और गृहणियों को भी पूरी तरह निराश किया है। क्योंकि लगातार महंगाई और भारी टैक्स की मार झेल रही जनता को महंगाई से कोई राहत नहीं दी गई। किसान के हाथ एक बार फिर खाली रहे और एमएससी गारंटी पर यह बजट खामोश रहा। किसान सम्मान निधि की राशि में भी किसी तरह की बढ़ोतरी नहीं की गई। जून 2022 में किसान सम्मान निधि के लाभार्थियों की संख्या 11.39 करोड़ थी, जो अब घटकर 9.26 करोड़ रह गई है।बेरोजगारी पर नकेल कसने को लेकर भी बजट में कोई रोडमैप नजर नहीं आया। सिर्फ आंकड़ों की बाजीगरी करते हुए बीजेपी ने बजट पेश करने की एक औपचारिकता निभाई है। हुड्डा ने कहा कि बिना आम आदमी को कोई राहत दिए सरकार द्वारा लगातार देश पर कर्ज बढ़ाया जा रहा है। इस बार भी कर्जे में 10त्न की बढ़ोतरी हुई है।

वरिष्ठ पत्रकार सर्वमित्र कंबोज समेत कई जानी-मानी हस्तियों ने ज्वाइन की कांग्रेस

चंडीगढ़। जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहा है, कांग्रेस का कुनबा लगातार विस्तार ले रहा है। इसी कड़ी में कई जानी-मानी हस्तियों और बीजेपी-जेजेपी नेताओं के साथ करीब 20 पार्षदों, सरपंचों, पूर्व पार्षदों और पूर्व सरपंचों में कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। 15 साल तक विभिन्न संस्थानों में अपनी सेवाएं दे चुके वरिष्ठ पत्रकार सर्वमित्र कंबोज ने आज पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा, प्रदेश अध्यक्ष चौधरी उदयभान और सांसद दीपेंद्र हुड्डा की मौजूदगी में कांग्रेस ज्वाइन की। पूर्व डिप्टी स्पीकर कंवर विजयपाल के बेटे और बीजेपी के वरिष्ठ नेता अरिदमन सिंह बिल्लू ने भी अपने सैंकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। कुरुक्षेत्र से सांसद रहे गुरदयाल सैनी के बेटे राजेंद्र सैनी ने भी आज वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में पार्टी ज्वाइन की। इससे पहले हरियाणा बाल विकास परिषद के मानद सचिव रहे प्रवीण अत्री ने भी बीजेपी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए। हुड्डा ने सभी नेताओं का कांग्रेस में स्वागत किया। चौधरी उदयभान ने उन्हें पार्टी में पूर्ण मान-सम्मान का भरोसा दिलाया। दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि नए साथियों के कांग्रेस में आने से पार्टी को मजबूती मिलेगी व प्रदेश में चल रही बदलाव की लहर और मजबूत होगी।

एक पेड़ मां के नाम लगाकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति निभायें अपनी जिम्मेदारी : डॉ. वीरेन्द्र कुमार दहिया

पानीपत। हरमनी सोसाइटी एलडीको द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपायुक्त डॉ.वीरेन्द्र कुमार दहिया ने भाग लिया व एक पौधा मां के नाम कार्यक्रम के तहत पौधारोपण कर लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया। उपायुक्त ने कहा कि यदि हर व्यक्ति ईमानदारी से एक एक पौधा लगाये व उसकी परवरिश अपने बेटे की तरह करें तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम होगा व आम जन को इसका भविष्य में लाभ मिलेगा। उपायुक्त ने कहा कि वन विभाग द्वारा जून के महीने में पौधारोपण कार्यक्रम किया जाता है। जिसमें लाखों की संख्या में छायादार व फलदार पेड़ लगाये जाते है व बहुत सी किस्मों के पौधे निःशुल्क वितरीत किये जाते है। विभाग द्वारा इस अभियान के तहत खाली स्थानो पर पौधारोपण किया जाता है। उपायुक्त ने विशेष तौर पर युवाओं का आह्वान किया कि वे पौधारोपण में रूचि ले व उन कार्यक्रमों में पौधारोपण को बढ़ावा दे व अन्य को भी एक पौधा लगाने के लिए प्रेरित करें।इस मौके पर एसडीएम मनदीप सिंह, नगरादीश टीनू पोसवाल व जिला कल्याण अधिकारी जयपान हुडडा व संस्था के पदाधिकारियों ने एक एक पौधा मां के नाम लगाया। इस मौके पर सुनील सरदाना, विनेश मलिक, तकदीर गरेवाल, संतोष, सनी, अनु मलिक आदि मौजूद रहें।

नियमित शिविर के आयोजन ने शिकायतकर्ताओं के लिए खोले बड़े स्तर पर समाधान के रास्ते : उपायुक्त डॉ. वीरेंद्र कुमार दहिया

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार द्वारा जिला सचिवालय और उपमंडल स्तर पर नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे जनता समाधान शिविरों ने शिकायतकर्ताओं के लिए बड़े पैमाने पर समाधान के रास्ते खोल दिए हैं। ये समाधान शिविर रोजाना समीक्षा के साथ आगे बढ़ रहे हैं और शिविर की प्रगति का शिकायतकर्ताओं को सीधा लाभ मिल रहा है। रोजाना की समीक्षा से अधिकारियों पर समस्याओं का बोझ हल्का हो रहा है। उपायुक्त डॉ. वीरेंद्र कुमार दहिया शिकायतकर्ताओं से प्राप्त समस्याओं के निदान में गहन रुचि लेते हैं, जिसका लाभ शिकायतकर्ताओं को बड़े स्तर पर मिल रहा है। इन समाधान शिविरों में जनता की पुकार पर कार्यवाही की जाती है। शिविरों में जनता की समस्याओं की हो रही सुनवाई से राज्य सरकार की कार्यशैली के प्रति लोगों का विश्वास भी बढ़ रहा है। उपायुक्त ने बताया कि समाधान शिविर में कभी समस्याएं ज्यादा पहुंच जाती हैं, तो कभी इनका प्रतिशत कम रह जाता है। इस अंतराल को देखकर लगता है कि हमने जो यात्रा लोगों की समस्याओं के समाधान को लेकर शुरू की थी, उसमें हमें उम्मीद से ज्यादा सफलता मिली है।

रोडवेज के बेड़े में शामिल होंगी 650 नई बसें, 290 करोड़ रुपये की खरीद को मंजूरी

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई एचपीपीसी और एचपीडब्ल्यूपीसी की बैठक

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा रोडवेज के बेड़े में अब 650 नई बसें शामिल होंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई उच्चाधिकार प्राप्त क्रय समिति (एचपीपीसी) की बैठक में बसों की खरीद को मंजूरी प्रदान कर दी गई। बैठक में परिवहन विभाग द्वारा हरियाणा रोडवेज के बेड़े में नई बसों को शामिल करने के लिए रखे गए 150 एसी बसों तथा 500 सामान्य बसों की खरीद के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है। इन बसों की खरीद पर लगभग 290 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आएगी।

बैठक के बाद जारी की गई जानकारी के अनुसार प्राकृतिक आपदा के कारण खराब होने वाली फसलों के नुकसान के लिए किसानों को मुआवजा देने के लिए चलाई जा रही प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के अंतर्गत आज बीमा कंपनियों का चयन किया गया है। बैठक में खरीफ 2024 से रबी 2025-26 की अवधि के लिए बीमा कंपनियों के चयन को मंजूरी प्रदान की गई है। इस अवधि के लिए प्रीमियम के रूप में लगभग 1100 करोड़ रुपये की राशि का भुगतान किया जाएगा। किसानों को मात्र 1 से

1.5 प्रतिशत प्रीमियम देना होगा। शेष प्रीमियम केंद्र और राज्य सरकार देगी।

उच्चाधिकार प्राप्त क्रय समिति (एचपीपीसी), वित्तीय उच्चाधिकार प्राप्त क्रय समिति (डीएचपीपीसी) तथा हाई पावर्ड वर्क्स परचेज कमेटी (एचपीडब्ल्यूपीसी) की बैठक में कुल मिलाकर 1970 करोड़ रुपये से अधिक के कॉन्ट्रैक्ट तथा विभिन्न वस्तुओं की खरीद को मंजूरी दी गई। बैठक में विभिन्न बोलीदाताओं से नेगोशिएशन के बाद दरें तय करके लगभग 132 करोड़ रुपये से अधिक की बचत की गई है। बैठक में कैबिनेट मंत्री कंवर पाल, मूलचंद शर्मा, रणजीत सिंह, जे पी दलाल और राज्य मंत्री असीम गोयल नन्यौला भी उपस्थित रहे।

जीएमडीए के प्रोजेक्टों को भी मिली मंजूरी

बैठक में गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) द्वारा गुरुग्राम के सेक्टर 68-75 में नए सेक्टरों में लगभग 55 करोड़ रुपये की लागत से आरसीसी बॉक्स टाइप मास्टर स्ट्रॉम वाटर ड्रेन का निर्माण और सेक्टर 112-115 में 33 करोड़ रुपए की लागत से आरसीसी बॉक्स टाइप मास्टर स्ट्रॉम वाटर ड्रेन और पंपिंग स्टेशन के निर्माण को भी मंजूरी दी गई।

इसके अलावा, गुरुग्राम जिले में सोहना में लगभग 17 करोड़ रुपये की लागत से सब डिवीजन कॉम्प्लेक्स का निर्माण और फरीदाबाद के बडखल में लगभग 16 करोड़ रुपये की लागत से एसडीओ सिविल कॉम्प्लेक्स के निर्माण को भी मंजूरी दी गई है। बैठक में करनाल जिले में लगभग 12 करोड़ रुपये की लागत से कोंड मुनक सलवान असंध रोड का सुदृढ़ीकरण और 30 करोड़ रुपये की लागत से सिरसा ब्रांच के आरडी नंबर 0-88588 तक कंक्रीट साइड लाइनिंग बिछाकर रिमॉडलिंग कार्य को भी मंजूरी दी गई है।

दो मामलों का आपसी सहमति से निपटारा परिवार में खुशियां लौटी

हरियाणा राज्य महिला आयोग की वाइस चेयरपर्सन ने 12 मामलों की जनसुनवाई की

एजेंसी

सोनीपत। हरियाणा राज्य महिला आयोग की वाइस चेयरपर्सन सोनिया अग्रवाल ने लघु सचिवालय

स्थित कांफ्रेंस हॉल में पलवल और सोनीपत जिले के महिला विरुद्ध अपराध के 12 मामलों की जनसुनवाई की।

इस दौरान 2 मामलों का आपसी सहमति से निपटारा हुआ। मंगलवार को वाईस चेयरपर्सन के प्रयासों से सोनीपत की बेटी के परिवार में दोबारा खुशियां लौट आई। उन्होंने पिछले 6 महीनों से सोनीपत की बेटी और उसके ससुराल वालों के बीच चल रहे विवाद को खत्म करवाने के लिए दोनों पक्षों से बातचीत की और मामला सुलझाया। उन्होंने 5 मामलों में दोनों पक्षों को अगली सुनवाई के लिए 7 अगस्त को पंचकूला में हाजिर होने के निर्देश दिए।

उन्होंने पलवल जिले से संबंधित धारा 376 के दो मामलों की सुनवाई की। पहले मामले में थाना बदलने और दूसरे मामले में अपराधी को 15 दिन में गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। उन्होंने शिकायतकर्ता महिलाओं से पुलिस व्यवहार के बारे में पूछा, जिनका कहना था कि पुलिस का व्यवहार जांच के दौरान अच्छा रहा।

वाईस चेयरपर्सन ने पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि महिलाओं की समस्याओं का समय पर समाधान करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं चला रही है। एसीपी संदीप, परियोजना अधिकारी प्रवीण कुमारी, महिला थाना सोनीपत की इंचार्ज कविता, अंशु जैन सहित सभी संबंधित अधिकारी व शिकायतकर्ता मौजूद रहे।

समाधान शिविर में अब तक हो चुका है 4617 शिकायतों का समाधान

एजेंसी

जींद। लघु सचिवालय में स्थित सभागार कार्यालय में मंगलवार को डीसी मोहम्मद इमरान रजा की अध्यक्षता में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। समाधान शिविर में कुल 100 समस्याएं आई। इसमें से अधिकतर शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया और शेष बची शिकायतों का समाधान करने के लिए संबंधित विभागों को दिशा निर्देश दिए गए।

डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने कहा कि समाधान शिविर में आने वाले प्रत्येक नागरिक की समस्या का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जा रहा है। सरकार के निर्देशानुसार आमजन की समस्याओं का समाधान करने के लिए हर रोज सुबह 9 से 11 बजे तक जिला व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में आने वाले नागरिकों की समस्याओं का पंजीकरण करके संबंधित विभाग को समस्या का निवारण करने के निर्देश दिए जाते हैं और समस्याओं का समाधान होने के उपरांत उन्हें पोर्टल पर अपडेट करने

का कार्य साथ-साथ सुचारु रुप से चल रहा है।

अबतक 4617 समस्याओं का हुआ समाधान

समाधान प्रकोष्ठ पोर्टल पर अब तक जिला में 6128 समस्याओं को रजिस्टर किया गया है। जिनमें से 4617 का समाधान हो चुका है और 962 पर संबंधित अधिकारी पूरी निष्ठा व तत्परता के साथ कार्य कर रहे है। जिनका जल्द ही निपटान कर दिया जाएगा। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि नागरिकों को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। समाधान शिविर में अधिकतर शिकायतें बुढ़ापा पेंशनए दिव्यांगजन पेंशन, लाडली योजना, कन्यादान राशि से संबंधित आ रही हैं।

जिनका प्राथमिकता के आधार पर निवारण किया जा रहा है। इस अवसर पर एडीसी डा. हरीश वशिष्ठ, एसडीएम राकेश सैनी, जिला राजस्व अधिकारी राजकुमार, डीडीपीओ संदीप भारद्वाज व अन्य अधिकारी मौजूद थे।

मंडल रेल प्रबंधक ने किया रेल परियोजनाओं का निरीक्षण

एजेंसी

हिसार। उत्तर पश्चिम रेलवे बीकानेर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक डॉ. आशीष कुमार ने बीकानेर-हिसार रेल खंड का दौरा किया। इस दौरान

उन्होंने रेल परियोजनाओं का निरीक्षण भी किया।` डॉ. आशीष कुमार ने बीकानेर-रतनगढ़ रेल मार्ग का विंडो ट्रेलिंग इंस्पेक्शन करने के साथ चूरू-रतनगढ़ रेल मार्ग के दोहरीकरण कार्य, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत किए जा रहे रतनगढ़, सादुलपुर और हिसार स्टेशनों के पुनर्विकास कार्यों का निरीक्षण किया तथा ट्रैकमैन एवम अन्य कर्मचारियों से मुलाकात कर उनसे संवाद भी किया। विशेष निरीक्षण यान से किए गए निरीक्षण में मंडल रेल प्रबंधक के साथ वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) अमित जैन, वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर ललित कुमार, मंडल इंजीनियर (उत्तर) मनीष पद्मावत, मंडल इंजीनियर (दक्षिण) अमन अग्रवाल एवं मंडल के अन्य अधिकारी तथा कर्मचारी उनके साथ रहे।

विकसित भारत के संकल्प पर आधारित बजटः राजीव जैन

एजेंसी

सोनीपत। मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार राजीव जैन ने बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए आम बजट-2024 में हर वर्ग को राहत देने की कोशिश की गई है। बजट का मुख्य उद्देश्य युवाओं, गरीबों, महिलाओं, और किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए आर्थिक मजबूती प्रदान करना है। जैन ने कहा कि भारत तेजी से विकास की दिशा में बढ़ रहा है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने इसके विकास की सराहना की है। बजट में युवाओं के लिए मुद्रा लोन की राशि को 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख रुपए कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, 500 टॉप कंपनियों में 5 करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप का वादा किया गया है और एजुकेशन लोन के लिए ई वाउचर्स प्रदान किए जाएंगे।

बजट में कैंसर दवा, सोना-चांदी, मोबाइल फोन आदि पर कस्टम ड्यूटी में कमी की गई है। इसके साथ ही, 6 करोड़ किसानों की जानकारी लैंड रजिस्ट्री पर लाने का प्रस्ताव और महिलाओं व लड़कियों के लिए 3 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। जैन ने इस बजट को समावेशी और भविष्यवादी बताया, जो सभी वर्गों के सशक्तिकरण पर केंद्रित है और हरियाणा के लिए भी लाभकारी साबित होगा।

साधक बाहर से हटकर अंतर हृदय को टटोलता है : रमेश मुनि

एजेंसी

सोनीपत। श्री एस एस जैन सभा गन्नौर मंडी के तत्वाधान में मुनि मायाराम परंपरा के उज्जवल नक्षत्र श्री रमेश मुनि जी महाराज श्री मुकेश मुनि महाराज श्री मुदितमुनि जी महाराज ने जैन स्थानक में चातुर्मास के दौरान प्रवचनों की रसधारा प्रवाहित की। मंगलवार को श्री रमेश मुनि जी महाराज ने कहा संसार में सभी पदार्थ नश्वर हैं जिन पदार्थों में व्यक्ति सुख को खोज रहा है उसकी वह खोज झूठी है व्यक्ति की अगर

संसार के पदार्थों में सुख होता तो संसार के कितने महापुरुष हुए हैं प्रभु महावीर महात्मा बुध भगवान श्री राम जैसे महापुरुष जिन्होंने संसार के पदार्थों को ठोकर मार कर सच्चे सुख की खोज की संसार परिवर्तनशील है प्रत्येक पदार्थ वह चाहे शरीर के रूप में हैं या महल धन वैभव के रूप में प्रतिक्षण बदलने लग रहा है, चातुर्मास की साधना भी इसी रूप में की जाती है जहां साधक बाहर से हटकर अंतर हृदय की खोज करता है।श्री मुकेश मुनि जी महाराज ने कहा चातुर्मास वह साधना है जिसमें व्यक्ति अंतर हृदय की जागृति के साथ जीवन जीता है उसके जीवन की प्रत्येक क्रिया के साथ विवेक रहता है वह जो भी कार्य करता है होश के साथ करता है आज व्यक्ति जो भी करताहै वह जोश के साथ तो करता है परंतु होश खो देता है, चातुर्मास काल में साधक जो भी करता है वह होश के साथ यानी विवेक ज्ञान रखकर अपनी साधना संपन्न करता है।

देश को जो उम्मीद थी वह बजट मोदी सरकार की मजबूरी की भेंट चढ़ाः अशोक बुवानीवाला

भिवानी। हरियाणा कांग्रेस के उद्योग सैल के अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला ने कहाकि यह निराशाजनक बजट है। वित्त मंत्री के बजट भाषण में आम लोगों के सामने आने वाले प्रमुख मुद्दों के बारे में कुछ भी सुनने को नहीं मिला। आम लोगों की आय में सुधार के लिए उठाए गए किसी भी कदम का अपर्याप्त उल्लेख था। बुवानीवाला ने कहा कि जब बात गंभीर आय असमानता की आती है तो सरकार की ओर से हमें बहुत कम देखने को मिलता है। देश में रोजगार के सबसे बड़े स्त्रोत एमएसएमई के लिए भी कोई केंद्र सरकार की नकारात्मक सोच है। उन्होंने कहा कि गत 10 वर्षों में देश में बेरोजगारी बढ़ी है। हरियाणा की बात करें तो हमारा राज्य बेरोजगारी के मामलों में अव्वल आया है, जो कि सरकार के लिए शर्मनाक बात है। विकसित होने की बात कहने वाली सरकार आखिर किस लिहाज से खुद को विकसित बताती है यह समझ से परे है। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों को सम्मान निधि के नाम पर बहकाया है।

अन्नदाता,युवा, गरीब और महिला वर्ग हितैषी बजट : धनखड़

एजेंसी

चंडीगढ़। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़ ने जनकल्याणकारी बजट पेश किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का धन्यवाद करते हुए किसानों-ग्रामीणों, गरीब वर्ग, युवाओं, महिलाओं सहित समाज के सभी वर्गों को बधाई और शुभकामनाएं दी है। धनखड़ ने कहा कि आज का बजट ग्रामीण विकास और कृषि क्षेत्र की प्रगति में नए आयामों को स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि यह विकसित भारत के निर्माण की नींव रखने वाला का बजट है। यह समृद्ध और शक्तिशाली भारत के निर्माण का बजट है, विशेषकर किसान, गरीब, महिलाएं, युवा और मध्यम वर्ग के कल्याण पर विशेष रूप से ध्यान दिया गया है। यह बजट इन सब वर्गों के जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन करेगा। बजट ग्रामीण क्षेत्र को और विकसित करेगा । किसानों की जिंदगी बदलेगा। किसान की दृष्टि से अगर देखें तो इसमें सभी पक्षों पर ध्यान दिया गया है, उत्पादन बढ़ाना, क्योंकि लाभ तभी होगा, जब उत्पादन बढ़ेगा, उसके लिए फल-सब्जी और अनाज की 109 नई वैरायटी जारी की जाएगी, जो जलवायु अनुकूल होगी और ग्लोबल वार्मिंग के मौजूदा खतरे

में चाहे ज्यादा तापमान हो या कम पानी हो, अच्छा उत्पादन देगी। धनखड़ ने कहा कि न केवल उत्पादन बढ़ाने की बात है, अपितु इस बजट में लागत घटाने के प्रयत्न भी हैं, किसान के समर्थ अनुसार क्रेडिट कार्ड हो या सस्ता ऋण हो, उनके कारण किसानों की लागत घटेगी।

किसान बंधु धनखड़ ने कहा कि प्राकृतिक खेती के मिशन में किसानों को प्रशिक्षित करने और प्राकृतिक खेती में केमिकल फर्टिलाइजर का इस्तेमाल की कमी पर फोकस होगा । प्राकृतिक खेती होने से लोग बीमारियों से बचेंगे और धरती का स्वास्थ्य भी सुधरेगा। उत्पादन के ठीक दाम देने के लिए एमएसपी पर खरीदी सुनिश्चित की गई है । उन्होंने बताया कि कृषि में डिजिटल इंफ्रा तैयार करने की बात कही गई है, जिससे किसान कई परेशानियों से बचेंगे। विशेषकर दलहन-तिलहन का उत्पादन बढ़े और किसानों को भी ठीक दाम मिले, इसलिए उड़द, मसूर, तूर (अरहर) जो किसान पैदा करेंगे, वह पूरी एमएसपी पर खरीद होगी, उसके लिए समृद्धि पोर्टल भी लांच किया गया है। हमारा देश दलहन और तिलहन के उत्पादन में आत्मनिर्भर बने, इस बात का प्रयत्न किया जाएगा।धनखड़ ने कहा कि कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रों में देखें तो 1.52 लाख करोड़ रु. का प्रावधान किया गया है, वहीं फर्टिलाइजर सब्सिडी 1.64 लाख करोड़ रु. से भी ज्यादा है, वो अलग से है। कृषि और किसानों के लिए काफी राशि रखी गई है ।

विकसित राष्ट्र बनने की राह सुगम बनाने वाला बजट : मोहनलाल

एजेंसी

सोनीपत। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं राई के विधायक मोहनलाल बड़ौली नेकेन्द्रीय वित्त मंत्री द्वारा लोकसभा में पेश किए गए वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह बजट भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की राह में मजबूती देगा और वर्ष 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बना देगा। उन्होंने बताया कि बजट गरीबों, युवाओं, महिलाओं और किसानों के कल्याण को समर्पित है। प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि शिक्षा, रोजगार और कौशल के लिए 1.48 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। औपचारिक क्षेत्रों में पहली बार नौकरी करने वाले लोगों, जिनका वेतन एक लाख रुपये से कम है, उन्हें एक महीने का वेतन प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के रूप में दिया जाएगा। इसमें 15 हजार रुपये तक की तीन किस्तें शामिल हैं।

युवाओं के कौशल विकास के लिए प्रधानमंत्री पैकेज के तहत 20 लाख युवाओं को स्किल ट्रेनिंग दी जाएगी और उच्च शिक्षा के लिए 10 लाख रुपये तक का लोन प्रदान किया जाएगा। स्वरोजगार स्थापित करने के लिए लोन की सीमा 10 से बढ़ाकर 20 लाख कर दी गई है।किसानों को सशक्त बनाने के लिए खेती और उससे जुड़े सेक्टरों के लिए 1.52 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो पिछले साल की तुलना में 21.6 प्रतिशत अधिक है। महिलाओं और लड़कियों के लाभ के लिए 3 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास स्थापित किए जाएंगे। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को पांच साल के लिए बढ़ायागया है, ताकि हर गरीब को भोजन मिल सके। पीएम आवास योजना के अंतर्गत 1 करोड़ शहरी गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए घर देने का ऐलान किया गया है। इसके लिए 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश होगा। वहीं, केंद्रीय बजट 2024-25 में 3 करोड़ अतिरिक्त आवास बनाने का फैसला लिया गया है, जिस पर मौजूदा वित्त वर्ष में 10 लाख करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

उपायुक्त ने अवतार स्टील यूनिट-4 मंजूरी के लिए निरीक्षण किया

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत के गांव मोहाना में विकसित की जा रही अवतार स्टील लिमिटिड यूनिट-4 को पर्यावरण मंजूरी के लिए उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार की अध्यक्षता में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कंपनी के अधिकारियों ने पीपीटी के माध्यम से यूनिट की जानकारी दी। ग्रामीणों ने कुछ सवाल पूछे, जिनका कंपनी अधिकारियों ने जवाब दिया। मंगलवार को उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने कंपनी को यूनिट के चारों ओर पौधारोपण करने और प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड के सभी नियमों का पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने पूछा कि यूनिट में कितना पानी इस्तेमाल होगा और गंदे पानी की व्यवस्था क्या होगी। अधिकारियों ने बताया कि अपशिष्ट पदार्थ को गांव जाट जोशी में री-साइकिलिंग के लिए भेजा जाएगा और दूषित पानी को साफ कर पुनः उपयोग किया जाएगा। डॉ. कुमार ने कंपनी को सीएसआर फंड से मोहाना और आस-पास के गांवों में तालाबों का सौंदर्यकरण करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अपने सुझाव और आपत्तियां एक सप्ताह के भीतर प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड के कार्यालय में जमा करवा सकते हैं। इस मौके पर एसडीएम सोनीपत अमित कुमार, नगर निगम की संयुक्त आयुक्त रेणुका, प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड के आरओ प्रदीप, स्वास्थ्य विभाग से डॉ. गीता दहिया, एमएसएमई विभाग से मंजीत दहिया और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

केन्द्रीय बजट में हरियाणा का नाम लेना भी भूली सरकार : दीपेन्द्र हुड्डा

एजेंसी

चंडीगढ़। केन्द्रीय बजट को पूरी तरह निराशाजनक बताते हुए सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि सरकार केन्द्रीय बजट में हरियाणा का नाम लेना भी भूल गई। लेकिन 2 महीने बाद विधान सभा चुनाव में हरियाणा की जनता बीजेपी को वोट देना भी भूल जाएगी। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि ये कैसा बजट है जिसमें देश की ज्वलंत समस्याएं, बढ़ती हुई महंगाई, रिकार्ड स्तर पर बेरोजगारी, जो देश का युवा झेल रहा है उसके बारे में एक शब्द भी नहीं कहा गया। न ही इसके लिए कोई आवंटन या कोई कदम उठाया गया। देश के किसान व गरीब जैसे बड़े वर्गों को राहत की उम्मीद थी, उन्हें कोई राहत नहीं दी गई। दीपेंद्र हुड्डा ने बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस बार बजट में हरियाणा फिर से खाली हाथ रहा। इसमें हरियाणा के लिए कोई नयी परियोजना देना तो दूर, 10 साल पहले हमारे द्वारा मंजूरशुदा परियोजनाओं के लिए भी कोई बजट आवंटन नहीं दिया गया। मेट्रो विस्तार, ऋक्ष्स परियोजनाएं - दिल्ली-सोनीपत-पानीपत, दिल्ली-गुड़गाँव-अलवर, दिल्ली-रोहतक-हिसार, रेल कोच फैक्ट्री, बाढ़सा एम्स-2 परिसर के मंजूरशुदा संस्थान, डिफेन्स यूनिवर्सिटी समेत हमारे द्वारा मंजूर कराई गई सारी बड़ी परियोजनाएं पिछले 10 वर्षों की तरह एक बार फिर खाली हाथ रह गयीं। यह ऐसा बजट है जिसमें हरियाणा को हर तरह से मायूसी मिली। दीपेन्द्र ने यह भी जोड़ा कि ये बजट एक सौदेबाजी है और अल्पमत सरकार की मज़बूरियों के चलते सारा ध्यान केवल 2 प्रदेशों पर केंद्रित है। इसके अलावा क्षेत्रीय संतुलन के नाम पर ये बजट एक मज़ाक है। वोट के लिए बीजेपी के केन्द्रीय मंत्री हरियाणा आकर चुनावी नारे गढ़ते हैं लेकिन जब हरियाणा को कुछ देने की बारी आती है तो चुपचाप किनारा कर लेते हैं। उन्होंने कहा कि पहले के वर्षों की तरह ही इस वर्ष भी केंद्र सरकार द्वारा पेश बजट से आम लोगों को निराशा हाथ लगी है। ये बजट जनविरोधी और महंगाई को बढ़ावा देने वाला है। बढ़ती महंगाई से पूरे देश में हाहाकार मचा हुआ है, लोगों का कमाना खाना तक मुश्किल हो गया है।

मेकमाईट्रिप का तिमाही मुनाफा 12.9 प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की अग्रणी यात्रा सेवा प्रदाता कंपनी मेकमाईट्रिप का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में शुद्ध मुनाफा इसके पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 1.86 करोड़ डॉलर के मुकाबले 12.9 प्रतिशत बढ़कर 2.1 करोड़ डॉलर हो गया कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि आलोच्य अवधि में उसका समायोजित परिचालन मुनाफा 3.01 करोड़ डॉलर से 29.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 3.91 करोड़ डॉलर पर पहुंच गया। इसी तरह इस अवधि में उसका राजस्व 19.67 करोड़ डॉलर की तुलना में 31.4 प्रतिशत के इजाफे के साथ 25.45 करोड़ डॉलर हो गया।

मेकमाईट्रिप के ग्रुप मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेश मागो ने कहा, 'हम इस वित्तीय वर्ष की मजबूत शुरुआत देखकर खुश हैं। हमारा मानना है कि भारत के यात्रा और पर्यटन क्षेत्र की दीर्घकालिक विकास की कहानी कई व्यापक आर्थिक कारकों से प्रेरित है, जैसे यात्रा के बुनियादी ढांचे में सरकारी निवेश में वृद्धि, मध्यम वर्ग की बढ़ती डिस्पोजेबल आय और यात्रा करने की बढ़ती प्रवृत्ति। ये कारक संकेत देते हैं कि भारत के यात्रा और पर्यटन उद्योग की वृद्धि देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की विकास दर से अधिक होने की उम्मीद है। हमारा लक्ष्य ऑफ़लाइन से ऑनलाइन खरीददारी में बदलाव का लाभ उठाकर और अपने ग्राहक आधार और वॉलेट शेयर का विस्तार करके अपनी वृद्धि को जारी रखना है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे।

तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.26 प्रतिशत बढ़कर 78.60 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड भी 0.27 प्रतिशत की बढ़त लेकर 82.62 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। देश के चार महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत इस प्रकार रही।

गुजरात में भूटान के राजा और पीएम से अरबपति कारोबारी अदाणी की मुलाकात, मकसद- सहयोग के अवसर तलाशना

नई दिल्ली। भारत के अरबपति उद्योगपति गौतम अदाणी ने भूटान के राजा और प्रधानमंत्री से गुजरात में मुलाकात की। दोनों के साथ मुलाकात की तस्वीरें शेयर कर अदाणी ने कहा भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्येल वांगचुक और प्रधानमंत्री भूटान दाशो त्शेरिंग टोबगे की मेजबानी कर बेहद खुश हैं। उन्होंने खावड़ा और मुंद्रा बंदरगाह में 30 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा साइट का दौरा करने के लिए दोनों का आभार भी प्रकट किया। अदाणी ने कहा कि भारत और भूटान स्थायी और हरित भविष्य के लिए थंडर ड्रैगन की भूमि के साथ सहयोग को बढ़ावा देने को प्रतिबद्ध हैं। ऐसे में वे भी अपनी भूमिका को लेकर उत्साहित हैं। सूत्रों ने कहा कि भूटान के शीर्ष नेताओं की यात्रा का प्राथमिक उद्देश्य अदाणी समूह के साथ कई क्षेत्रों में व्यापक सहयोग के अवसरों का पता लगाना था। मुंद्रा में, अदाणी समूह भारत के सबसे बड़े वाणिज्यिक बंदरगाह का संचालन करता है, जबकि खावड़ा में यह दुनिया का सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा पार्क विकसित कर रहा है। भूटान का लक्ष्य बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के विकास में समूह की विशेषज्ञता को देखते हुए सहयोग करना है। अदाणी ने कहा कि भूटान की जीवंत भावना और पर्यावरण-अनुकूल पहलों के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता को देखकर उन्हें काफी प्रेरणा मिलती है। गौरतलब है कि जलविद्युत भूटान की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जो इसके सकल घरेलू उत्पाद और निर्यात राजस्व में महत्वपूर्ण योगदान देती है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनेंशियल का जून तिमाही का शुद्ध लाभ 45 प्रतिशत बढ़कर 513 करोड़ रुपये पर

नई दिल्ली। महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज का चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में शुद्ध लाभ 45 प्रतिशत बढ़कर 513 करोड़ रुपये हो गया है। गैर-बैंकिंग कंपनी का शुद्ध लाभ बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 353 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी की शुद्ध ब्याज आय जून तिमाही में 15 प्रतिशत बढ़कर 1,932 करोड़ रुपये हो गई तथा ब्याज मार्जिन पिछली तिमाही की समान अवधि के 7.1 प्रतिशत से घटकर 6.6 प्रतिशत रह गया। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान इसकी कुल आय 20 प्रतिशत बढ़कर 3,760 करोड़ रुपये हो गई तथा प्रबंधन के अधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) 23 प्रतिशत बढ़कर 1.06 लाख करोड़ रुपये हो गईं। कंपनी की ऋण लागत एक साल पहले की समान तिमाही के 526 करोड़ रुपये से घटकर 448 करोड़ रुपये रह गई, जिससे लाभ वृद्धि में मदद मिली।

भारत के बजट में नेपाल को 700 करोड़ और भूटान को 2067 करोड़ रुपये का मिला अनुदान

एजेंसी

काठमांडू। भारतीय संसद में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के पेश किए गए आम बजट में पड़ोसी देशों के लिए भी अनुदान की घोषणा की गई है। इसमें सबसे अधिक अनुदान भूटान के लिए और दूसरे नंबर पर नेपाल के लिए अनुदान की घोषणा की गई है। वित्त मंत्री ने संसद में बजट पेश करते हुए कहा कि मोदी सरकार की नेवरहुड फर्स्ट पॉलिसी के तहत पड़ोसी देश के लिए अनुदान देने का प्रस्ताव है। बजट में नेपाल को 700 करोड़ रुपये देने का प्रस्ताव है। नेपाल को दिए जाने वाले अन्य आर्थिक सहयोग के अलावा वित्त वर्ष 2024-2025 के लिए सलाना दिए जाने वाले आर्थिक अनुदान में यह रकम देने की बात कही गई है। पिछले साल यानी वित्त वर्ष 2023-2024 में नेपाल के लिए 550 करोड़ रुपये देने की घोषणा की गई थी। हालांकि, बाद में संशोधन कर इसको 650 करोड़ रुपये कर दिया गया था। इस तरह पिछले साल की

तुलना में इस बार 50 करोड़ रुपये अधिक अनुदान की घोषणा की गई है। भारत के पड़ोसी देशों में सबसे अधिक आर्थिक अनुदान लेने में नेपाल दूसरे नंबर पर है।

भारत से आर्थिक अनुदान लेने वाले में सबसे आगे भूटान है। आज संसद में पेश हुए बजट में भूटान को 2067 करोड़ रुपये देने की घोषणा की गई है। बजट में भूटान को आर्थिक अनुदान के रूप में 1078 रुपये और 989 करोड़ रुपये का ऋण देने की बात कही गई है।

टॉरेंट फार्मा का जून तिमाही का शुद्ध लाभ 21 प्रतिशत बढ़कर 457 करोड़ रुपये पर

एजेंसी

नयी दिल्ली। टोरेंट फार्मा ने कहा कि घरेलू बाजार में मजबूत प्रदर्शन से 30 जून, 2024 को समाप्त पहली तिमाही में उसका कर-पश्चात लाभ सालाना आधार पर 21 प्रतिशत बढ़कर 457 करोड़ रुपये हो गया। दवा निर्माता ने पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 378 करोड़ रुपये का कर-पश्चात लाभ (पीएटी) दर्ज किया था।

टोरेंट फार्मा ने एक बयान में कहा कि पहली तिमाही में राजस्व 2,859 करोड़ रुपये रहा, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 2,591 करोड़ रुपये था। कंपनी ने कहा कि फोकस थेरेपी में मजबूत प्रदर्शन से जून तिमाही में भारत में उसका राजस्व सालाना आधार पर 15 प्रतिशत बढ़कर 1,635 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी के शेयर बीएसई पर 3.58 प्रतिशत बढ़कर 3,137.15 रुपये पर बंद हुए।

अंतरिक्ष क्षेत्र के लिये 1000 करोड़ रु का उद्यम पूंजी कोष, इस्पा ने किया स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरिक्ष क्षेत्र के लिये 1000 करोड़ रु का उद्यम पूंजी कोष, इस्पा ने किया स्वागत वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश वर्ष 2024-25 के बजट में अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था के प्रोत्साहन को जारी रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गयी है और इसके लिये 1000 करोड़ रुपये का एक उद्यम पूंजी कोष बनाने की घोषणा की गयी है। अंतरिक्ष उद्योग ने इसका स्वागत किया किया है।

श्रीमती सीतारमण ने लोक सभा में बजट प्रस्तुत करते हुये कहा, 'अगले 10 वर्षों में अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था को पांच गुना बढ़ाने पर हमारा जोर निरंतर बना रहेगा। इसके लिये 1,000 करोड़ रुपये का उद्यम पूंजी कोष स्थापित किया जायेगा। अंतरिक्ष क्षेत्र की कंपनियों के फोरम इंडिया स्पेस एसोसिएशन (इस्पा) के महानिदेशक ले.जन. (सेवानिवृत्त) एके भट्ट ने कहा, एक दशक में भारत

अधिक पूंजी की जरूरत वाले इस क्षेत्र में शैशवावस्था वाले उद्यमों के समक्ष पूंजी जुटाने की चुनौतियों से निपटने की दिशा में एक कदम है। उन्होंने कहा, हम भारत में प्रस्तावित 12 नये औद्योगिक पार्कों की स्थापना के प्रस्ताव में अंतरिक्ष क्षेत्र को भी शामिल किए जाने की उम्मीद कर रहे हैं।

की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था को पांच गुना तक बढ़ाने का आम बजट का विजन इस क्षेत्र को लेकर सरकार की मजबूत प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा, बजट में 1000 करोड़ रुपये के उद्यम पूंजी कोष की घोषणा

एनटीपीसी-बीएचईएल 800 मेगावाट का वाणिज्यिक संयंत्र स्थापित करेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। एनटीपीसी और भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स (बीएचईएल) के शेयरों में कारोबार में बढ़त दर्ज की गई, जब केंद्र सरकार ने घोषणा की कि दोनों कंपनियों का संयुक्त उद्यम एयूएससी प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए 800 मेगावाट का पूर्ण व्यावसायिक संयंत्र स्थापित करेगा। बीएसई में एनटीपीसी 2.15 प्रतिशत बढ़कर 381.60 रुपये पर पहुंच गया, जबकि भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स 1.25 प्रतिशत बढ़कर 308.70 रुपये पर पहुंच गया।

हमसे व्हाट्सएप पर जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें रिपोर्ट के अनुसार, उक्त AUSC तकनीक को भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, इंदिरा गांधी सेंटर फॉर एटॉमिक रिसर्च और एनटीपीसी के एक संघ के माध्यम से स्वदेशी रूप से विकसित किया गया है। केंद्र सरकार ने कथित तौर पर इस तकनीक को विकसित करने पर 1,554 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहाः 'सरकार भारत लघु रिएक्टरों की स्थापना के लिए निजी क्षेत्र के साथ साझेदारी करेगी। एनटीपीसी और भेल के बीच संयुक्त उद्यम एयूएससी (एडवांस्ड अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल) प्रौद्योगिकी का उपयोग करके 800 मेगावाट की पूर्ण क्षमता वाले वाणिज्यिक संयंत्र की स्थापना करेगा। सरकार एनटीपीसी, भेल संयुक्त उद्यम के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान करेगी।' वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला और संसद के मानसून सत्र के दौरान अपना लगातार सातवां केंद्रीय बजट पेश कर रही हैं।

सरकार ने पीएम-सूर्य घर योजना के तहत डिस्कॉम को प्रोत्साहन के लिए दिशा निर्देश जारी किए

नई दिल्ली। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने पीएम-सूर्य घर । मुफ्त बिजली योजना के तहत डिस्कॉम को 4,950 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन देने के दिशानिर्देश जारी किए हैं। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने यह जानकारी दी। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि डिस्कॉम को प्रोत्साहन देने के मानदंडों में बेसलाइन स्तर के अलावा अतिरिक्त ग्रिड की स्थापना - जुड़ी हुई रूफटॉप सौर क्षमता शामिल है। उन्होंने कहा, ''पीएम सूर्यघर के तहत डिस्कॉम को 4,950 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन दिया जाएगा। प्रोत्साहन के प्रभावी वितरण के लिए दिशानिर्देश जारी किए गए हैं।'' एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि डिस्कॉम (बिजली वितरण कंपनियां) को प्रोत्साहन के कार्यान्वयन के लिए दिशानिर्देश पिछले सप्ताह 18 जुलाई को नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने अधिसूचित किए थे।

हमजा अर्सिवाला ने बजट में रोजगार सृजन और कौशल विकास पर फोकस की सराहना की

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2024-25 पेश किया, जो भारत की आर्थिक प्रगति के लिए महत्वपूर्ण दस्तावेज है। समग्र दृष्टिकोण पर जोर देते हुए बजट में ऊर्जा सुरक्षा, बुनियादी ढांचे के विस्तार और नवाचार को बढ़ावा देने जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को तरजीह दी गई है। उद्योगों से जुड़े लोगों ने रणनीतिक निवेश और नीतिगत पहलों के माध्यम से विकास को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का हवाला देते हुए बेहतरी की उम्मीद जताई है।

भारतीय विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माता संघ (आईईईएमए) के अध्यक्ष हमजा अर्सिवाला ने बजट में रोजगार सृजन और कौशल विकास पर फोकस की सराहना की, जो मजबूत अर्थव्यवस्था के निर्माण के लिए आवश्यक घटक हैं। उन्होंने विनिर्माण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पहलों पर प्रकाश डाला, विशेष रूप से विद्युत और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में। आवश्यक खनिजों और धातुओं

पर शुल्क छूट की घोषणा से इन उद्योगों में विकास को और बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिससे घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा और मेक इन इंडिया पहल के साथ तालमेल होगा।

आईईईएमए की महानिदेशक चारु माथुर ने भी बजट 2024 की तारीफ की। उन्होंने अक्षय और परमाणु प्रौद्योगिकी पर जोर देने के साथ भारत के ऊर्जा क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए बजट के प्रावधानों की सराहना की। उच्च ग्रेड सीआरजीओ स्टील जैसे महत्वपूर्ण घटकों के लिए सीमा शुल्क छूट जारी रखना बिजली क्षेत्र के लिए एक सहायक उपाय के रूप में देखा जाता है, जो घरेलू उत्पादन क्षमताओं को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है। कुल मिलाकर, केंद्रीय बजट 2024-25 स्वच्छ ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और एमएसएमई के लिए समर्थन में निवेश द्वारा समर्थित सतत विकास के लिए एक रोडमैप की रूपरेखा तैयार करता है। प्रतिस्पर्धा बढ़ाने और नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उपायों के साथ, बजट भारत के लिए आने वाले वर्षों में अधिक आर्थिक लचीलापन और आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए पृष्ठभूमि तैयार करता है।

अमेरिका में रहने वाले भारतीयों ने मोदी सरकार 3.0 के पहले बजट को सराहा

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका में रहने वाले भारतीयों ने मोदी सरकार के पहले बजट की तारीफ की है। दरअसल अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों के संगठन द यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम ने मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले बजट की सराहना की है और कहा है कि इससे घरेलू उपभोक्ताओं और विदेशी निवेशकों को फायदा होगा। साथ ही बजट में भारत में व्यापार शुरू करने की प्रक्रिया को भी आसान बनाया गया है। इससे भारत में औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

विदेशी कंपनियों पर टैक्स घटाने के फैसले की तारीफ की

यूएसआईएसपीएफ ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और भारत सरकार को अच्छा बजट पेश करने के लिए बधाई भी दी। यूएसआईएसपीएफ ने बयान में कहा कि मोदी सरकार का बजट समावेशी राजकोषीय सावधानी, विकास आधारित पहल के बीच का अच्छा संतुलन है, जो घरेलू उपभोक्ताओं के साथ ही विदेशी निवेशकों को भी फायदा देगा। साथ ही

भारत में व्यापार शुरू करने की प्रक्रिया को भी आसान बनाया गया है। यूएसआईएसपीएफ ने विदेशी कंपनियों पर टैक्स के 35 प्रतिशत घटाने के फैसले का भी स्वागत किया।

एंजेल टैक्स हटाने से देश में स्टार्टअप इकोसिस्टम बेहतर होगा

बयान में कहा गया है कि टैक्स घटाने से न सिर्फ घरेलू और विदेशी निवेशकों के बीच संतुलन बनेगा, साथ ही इससे वैश्विक निवेश को बढ़ावा मिलेगा और कंपनियां चीन से भारत शिफ्ट हो सकेंगी। संगठन ने चिकित्सीय उपकरणों, मोबाइल फोन, चार्जर और सौर ऊर्जा उपकरणों पर टैक्स में कटौती कर अहम फैसला लिया है। इससे घरेलू स्तर पर उत्पादन बढ़ेगा और सप्लाई चेन भी बेहतर होगी, जो भारत में औद्योगिक विकास के लिए अहम है। यूएसआईएसपीएफ के अनुसार, भारत के इनोवेशन सिस्टम में कई गड्ढे हैं, लेकिन एंजेल टैक्स हटाने के फैसले से देश में स्टार्टअप सिस्टम को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही घरेलू और विदेशी स्तर पर फंडिंग भी बढ़ेगी। कैंसर की दवाओं पर टैक्स घटाने की भी तारीफ की गई है। अक्षय ऊर्जा क्षेत्र को मजबूत करने के लिए भी कदम उठाए गए हैं और अहम खनिज, ऊर्जा स्थानांतरण नीतियों और डिजिटलीकरण को लेकर किए गए फैसलों की भी यूएसआईएसपीएफ ने तारीफ की।

बजट में ऊर्जा स्थिरता पर जोर सराहनीयः एस्सार

एजेंसी

नई दिल्ली। एस्सार ऑयल एंड गैस एक्सप्लोरेशन एंड प्रोडक्शन लिमिटेड के सीईओ श्री पंकज कालरा ने आज कहा कि चालू वित्त वर्ष के बजट में ऊर्जा स्थिरता पर जोर दिया जाना सराहनीय कदम है। श्री कालरा ने केंद्रीय बजट 2024-25 पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा, बजट में ऊर्जा स्थिरता पर जोर दिया जाना सराहनीय है। यह उचित ऊर्जा परिवर्तन मार्गों के माध्यम से आर्थिक विकास को पर्यावरणीय स्थिरता के साथ संतुलित करने के महत्व पर प्रकाश डालता है। हम भारत के ऊर्जा भविष्य के बारे में आश्वस्त हैं और ऊर्जा सुरक्षा, सामर्थ्य और पहुंच सुनिश्चित करने वाली नीतियों पर सरकार के साथ सहयोग करने के लिए उत्सुक हैं ताकि हमारे राष्ट्र की विकास आकांक्षाओं का समर्थन हो सके।

एस्सार कैपिटल के ऑपरेटिंग पार्टनर वैद्यनाथन श्रीनिवासन ने कहा कि सुधारों पर नए बजट का जोर भारतीय शिपिंग उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। पंजीकरण प्रक्रियाओं को सरल बनाने और जहाजों के फ्लैगिंग को प्रोत्साहित

करने से हम अपने राष्ट्रीय बेड़े की प्रतिस्पर्धात्मकता में एक महत्वपूर्ण पुनरुद्धार की उम्मीद करते हैं। यह कदम न केवल वैश्विक शिपिंग बाजार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाएगा बल्कि पर्याप्त रोजगार के अवसर भी पैदा करेगा।

एस्सार कैपिटल के मैनेजिंग पार्टनर धनपत नाहटा ने कहा कि बजट छोटे परमाणु रिएक्टरों के विकास और नई परमाणु प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान के लिए भारत के ऊर्जा सुरक्षा आवंटन की दिशा में एक रणनीतिक प्रगति करता है। यह पहल न केवल हमारे ऊर्जा मिश्रण को बढ़ाएगी बल्कि टिकाऊ ऊर्जा स्रोतों को भी गति देगी। एस्सार को इन विकासों से लाभ मिलने की पूरी उम्मीद है, जिससे हमारे परिचालन में नवाचार और स्थिरता को बढ़ावा और देश के महत्वाकांक्षी ऊर्जा परिवर्तन लक्ष्यों में योगदान मिलेगा।

समावेशी विकास को आगे बढ़ाने के लिए देश की सफल आर्थिक रणनीति को निरंतरता प्रदान करता है बजटः उद्योग जगत

एजेंसी

नई दिल्ली। उद्योग जगत ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के आज संसद में चालू वित्त वर्ष के लिए पेश बजट के प्रस्तावों का स्वागत करते हुए कहा कि यह बजट समावेशी विकास को आगे बढ़ाने के लिए देश की सफल आर्थिक रणनीति को निरंतरता प्रदान करता है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के महासचिव चंद्रजीत बनर्जी ने मंगलवार को बजट पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि केंद्रीय बजट 2024-25 निवेश और सुधारों के नेतृत्व में सरकार के पिछले दो कार्यकाल की सफल आर्थिक रणनीति को आगे बढ़ाता है। यह बजट समावेशी विकास और सशक्तिकरण पर केंद्रित है। रोजगार सृजन और विकास के दोहरे उद्देश्यों के साथ अगली पीढ़ी के सुधारों को आगे बढ़ाने के लिए राज्यों के साथ सहयोग की घोषणा एक स्वागत योग्य कदम है।श्री बनर्जी ने कहा कि पांच वर्षों की अवधि में 4.1 करोड़ युवाओं को रोजगार, कौशल और अन्य अवसरों की सुविधा के लिए दो लाख करोड़ रुपये का प्रावधान, भारत के युवाओं को भारत के विकास की कहानी में भाग लेने के

लिए सशक्त बनाने में मदद करेगा। महिलाओं और लड़कियों के सशक्तिकरण की योजनाओं के लिए तीन लाख करोड़ रुपये के आवंटन के साथ, महिलाओं के नेतृत्व वाला विकास उच्च प्राथमिकता बना हुआ है। रोजगार से जुड़े प्रोत्साहन (ईएलआई) के तहत घोषित तीन योजनाएं वास्तव में स्वागत योग्य हैं और सीआईआई की सिफारिशों के अनुरूप हैं। सब्जी क्लस्टर स्थापित करना, कृषि के लिए डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देना और सहकारी समितियों को बढ़ावा देना जैसी पहल भारतीय किसानों को सशक्त बनाएगी और उनकी आय बढ़ाने में मदद करेगी। सभी के लिए अवसर पैदा करने के उद्देश्य से बजट में घोषित नौ प्राथमिकताओं ने भारत के लिए सतत उच्च विकास पथ पर अग्रसर होने का मंच तैयार कर दिया है, जो विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आवश्यक है। भारतीय निर्यात संगठनों का संघ फीओ के अध्यक्ष अश्विनी कुमार ने केंद्रीय बजट की सराहना करते हुए कहा कि बजट में किसानों, गरीबों, युवाओं और महिलाओं पर ध्यान केंद्रित करके भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास क्षमता पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इसने न केवल देश को सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में बनाए रखने बल्कि इसे विकसित भारत के रूप में विकसित करने के लिए एक दीर्घकालिक रोडमैप भी बनाया है। रोजगार, कौशल, एमएसएमई और मध्यम वर्ग के बजट विषय आयात प्रतिस्थापन के प्रयास के अलावा विनिर्माण और निर्यात को और बढ़ावा देंगे। कृषि अनुसंधान में बदलाव करके कृषि में उत्पादकता और लचीलेपन को प्राथमिकता देना इस क्षेत्र को और बढ़ावा देने की कुंजी है। कृषि और संबद्ध क्षेत्र के लिए 1.52 लाख करोड़ रुपये के बजट प्रावधान के साथ झींगा उत्पादन, निर्यात और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के साथ प्राकृतिक खेती ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास को तेज करने और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसरों का सृजन करने में मदद करेगी। विनिर्माण में रोजगार सृजन की योजना विनिर्माण क्षेत्र में अतिरिक्त रोजगार को भी प्रोत्साहित करेगी, जिससे निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। बजट में एमएसएमई और विनिर्माण, विशेष रूप से श्रम-गहन विनिर्माण पर विशेष ध्यान दिया गया है, जिसमें एमएसएमई के लिए वित्तपोषण, विनियामक परिवर्तन और प्रौद्योगिकी सहायता को शामिल करते हुए एक पैकेज तैयार किया गया है ताकि उन्हें बढ़ने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में मदद मिल सके। इसके अलावा विनिर्माण क्षेत्र में एमएसएमई के लिए और विशेष रूप से तनाव की अवधि के दौरान क्रेडिट गारंटी योजना बजट में घोषित एक और पहल है, जो व्यापार और उद्योग को कोविड-19 महामारी जैसी स्थिति और चुनौतियों से बाहर आने में बड़ी मदद करेगी। एमएसएमई को अपने व्यापार प्राप्तियों को नकदी में परिवर्तित करके अपनी कार्यशील पूंजी को अनलॉक करने की सुविधा के लिए, टीआरईडीएस प्लेटफॉर्म पर अनिवार्य ऑनबोर्डिंग के लिए खरीदारों की टर्नओवर सीमा को 500 करोड़ से घटाकर 250 करोड़ करने का प्रस्ताव एक स्वागत योग्य कदम है।

आयात शुल्क में कटौती की घोषणा के बाद सोने की कीमतों में गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को बहुमूल्य धातुओं सोने और चांदी पर आयात शुल्क 15 प्रतिशत से घटाकर 6 प्रतिशत करने की घोषणा की। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को अपना लगातार सातवां केंद्रीय बजट 2024 पेश करते हुए सोने और चांदी पर सीमा शुल्क घटाने का ऐलान किया है। लोकसभा में बजट पेश करने के दौरान निर्मला सीतारमण ने कहा किसोने और कीमती धातु के आभूषणों में घरेलू मूल्यवर्धन को बढ़ाने के लिए, मैं सोने और चांदी के सीमा शुल्क को घटाकर 6फीसदी करने का प्रस्ताव करती हूं। सरकार की घोषणा के बाद, शेयर बाजार में सोने और आभूषण खुदरा विक्रेताओं के शेयरों में उछाल आया, जबकि सोने का वायदा लगभग 5फीसदी नीचे कारोबार कर रहा था। वित्त मंत्री ने लिथियम, तांबा, कोबाल्ट आदि सहित 25 महत्वपूर्ण खनिजों के लिए सीमा शुल्क में छूट की भी घोषणा की। इस कदम का असर भारत में सोने की कीमतों पर भी पड़ा क्योंकि देश में सोने की कीमतों में और गिरावट आई।

इतनी घटेगी कीमत

कीमती धातुओं के सिक्कों, सोने/चांदी फाइंडिंग और सोने तथा चांदी की छड़ पर मूल सीमा शुल्क 15 प्रतिशत से घटाकर छह प्रतिशत करने की घोषणा की गई। सोने और चांदी के 'डोर' के लिए इसे 14.35 प्रतिशत से घटाकर 5.35 प्रतिशत करने का प्रस्ताव किया गया। प्लैटिनम, पैलेडियम, ऑस्मियम, रूथेनियम और इरीडियम पर शुल्क 15.4 प्रतिशत से घटाकर 6.4 प्रतिशत करने का प्रस्ताव है। रत्न एवं आभूषण निर्यातक पिछले कई साल से निर्यात तथा विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए कीमती धातुओं पर शुल्क में कटौती की मांग कर रहे हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, '' सीमा शुल्क के लिए मेरे प्रस्ताव का मकसद घरेलू विनिर्माण को समर्थन देना, स्थानीय मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देना, निर्यात प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना तथा आम जनता और उपभोक्ताओं के हितों को सर्वोपरि रखते हुए कराधान को सरल बनाना है।'' वित्त मंत्री द्वारा बजट पेश किए जाने के बाद सोने की कीमत में आई गिरावट से आम जनता के चेहरे खिल गए है। भारत में 22 कैरेट सोने की कीमत 250 रुपये घटकर 67,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट पीली धातु की 100 ग्राम की कीमत 2500 रुपये घटकर 6,74,500 रुपये रह गई।

सिर्फ खीरा की नहीं इसके बीज भी हैं गुणों का भंडार, फायदे जान लेंगे तो आप भी नहीं करेंगे फेंकने की गलती

खीरा हमारे लिए फायदेमंद होता है। पानी से भरपूर खीरा खाने से पाचन दुरुस्त होता है और शरीर हाइड्रेट रहता है। इसे आमतौर पर सलाद या रायते के रूप में खाया जाता है लेकिन कई लोग इसे खाते समय इसमें मौजूद बीज निकालकर फेंक देते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे खीरे के बीजों से होने वाले कुछ गजब के फायदों के बारे में-

खीरा हमारी सेहत के लिए काफी गुणकारी होता है। पानी की भरपूर मात्रा होने की वजह से यह शरीर में पानी की कमी दूर करने के साथ ही कई फायदे भी पहुंचाता है। गर्मियों में इसे खाने से शरीर हाइड्रेट रहता है और स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याएं भी दूर होती हैं। लोग आमतौर पर इसे सलाद या रायते के रूप में अपनी डाइट में शामिल करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि सिर्फ खीरा ही नहीं, बल्कि इसके बीज भी सेहत के लिए काफी गुणकारी होते हैं।

खीरे के बीज को डाइट में शामिल करने से पाचन बेहतर होता है और त्वचा को भी अनेकों फायदे मिलते हैं। आइए जानते हैं रोजाना खीरे के बीज खाने के कुछ हैरान करने वाले फायदों के बारे में-

वजन घटाने में मददगार

अगर आप अपना वेट लॉस करना चाहते हैं, तो इसके लिए खीरे के बीज काफी गुणकारी साबित होंगे। इन्हें अपनी डाइट में शामिल करने से आपको वजन कम करने में मदद मिल सकती है। इनमें कैलोरी कम और फाइबर ज्यादा होता है, जिसकी वजह से पेट भरा हुआ महसूस होता है।

?दिल के लिए फायदेमंद

खीरे के बीज आपके दिल के लिए भी काफी लाभकारी होते हैं। इनमें मौजूद मैग्नीशियम और पोटेशियम हार्ट हेल्थ के लिए फायदेमंद होता है। ये मिनरल ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने और हार्ट को हेल्दी बनाए रखने में मदद करते हैं।

इम्युनिटी बूस्ट करे

खीरे के बीज में मौजूद जिंक आपकी इम्युनिटी बढ़ाने में मदद करते हैं। जिंक इम्युनिटी सेल्स को विकास और उनकी फंक्शनिंग के लिए भी काफी जरूरी होता है। यह शरीर को इन्फेक्शन से ज्यादा प्रभावी तरीके से लड़ने में मदद करता है।

पाचन स्वास्थ्य के लिए वरदान

अगर आप पाचन स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से परेशान रहते हैं, तो खीरे के बीज इसके लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इसमें मौजूद डाइटरी फाइबर पाचन को दुरुस्त करने में मदद करते हैं। नियमित रूप से खीरे के बीज खाने मल त्याग को नियंत्रित करने, कब्ज को रोकने और पाचन प्रक्रिया को बेहतर बनाने में मदद मिलती है।

हड्डी को मजबूत बनाए

खीरे के बीज में कैल्शियम और फास्फोरस जैसे जरूरी मिनरल्स होते हैं, जो हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। ये मिनरल हड्डियों के घनत्व को बनाए रखने और ऑस्टियोपोरोसिस से बचाने में सहायक होते हैं।

त्वचा को ग्लोइंग बनाए

विटामिन ई और असेंशियल फैटी एसिड से भरपूर खीरे के बीज स्किन के लिए भी काफी फायदेमंद होते हैं। ये दोनों तत्व त्वचा के स्वास्थ्य में सुधार करने के लिए जाने जाते हैं।

एक ही सुर के गायक- हिंदू-मुस्लिम!

अब सुप्रीम कोर्ट ने इन सांप्रदायिक रूप से विभाजनकारी आदेशों पर रोक लगा दी है और कहा है कि खाने के प्रकार, जैसे शाकाहारी-मांसाहारी आदि की पहचान कराना काफी है। सर्वोच्च न्यायालय के इस दो-टूक हस्तक्षेप के बाद, इस सिलसिले पर रोक लग जाने की उम्मीद की जानी चाहिए। कम से कम इतने खुले आम सांप्रदायिक विभाजन के खेल पर तो अंकुश लगना ही चाहिए।कहावत है, पूत के पांव पालने में ही दीख जाते हैं। मोदी सरकार ने अपने तीसरे कार्यकाल के पहले करीब पचास दिनों में ही, अपने पांव बखूबी दिखा दिए हैं। और ये पांव बताते हैं कि हरेक संकट से उबरने का उसे एक ही रास्ता दिखाई देता है–सांप्रदायिक ताप बढ़ाया जाए। हैरानी की बात नहीं है कि इसका सबसे खुलेआम प्रदर्शन उस उत्तर प्रदेश से ही शुरू हुआ है, जहां आम चुनाव में भाजपा और उसके सहयोगियों को, कम से कम उनके हिसाब से अप्रत्याशित रूप से भारी हार का सामना करना पड़ा है। न सिर्फ भाजपा राज्य की कुल अस्सी सीटों में से 33 पर आ गयी और 2019 के लोकसभा चुनाव के मुकाबले 29 सीटें नीचे चली गयी, बल्कि राम मंदिर निर्माण पर केंद्रित अपनी तमाम प्रचार आंधी के बावजूद, उसने अयोध्या-फैजाबाद की अपनी सीट भी गंवा दी और वह भी सामान्य सीट से समाजवादी पार्टी द्वारा मैदान में उतारे गए, एक दलित उम्मीदवार के हाथों। इतना ही नहीं, इस राज्य में बनारस की सीट से तीसरी बार प्रधानमंत्री के चेहरे के तौर पर चुनाव मैदान में उतरे, खुद नरेंद्र मोदी की जीत का अंतर घटकर डेढ़ लाख के करीब रह गया, जो किसी प्रधानमंत्री की जीत का सबसे कम अंतर है। यही नहीं, कुल मिलाकर राज्य में भाजपा का मत फीसद भी, 2019 के चुनाव की तुलना में 8 फीसद से ज्यादा गिर गया और 41.5 फीसद के करीब पर आ गया।स्वाभाविक रूप से उत्तर प्रदेश में सत्ताधारी भाजपा न सिर्फ इस हार से हिली हुई है बल्कि इसकी व्याख्या करने के मुश्किल सवाल से भी जूझ रही है कि चुनाव में उसकी ऐसी दुर्गत हुई तो कैसे? हैरानी की बात नहीं है कि इस मुश्किल सवाल के जवाब की तलाश ने राज्य में भाजपा के नेतृत्व की आपसी खींच-तान को एक नयी ऊंचाई पर पहुंचा दिया। पिछले ही दिनों जब राज्य में संघ-भाजपा द्वारा समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया, इसकी अटकलों ने बहुत तेजी पकड़ ली कि आम चुनाव के दयनीय प्रदर्शन के बाद, आदित्यनाथ को मुख्यमंत्री पद से हटना पड़ सकता है। हालांकि, भाजपा के उत्तर प्रदेश राज्य अध्यक्ष, भूपेंद्र सिंह चौधरी ने %आशा के अनुरूप नतीजे नहीं आने% की नैतिक जिम्मेदारी अपने ऊपर लेने की घोषणा की और वास्तव में चुनाव नतीजों के बाद ही वह अपने पद से इस्तीफे की पेशकश भी कर चुके थे, लेकिन किसी से यह छुपा नहीं रहा है कि उक्त समीक्षा बैठक में, मुख्यमंत्री आदित्यनाथ और उप-मुख्यमंत्री, केशव प्रसाद मौर्य के बीच, जम कर खींच-तान ही नहीं हुई, घात-प्रतिघात भी हुए।खबरों के अनुसार जहां आदित्यनाथ ने आम चुनाव में निराशाजनक प्रदर्शन के लिए, अपने लोगों के %अति-आत्मविश्वास% और उसके चलते प्रयासों की कोताही को जिम्मेदार ठहराया, वहीं केशव प्रसाद मौर्य ने इसे पार्टी और संगठन की आलोचना ठहराते हुए इस पर आपत्ति जतायी और जोर देकर कहा कि पार्टी और संगठन ही सबसे ऊपर हैं, सरकार से भी ऊपर। जाहिर है कि उनका निशाना आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार के प्रदर्शन पर था, जिसको लेकर संघ-भाजपा के नेताओं-कार्यकर्ताओं की भी शिकायतें कोई थोड़ी नहीं हैं। ऐसा समझा जाता है कि संघ-भाजपा के कार्यकर्ताओं की यह आम शिकायत है कि आदित्यनाथ सरकार, कुछ चुने हुए नौकरशाहों द्वारा ही चलाई जा रही है, जबकि सत्ताधारी पार्टी के आम कार्यकर्ताओं की ही नहीं, खुद मंत्रियों तक की कोई सुनवाई नहीं होती है। इस माने में आदित्यनाथ, सचमुच मोदी मॉडल का ही अनुसरण कर रहे हैं, जहां वास्तव में सरकार अति-केंद्रीयकृत तरीके से, नौकरशाहों के एक छोटे से ग्रुप द्वारा प्रधानमंत्री कार्यालय से चलाई जा रही है। बहरहाल, आदित्यनाथ मॉडल की अपनी ही एक विशेषता और है। राज्य के जो दोनों उप-मुख्यमंत्री अपने असंतोष का इजहार करते हुए, चुनाव नतीजे आने के बाद से मुख्यमंत्री की बुलाई बैठकों का एक प्रकार से बहिष्कार कर रहे बताए जाते थे, उनमें से एक ब्रजेश्वर पाठक की अतिरिक्त शिकायत खबरों के मुताबिक यह थी कि आदित्यनाथ के राज में शासन-प्रशासन में जाति विशेष का दबदबा चल रहा था।

बहरहाल, आदित्यनाथ के एड़ियां गड़ा देने के बाद, जब खराब चुनावी प्रदर्शन के लिए उन पर हमलों से हांडी चौराहे पर फूटने का खतरा दिखाई दिया और मुख्य विपक्षी पार्टी, सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने, चुटकी लेने के लिए %सौ लाओ, सरकार बनाओ% का मानसून ऑफर दे दिया, दिल्ली में बैठे भाजपा नेतृत्व को जल्दबाजी में युद्धविराम की घोषणा कराने का फैसला लेना पड़ा। अब गुजरे हुए आम चुनाव को छोड़कर, आने वाले दस विधानसभाई सीटों के उपचुनाव की ओर ध्यान मोड़ने का पैंतरा आजमाया गया। इन उपचुनावों के एक तरह से जीवन-मरण का प्रश्न बनाए जाने का ऐलान करते हुए, एक सीट पर तीन मंत्रियों के हिसाब से, तीस मंत्रियों को इन सीटों के चुनाव की जिम्मेदारी सोंप दी गई। यह दूसरी बात है कि यह सब भी आदित्यनाथ की कुर्सी पर संकट फिलहाल टलने का ही इशारा है, संकट पूरी तरह से दूर हो जाने का नहीं। जैसे सत्ताधारी पार्टी में अंदरूनी दरारों के जस के तस बने रहने के एक महत्वपूर्ण संकेत में, इन महत्वपूर्ण उपचुनावों की जिम्मेदारी संभालने वाले तीस मंत्रियों में, दोनों उप-मुख्यमंत्रियों को जगह ही नहीं मिल सकी है।

बहरहाल, मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने अपनी घेरेबंदी की काट के लिए, सांप्रदायिक ताप बढ़ाने के उसी दांव का इस्तेमाल किया है, जिसके लिए उन्हें जाना जाता है। सत्ताधारी पार्टी में इस सारी उठा-पटक के बीच ही, मुजफ्फर नगर पुलिस ने एक साफ तौर पर सांप्रदायिक रूप से विभाजनकारी आदेश जारी कर दिया कि जिले के करीब सवा दो सौ किलोमीटर के कांवड़ मार्ग पर पड़ने वाली सभी खाने-पीने की चीजों की दूकानों, ठेलों, टपरियों, ढाबों, रेस्टोरेंटों को साइन बोर्ड पर मालिकों के नाम लिखने होंगे। इस आदेश पर अमल के क्रम में यह स्पष्ट हो गया कि मकसद, दूकानदारों की धार्मिक पहचान उजागर करना था और इसमें यह भी जोड़ दिया गया कि मालिकों के साथ ही कर्मचारियों के नाम भी उजागर किए जाएं। कहने की जरूरत नहीं है कि इस आदेश एक ही मकसद था कि मुसलमानों की दूकानों की अलग से पहचान कराई जाए, जिससे कांवड़ियों को उनसे खाने-पीने की चीजें खरीदने से हतोत्साहित किया जा सके।स्वाभाविक रूप से इस आदेश की तुलना, हिटलर की जर्मनी में यहूदियों की पहचान कराने के लिए, उनकी दूकानों पर उनके यहूदी होने के नोटिस और निशानी के तौर पर पीले सितारे टंगवाए जाने के आदेशों से की जा रही थी।

मुजफ्फरनगर पुलिस के इस आदेश पर जब चारों ओर से शोर मचा, खुद भाजपा सरकार के पूर्व-मंत्री, मुख्तार अब्बास नकवी से लेकर, बिहार की लोकजनशक्ति पार्टी के चिराग पासवान तथा राष्ट्रीय लोकदल के नेता जयंत चौधरी तक ने इस विभाजनकारी कदम को अनुचित और नुकसानदेह ठहराया। लेकिन, सत्ताधारी भाजपा पर इसकी उलटी ही प्रतिक्रिया हुई।केंद्र में बैठी मोदी सरकार और भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व ने जहां हर बार की तरह, इस मुद्दे पर भी चुप्पी साध ली, वहीं इस चुप्पी में अनुमोदन का इशारा पढ़कर, आदित्यनाथ की सरकार और आगे बढ़ गई। कहां तो मुजफ्फरनगर पुलिस चौतरफा आलोचनाओं के दबाव में, यह सफाई देने पर मजबूर हुई थी कि उसका आदेश %स्वैच्छिक% रूप से पालन के लिए है, अनिवार्य नहीं है, आदि, वहीं आदित्यनाथ सरकार ने इस आदेश को मुजफ्फरनगर से आगे बढ़ाकर, पूरे राज्य पर ही लागू कराने की घोषणा कर दी। और सांप्रदायिक पैंतरों में उप्र सरकार से जैसे होड़ लेते हुए, उत्तराखंड की भाजपायी सरकार ने भी ऐसी ही घोषणा कर दी। उधर मध्य प्रदेश आदि अन्य भाजपा-शासित राज्यों से भी इसी प्रकार के कायदे लागू कराने की आवाजें जोर पकड़ने लगीं, जिससे मुसलमानों की दूकानों आदि की अलग से पहचान हो सके।बहरहाल, अब सुप्रीम कोर्ट ने इन सांप्रदायिक रूप से विभाजनकारी आदेशों पर रोक लगा दी है और कहा है कि खाने के प्रकार, जैसे शाकाहारी-मांसाहारी आदि की पहचान कराना काफी है। सर्वोच्च न्यायालय के इस दो-टूक हस्तक्षेप के बाद, इस सिलसिले पर रोक लग जाने की उम्मीद की जानी चाहिए। कम से कम इतने खुले आम सांप्रदायिक विभाजन के खेल पर तो अंकुश लगना ही चाहिए। लेकिन, संघ-भाजपा से यह रास्ता छोड़ने की उम्मीद किसी को नहीं करनी चाहिए। आम चुनाव के नतीजे आने के बाद से छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश आदि कई भाजपा-शासित राज्यों में हुई मॉब लिंचिंग की तथा महाराष्ट्र, उत्तराखंड आदि में हुई अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थलों/ आयोजनों पर हमले की घटनाएं और इन घटनाओं पर न सिर्फ मोदी राज की चुप्पी बल्कि उन घटनाओं की सांप्रदायिक प्रकृति को ही नकारने की भाजपायी शासन की कोशिशें तो भाजपा राज से कोई उम्मीद नहीं करने का इशारा करती ही हैं।इससे भी ज्यादा बड़ा इशारा करती हैं उत्तर प्रदेश से लेकर बिहार तथा बंगाल तक, संघ-भाजपा नेताओं की इस आशय की घोषणाएं कि जब अल्पसंख्यकों ने भाजपा को वोट नहीं दिया है, उन्हें भाजपा राज से कोई उम्मीद भी नहीं रखनी चाहिए।

संपादकीय

कांवड़ यात्रा : नेमप्लेट पर अंतरिम रोक

कांवड़ यात्रा के मार्ग में आने वाली दुकानों, ठेलों आदि पर मालिक एवं कर्मचारियों के नाम लिखे जाने वाले उत्तर प्रदेश सरकार के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम रोक लगा दी है। सोमवार को जहां एक ओर सावन मास के पहले सोमवार के साथ ही देश भर में कांवड़ यात्राएं प्रारम्भ हो गयी हैं, वहीं शीर्ष न्यायालय ने इस आदेश के खिलाफ दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया है। इस आदेश से उप्र के साथ ही यात्रा मार्ग पर दुकानदारों की पहचान बताने सम्बन्धी कई राज्य सरकारों के आदेश पर भी रोक लग गयी है। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि होटल चलाने वाले यह बता सकते हैं कि वे किस तरह का खाना परोस रहे हैं लेकिन उन्हें अपना व कर्मचारियों के नाम लिखने के लिये मजबूर नहीं किया जा सकता। अदालत का यह भी मानना था कि ऐसा आदेश जारी कर उप्र पुलिस ने अपनी ताकत का गलत इस्तेमाल किया है। उत्तर प्रदेश के अलावा मध्यप्रदेश एवं उत्तराखंड की सरकारों ने भी इसी आशय का आदेश जारी किया हुआ है जिन पर भी रोक लग गयी है।इस आदेश को लेकर देश भर में रोष था और माना जा रहा था कि पहले मुजफ्फरपुर पुलिस तथा बाद में पूरे राज्य में दूकानदार का नाम लिखने का जो आदेश दिया गया है, उसका उद्देश्य सामाजिक ध्रुवीकरण है। हाल के हुए लोकसभा चुनाव में उप्र में भाजपा को बड़ी पराजय मिली थी। उसकी सदस्य संख्या वहां काफी घट गयी है। वैसे तो विधानसभा चुनाव अभी तकरीबन ढाई साल दूर हैं लेकिन यहां 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होंगे। उसमें बढ़त लेने तथा हिन्दू वोटों को पाने के लिये मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने यह आदेश जारी कराया है। इसके खिलाफ शनिवार को एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स नामक एक स्वयंसेवी संस्था ने याचिका दायर की थी। लेखक व बुद्धिजीवी अपूर्वानंद और आकार पटेल के साथ तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा की अलग-अलग याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करते हुए तीनों राज्यों (उप्र, मप्र व उत्तराखंड) की सरकारों को शुक्रवार तक का समय अपने जवाब दाखिल करने के लिये दिया गया। जस्टिस एसवी भट्ट तथा ऋषिकेश राय ने कहा तब तक किसी को नेमप्लेट लगाने की जरूरत नहीं है और न ही ऐसा करने के लिये किसी को बाध्य किया जाये। उनका यह भी मानना है कि खाद्य विभाग यह तो सुनिश्चित कर सकता है कि कांवड़ियों को ताज़ा व शुद्ध खाना मिले लेकिन पुलिस को उसके काम में दखलंदाजी करने का अधिकार नहीं है।

देखा जाये तो इससे भारतीय जनता पार्टी की उप्र, उत्तराखंड तथा मध्यप्रदेश की सरकारों के उन मंसूबों पर पानी फिर गया है जो हिंदुओं के बीच अपनी जगह बनाये रखने के लिये कांवड़ यात्रा का इस्तेमाल करना चाहती थीं। गौरतलब है कि भाजपा सरकार के आदेश के जारी होते ही अनेक राजनैतिक दलों ने इसका विरोध किया था। केवल विपक्षी दल नहीं वरन भाजपा की सहयोगी पार्टी राष्ट्रीय लोक दल के अध्यक्ष व केन्द्रीय मंत्री जयंत चौधरी, जनता दल यूनाइटेड के केसी त्यागी आदि ने भी इस आदेश का विरोध किया है। इस आदेश को लेकर लोग समझ गये थे कि इसके कारण जहां एक ओर सामाजिक विभाजन होगा वहीं दूसरी ओर अगड़ी-पिछड़ी जातियों के बीच भी विभाजन हो सकता है। इस आदेश को जिस तरीके से लागू किया गया वह भी संदेह के घेरे में है। जब न्यायाधीशों ने जानना चाहा कि यह आदेश है या केवल प्रेस बयान, तब याचिकाकर्ताओं के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि यह छद्म आदेश है। इसे स्वैच्छिक तो बताया गया लेकिन इसका पालन एक तरह से अनिवार्य कर दिया गया है। दुकानदारों पर इसके लिये दबाव डाला जा रहा है। सिंघवी का तर्क था कि बहुत से शाकाहारी रेस्टोरेंट हिन्दुओं की ओर से चलाये जा रहे हैं पर उनके कर्मचारी मुस्लिम या दलित हो सकते हैं। क्या कोई कह सकता है कि वह ऐसा खाना नहीं खायेगा जो मुस्लिमों या दलितों के द्वारा छुआ हुआ हो? स्वयं जस्टिस भट्ट ने बताया कि वे केरल के एक ऐसे स्थान पर रहे थे जहां केवल दो ही शाकाहारी रेस्टोरेंट थे। वे मुस्लिम के रेस्टोरेंट में जाते थे क्योंकि वहां सफाई बेहतर थी।

याचिकाकर्ताओं की इस दलील में दम है कि इस आदेश से संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 17 एवं 19 (1) (ग) का उल्लंघन होता है क्योंकि इससे धर्म, जाति व नस्ल के आधार पर भेदभाव व छुआछूत को बढ़ावा मिलता है। वैसे यह आदेश कुछ वर्गों के लिये रोजगार का संकट भी बनकर आ सकता है। संप्रदाय या जाति के उजागर होने पर उनकी वस्तुओं, खासकर खाद्य सामग्रियों की बिक्री पर विपरीत असर हो सकता है। इसके अलावा देश के कई हिस्सों में, विशेषकर इन तीन राज्यों में जिस प्रकार से संप्रदाय व जाति आधारित विभाजन हुआ है, मुस्लिम व निचली जातियों के दुकानदारों को कांवड़ियों के रोष का शिकार भी होना पड़ सकता है जो अक्सर इस तरह का व्यवहार करते देखे जाते हैं। कई बार कांवड़ियों व स्थानीय लोगों के बीच विवाद ही नहीं बल्कि मारपीट होती देखी जाती है। कभी किसी वाहन के साथ वे तोड़फोड़ भी करते हैं या यातायात को बाधित कर देते हैं।पुलिस का उन्हें प्रश्रय होता है, वे किसी भी स्तर तक जाकर विवाद करने पर उतारू हो जाते हैं।

सरकार के सामने परस्पर विरोधी हितों के बीच संतुलन बनाने की चुनौती

कर अधिकारियों द्वारा अत्यधिक और मनमानी कार्रवाइयों, जिन्हें कर आतंकवाद के रूप में भी देखा गया है, ने न केवल व्यवसायों और निवेशकों के लिए अनिश्चितता पैदा की है, बल्कि करदाताओं के बीच, विशेष रूप से मध्यम वर्ग के भीतर भय का माहौल भी पैदा किया है, जो वित्त मंत्री से सुधारात्मक कार्रवाई करने की उम्मीद कर रहा है।

23 जुलाई को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल का पहला साल का बजट पेश करेंगी। खुद को एक निर्णायक मोड़ पर पाते हुए, उन्हें एक ऐसा बजट तैयार करने का काम सौंपा गया है जो गठबंधन सहयोगियों को खुश करे, जनता के असंतोष को दूर करे और आर्थिक विकास को बनाये रखे। उनकी भूमिका अभूतपूर्व जटिलता को ग्रहण करती है और उन्हें राजनीतिक सुविधा और वित्तीय समझदारी के बीच सर्कस की रस्सी पर चलने जैसा काम करना है।

महत्वपूर्ण विधानसभा चुनावों के साथ, बदलते राजनीतिक परिदृश्य, जो खुद को भाजपा के लिए भारी चुनावी झटकों के रूप में प्रकट करता है, निश्चित रूप से बजट निर्माण में अपनी झलक पायेगा। चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार जैसे विभिन्न गठबंधन सहयोगियों के साथ गठबंधन करने की अनेक महत्वपूर्ण शर्तें होती है, जैसे प्रभावशाली केन्द्रीय कैबिनेट पदों पर छोड़े गये दावों की भरपाई के लिए पर्याप्त बजटीय आवंटन।गठबंधन की राजनीति की पेचीदगियां केवल अंकगणित के बारे में नहीं हैं। श्री नायडू और श्री कुमार, दोनों प्रभावशाली क्षेत्रीय नेता, अपने-अपने क्षेत्रों में काफी प्रभाव रखते हैं और सरकार के भविष्य पर लगभग नियंत्रण रखते हैं। भारी आवंटन की उनकी मांग न केवल राजनीतिक लाभ की इच्छा को, बल्कि प्रतिस्पर्धी चुनावी परिदृश्यों के बीच निरंतर समर्थन सुनिश्चित करने के लिए अपने निर्वाचन क्षेत्रों को खुश करने की व्यावहारिक आवश्यकता को भी दर्शाती है।

फिर भी, इन राजनीतिक चालों के बीच, निर्मला सीतारमण को आर्थिक मोर्चे पर समान रूप से कठिन चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। विकास को बढ़ावा देते हुए राजकोषीय अनुशासन बनाये रखने की अनिवार्यता एक पहेली प्रस्तुत करती है, जिस पर ध्यान देने के लिए विभिन्न प्रकार की आवाज़ें उठ रही हैं। सामाजिक कल्याण योजनाएं, जिनका लंबे समय से विपक्षी दलों द्वारा समर्थन किया जाता रहा है, अब भाजपा के अपने खेमे में भी गूंज रही हैं, क्योंकि आर्थिक लाभ के समान वितरण की मांगें तेज़ होती जा रही हैं।

इसलिए, बजट एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में उभरता है जिसमें लोकलुभावन मांगों को पूरा करने और आर्थिक बुनियादी ढांचे को बनाये रखने के बीच संतुलन बनाने का कार्य करना होगा। भाजपा की चुनावी असफलताओं में प्रकट होने वाले लोकप्रिय असंतोष के साथ, लक्षित हस्तक्षेपों के माध्यम से सामाजिक-आर्थिक असमानताओं को दूर करने का दबाव बढ़ गया है। इसमें न केवल मौजूदा कल्याणकारी योजनाओं को बढ़ाना, बल्कि समावेशी विकास के लिए नये रास्ते भी तलाशना शामिल है, खासकर ग्रामीण और हाशिये पर पड़े शहरी क्षेत्रों में।

सीतारमण की दुविधा के केंद्र में व्यापक आर्थिक स्थिरता से समझौता किये बिना इन प्रतिस्पर्धी मांगों को समेटने की आवश्यकता है। भारत का विकास पथ, मजबूत होने के बावजूद, घरेलू और वैश्विक दोनों तरह की चुनौतियों से घिरा हुआ है, जिसके लिए राजकोषीय संसाधनों का सावधानीपूर्वक प्रबंधन आवश्यक है। इसलिए, वित्त मंत्री का कार्य केवल संख्या-गणना से बहुत आगे तक फैला हुआ है जिसके लिए सामाजिक-राजनीतिक गतिशीलता की सूक्ष्म समझ और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए आर्थिक लीवर को कुशलता से संभालने की आवश्यकता है।इसके अलावा, बजट को न केवल समाज के मुखर वर्गों को बल्कि उस बहुसंख्यक वर्ग को भी ध्यान में रखना होगा, जिसकी बेहतर आजीविका की आकांक्षाएं अक्सर सत्ता के गलियारों में अनकही रह जाती हैं। इस संबंध में, समावेशी विकास न केवल एक आर्थिक अनिवार्यता, बल्कि एक नैतिक अनिवार्यता भी बन जाता है। यह बयानबाजी और वास्तविकता के बीच की खाई को पाटने का एक अवसर है, यह सुनिश्चित करते हुए कि भारत की प्रगति का लाभ इसके विशाल और विविध आबादी के बीच समान रूप से साझा किया जाये।

इन चुनौतियों के बीच सीतारमण का वित्त मंत्रालय का नेतृत्व न केवल तात्कालिक आर्थिक भाग्य के लिए बल्कि दीर्घकालिक प्रक्षेपवक्र के लिए भी महत्वपूर्ण है। उन्हें जो नाजुक संतुलन कार्य करना होगा, उसमें कठिन विकल्प चुनना शामिल है, जैसे आवंटन को प्राथमिकता देना, कर संरचनाओं में सुधार करना और निवेश को प्रोत्साहित करना। यह सब चुनावी कैलेंडर और गठबंधन राजनीति की अनिवार्यताओं पर नज़र रखते हुए किया जाना है। यह कार्य लोकतंत्र में शासन की दोहरी अनिवार्यताओं को समाहित करता है। इसके तहत तात्कालिक राजनीतिक आवश्यकताओं को दीर्घकालिक आर्थिक विवेक के साथ संतुलित करना होगा।अपने सभी पूर्ववर्तियों की तरह, उन्हें व्यापक सरकारी कार्यों को वित्तपोषित करने के लिए कर राजस्व पर बहुत अधिक निर्भर रहना पड़ेगा। हालांकि, कराधान का बोझ, विशेष रूप से वेतनभोगी मध्यम वर्ग पर, असंतोष का एक आवर्ती स्रोत रहा है। हाल के वर्षों में पेश किया गये बजटों में व्यक्तिगत करदाताओं पर कर का बोझ कम करने वाले प्रगतिशील सुधारों की उम्मीदें अक्सर धराशायी हो गई हैं। परिस्थितियां यथास्थिति बनाये रखने या सीमित राहत प्रदान करने वाले मामूली समायोजन शुरू करने की ओर झुकी है। अनुचित कर बोझ की धारणा ने प्रणाली में विश्वास को खत्म कर दिया है। यह भावना कर राजस्व के उपयोग में पारदर्शिता की कथित कमी और करदाताओं और नीति निर्माताओं के बीच अलगाव की भावना से और बढ़ जाती है। प्रत्येक बजटीय घोषणा से पहले, अधिक निष्पक्ष और अधिक न्यायसंगत कर व्यवस्था की वकालत करने वाली आवाजें तेज होती जाती हैं। कर स्लैब को कम करने, छूट सीमा बढ़ाने और बोझिल अनुपालन प्रक्रियाओं की फिर से समीक्षा करने की मांग व्यापार मंचों, मीडिया प्लेटफार्मों और नागरिक समाज संगठनों में गूंजती है। आज एक ऐसी कर प्रणाली की आवश्यकता है जो आम करदाता के हितों की रक्षा करते हुए उत्पादकता और उद्यमशीलता को पुरस्कृत करे।कर नीतियों का प्रभाव व्यक्तिगत वित्त से आगे बढ़कर व्यापक आर्थिक गतिशीलता को प्रभावित करता है। उच्च कर दरें और बोझिल अनुपालन आवश्यकताएं निवेश को बाधित कर सकती हैं,

उपभोक्ता खर्च को कम कर सकती हैं और रोजगार सृजन में बाधा डाल सकती हैं। यह बदले में, आर्थिक विकास और विकास की आकांक्षाओं को कमजोर करता है, करदाताओं के बीच असंतोष और मोहभंग के चक्र को बनाये रखता है।कर अधिकारियों द्वारा अत्यधिक और मनमानी कार्रवाइयों, जिन्हें कर आतंकवाद के रूप में भी देखा गया है, ने न केवल व्यवसायों और निवेशकों के लिए अनिश्चितता पैदा की है, बल्कि करदाताओं के बीच, विशेष रूप से मध्यम वर्ग के भीतर भय का माहौल भी पैदा किया है, जो वित्त मंत्री से सुधारात्मक कार्रवाई करने की उम्मीद कर रहा है।

बिल्लियां नहीं करती सिर्फ म्याऊं-म्याऊं

बिल्ली एक मांसाहारी स्तनधारी जानवर है। इसकी सुनने तथा सुंघने की शक्ति प्रखर है और यह कम रोशनी, यहां तक की रात में भी देख सकती हैं। लगभग 9500 वर्षों से बिल्ली मनुष्य के साथी के रूप में है। प्राकृतिक रूप से इनका जीवनकाल लगभग 15 वर्षों का होता है। वर्तमान में इनकी जनसंख्या 60 करोड़ आंकी गई है। मानव घरों में पायी जाने वाली बिल्ली को मारवाड़ी भाषा में मिनकी तथा जंगली बिल्ली को बलारा कहा जाता हैं।

मानव सभ्यता की शुरुआत में जिन कारणों से कुत्तों को पालतू बनाया गया था लगभग उन्हीं कारणों से मनुष्यों ने अपने लाभ के लिए बिल्लियों को पालतू बनाया था। खेती के प्रारंभिक दिनों में लोगों को कई विभिन्न कारणों से नुकसान हो जाता था। चूहे उसकी फसलों को खा जाते थे और घरों की बहुत सारी चीजों को बरबाद कर देते थे।
चूहों के अलावा सांप, उल्लू और बिल्लियों जैसे प्राणी भी थे। इन प्राणियों में बिल्लियां सबसे ज्यादा मित्रवत थीं और उन्होंने मनुष्यों के साथ रहना शुरू कर दिया। कीड़े-मकोड़ों को नष्ट करने की क्षमता के कारण उन्हें मनुष्यों की रिहायशी बस्तियों में आसानी से शरण मिली।

- बिल्ली को करीब 10 हजार वर्ष पहले अफ्रीकी जंगली बिल्ली से पालतू बनाया गया था। यह शुरुआत मध्य-पूर्व में हुई थी और बाद में सारी दुनिया में फैल गई और बिल्ली एक बार घर में आई तो घरेलू बनकर रह गई। दुनिया की कुछ संस्कृतियों में इसे देवताओं की तरह पूजा जाता है तो कुछ में इन्हें बुराई का प्रतीक माना जाता है।
- इसी तरह से बिल्ली के नाखूनों का काटा जाना भी बहुत तकलीफदेह होता है। चूंकि भारत और अन्य देशों में नाखून काटे जाने को लेकर कोई नियम-कानून नहीं है और न ही जरूरी समझा जाता है कि बिल्ली के नाखूनों को काटने के लिए पशु चिकित्सक की मदद ली जाए।
- अमेरिका जैसे देशों में बिल्ली के नाखूनों को काटने के लिए सर्जरी की जाती है। पशु चिकित्सक बिल्ली की उंगली के आखिरी भाग को ही निकाल देता है। यह समझिए कि आपके नाखून काटने के लिए आपकी उंगलियों का पहला पोर ही काट दिया जाए।
- सड़कों पर होने वाली मौत बिल्लियों के कम होने का एक कारण है। ब्रिटेन में एक कानून है कि अगर आपके किसी कुत्ते या खेतों पर पाए जाने वाले पशु का एक्सीडेंट हो जाता है तो इसकी जानकारी आपको पुलिस को देना अनिवार्य होती है, लेकिन अगर कोई बिल्ली को कुचल देता है तो उसको पुलिस में सूचना देने की जरूरत नहीं होती है।

- क्या आप इस बात पर विश्वास करेंगे कि दूध पीना बिल्ली के स्वास्थ्य के लिए बहुत खराब होता है। सच तो यह है कि दूध में लैक्टोज होता है और ये लैक्टोज को पचा ही नहीं पाते हैं। बड़ा होते पर मनुष्यों की भांति बिल्लियों में भी लैक्टोज एंजाइम नहीं बनता है। इसी तरह बिल्लयों को दूध भली-भांति नहीं पचता है और इन्हें कभी भी दूध नहीं दिया जाना चाहिए।
- इनके बारे में आश्चर्यजनक बात यह है कि बिल्ली और चूहों में यह खास बात होती है कि वे रिहाइड्रेट करने के लिए समुद्र का पानी पी लेते हैं और इनकी किडनीज इन्हें ऐसा करने में सक्षम बनाती हैं।
- कुत्तों के बारे में ऐसी बहुत-सी कहानियां हैं कि उन्होंने अपने मालिक की जान बचाने के लिए बहादुरी के काम किए हैं। ऐसे कई उदाहरण हैं जबकि बिल्लियों ने अपनी बुद्धि से अपने मालिक की जान बचाई है।
- बंगाल की बिल्ली हो या सवाना या फिर ऑस्ट्रेलिया की, हरेक की अपनी विशेषताएं हैं, परंतु आज जो बिल्लियां सबसे ज्यादा लोकप्रिय हैं वे सवाना बिल्लियां हैं।
- वर्ष 2012 में ह्यूमन सोसायटी के लोगों ने कुछेक घंटों पहले ही बिल्ली की जान बचाई थी। उसकी नई मालकिन को डायबिटीज का बड़ा प्रकोप हुआ था। बिल्ली ने उसे तब तक जगाए रखा जब तक कि महिला पर से दौरे का असर समाप्त नहीं हो गया था। बिल्ली ने जैसे ही समझा कि उसकी मालकिन की तबीयत खराब हो गई है और वह गिरकर बेहोश हो सकती है तो वह अपनी नई मालकिन की छातियों पर चढ़ दौड़ी। इतना ही नहीं, बिल्ली ने उसके चेहरे पर तब तक पंजे मारना और काटना नहीं छोड़ा जब तक कि महिला पूरी तरह से सचेत नहीं हो गई और उस पर मधुमेह के दौरे का असर समाप्त नहीं हो गया। इसके बाद बिल्ली उस महिला के लड़के के कमरे में गई और उसने उसे भी तब तक परेशान किया जब तक कि उसने मदद के लिए डॉक्टरों को नहीं बुलाया।

- हालांकि इसे आप कल्पना की उड़ान मान सकते हैं, लेकिन वर्ष 2008 की अर्जेंटीना की कहानी इससे भी ज्यादा अविश्वसनीय है। कहा जाता है कि यहां पुलिस को मिशिन्स शहर में एक वर्षीय बच्चा मिला था जिसे बिल्लियों के एक झुंड ने जिंदा बनाए रखा था। बच्चा अपने बेघर पिता से बिछुड़ गया था और अगर बिल्लियां उसकी मदद न करतीं तो वह मर ही जाता। ये बिल्लियां उसे सारी रात गर्म रखतीं और खाने के लिए थोड़ी-बहुत चीजें ला देती थीं। जब पुलिस ने बच्चे को खोजा और उसे बिल्लियों से बचाने की कोशिश की तो पुलिस को बिल्लियों के जबर्दस्त प्रतिरोध का सामना करना पड़ा था। आप इसे पूरी तरह मनगढ़ंत कहानी बता सकते हैं लेकिन कभी-कभी सच्चाई कल्पना से भी ज्यादा विचित्र होती है और इस बात से आप इंकार नहीं कर सकते हैं।
- कई मामलों में ये कुत्तों जैसी ही होती हैं और ऑस्ट्रेलिया में ऐसी बिल्लियों के पाले जाने पर रोक है। कहीं-कहीं बिल्लियां इतनी अधिक महंगी और लोकप्रिय हैं कि एक बिल्ली आपको 10 हजार डॉलर से भी अधिक की पड़ सकती है।
- गॉडफादर की बिल्ली को कौन नहीं जानता। गॉडफादर को फिल्म इतिहास की एक क्लासिक फिल्म माना जाता है और इस फिल्म की एक विशेषता यह है कि इस फिल्म में गॉडफादर को अपनी बिल्ली को सहलाते हुए देखा जा सकता है और यह दृश्य बताता है कि डॉन के पास जहां एक निर्मम ताकत है वहीं उसमें अपनी पालतू बिल्ली के तिए दया और करुणा का भाव भी है। शुरुआत में बिल्ली इस फिल्म की पटकथा का हिस्सा नहीं थी लेकिन जब एक बिल्ली भटकते हुए सेट पर आ गई थी तो मार्लन ब्रांडो ने इसे प्यार से थपकियां क्या दीं कि यह सिनेमाई इतिहास की एक खास पहचान बन गई।

काली मौत का डर

ग्रेगरी नवम 1227 से अपनी मौत 1241 तक पोप रहा था और उसके कार्यकाल में उन चीजों को समाप्त करने पर खासा जोर था, जो कि धर्मविरोधी मानी जाती थीं। उसका यह मानना था कि लोग काली बिल्लियों की पूजा कर रहे हैं और इस कारण से बुराई बढ़ रही है। उसके प्रभाव के कारण समूचे यूरोप में बड़ी संख्या में बिल्लियों को मारा गया और जिसका दुष्प्रभाव सैकड़ों वर्षों बाद तक देखा जा सकता था।

- वर्ष 1340 के दशक में जब एशिया में काली प्लेग से एशिया प्रभावित हो गया और यह यूरोप तक पहुंचने वाला था तब लोगों की समझ में आया कि बिल्लियों को मारने के गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं। तब से बिल्लियों को मारने की जरूरत नहीं समझी गई। आजकल जो पोप हैं उन्हें बिल्लियों से विशेष लगाव है और ये प्राणी उनके साथ वैटिकन के मैदानों के आसपास तक देखे जाते हैं।
- चूहों और मूषकों को खाने की विशेषता के कारण ही बिल्लियों को पालतू बनाया गया था। आज बिल्लियों के मालिक चाहते हैं कि उनकी पालित बिल्ली चुपचाप घर में सोती रहे, लेकिन बिल्लियों में शिकार करने की खास प्रवृत्ति होती है और ये उसे आसानी से नहीं छोड़ती हैं।
- आप बिल्ली को घर से खुला छोड़ दीजिए और देखिए कि आपके घर के पास पक्षियों और चूहों की खालें मिल जाएंगीं। आज भी डिजनीलैंड और मॉस्को, रूस के स्टेट हरमिटेज म्यूजियम में चूहों और मूषकों से छुटकारा पाने के लिए बिल्लियां ही रखी जाती हैं।
- इतना ही नहीं, इन्होंने तो बाकायदा रिकॉर्ड भी बना रखा है। ग्लेनटरेट कैट, टॉसर को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी स्थान मिल चुका है। अपनी 24वीं वर्षगांठ तक जीवित रही टॉसर को स्कीएफ, स्कॉटलैंड की एक प्रसिद्ध डिस्टिलरी में रखा गया था।
- उल्लेखनीय है कि यहां प्रसिद्ध ग्राउज व्हिस्की बनाई जाती है। गिनीज रिकॉर्ड के दौरान बड़े बालों वाली टॉसर ने यहां पर 28,899 चूहों का शिकार किया था। पर इससे भी बड़ी आश्चर्य की बात यह है कि टॉसर की सफलता के बाद दूसरी बिल्ली अम्बर को यहां पर इसी काम के लिए रखा गया था लेकिन वह अपने 20 वर्ष के कार्यकाल में एक चूहा पकड़ने में भी कामयाब नहीं हो सकी।
- बिल्ली और उसके नौ जीवन का मुहावरा अत्यधिक प्रसिद्ध है। कहा जाता है कि बिल्ली अपनी गति और रहस्यमय फुर्ती के बल पर प्रत्येक मोड़ पर मौत को भी मात देने की क्षमता रखती है। बिल्ली की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह कितनी ही अधिक उंचाई से गिरने के बावजूद बचने में सफल हो जाती है।
- इस मामले में मनुष्यों की बिल्ली से तुलना ही नहीं की जा सकती है, क्योंकि आदमियों को गिरने से बहुत अधिक डर लगता है। पर ऐसे कई मामले भी हैं जिनमें अकस्मात गिरने के बाद भी एक महिला वेस्ना वुलोविख 9 हजार मीटर से अधिक की ऊंचाई से गिरकर भी जीवित बची रह सकी थी।
- चूंकि इसका वजन कम होता है इसलिए इसकी लोअर टर्मिनल वैलोसिटी (गिरने की अधिकतम गति) होती है। एक इंसान जहां आसानी से 120 मील प्रति घंटा की रफ्तार से नीचे गिरता है वहीं बिल्ली की गति करीब 60 मील प्रति घंटा होती है।
- यह मात्र निराधार कल्पना या अटकलबाजी नहीं है कि वरन दर्जनों ऐसी रिपोर्टें हैं जिनमें बिल्लियां बहुत उंचे स्थानों से गिरी हैं और उन्हें ज्यादातर खरोंचें ही आई हैं। वर्ष 2011 में एक बूढ़ी बिल्ली ग्लूसेस्टर मैनहटन अपार्टमेंट की अपर वेस्ट साइड की 20 मंजिलों से गिरी थी। उसे बहुत थोड़ी चोटें आई थीं।
- अगले ही वर्ष बोस्टन में शुगर नाम की बिल्ली 19वीं मंजिल से गिरी थी। पर सबसे आश्चर्यजनक बात तो तब हुई थी जब 2009 में मैनहटन की एक और इमारत से बिल्ली 26वीं मंजिल से गिरी। उस समय खिड़की की सफाई करने वाले कर्मियों ने इसकी तस्वीरें भी उतार ली थीं। जानते हैं कि इस भाग्यशाली बिल्ली का नाम क्या है उसका नाम है लकी।

खेलो तो ये याद रखो

खेल के मैदान में तुम बच्चे क्रिकेट, बैडमिंटन, फुटबॉल या ऐसे ही कई खेल जैसे खो-खो, गैलरी खेल सकते हो। लेकिन इनमें से किसी भी खेल में यह ध्यान रखना चाहिए की हर बच्चे को पार्टिसिपेट करने का मौका मिले, चाहे वो अच्छा खेल रहा हो या नहीं। खेल के नियमों का पालन करना चाहिए। खेल में यदि कोई एक टीम का कैप्टन हो तो उसकी बात माननी चाहिए। यदि तुम उसकी किसी बात से सहमत न हो तो अपना मत रखो, पर झगड़ा मत करो। खेल में दूसरे बच्चों की भावनाओं की कद्र करो। यदि कोई बच्चा ठीक से नहीं खेल रहा है तो उसे खेलने का सही तरीका बताकर अच्छा परफॉर्मेंस देने के लिए प्रोत्साहित करो। खेल के सामानों का ध्यान रखो। यदि तुम किसी दूसरे बच्चे का बैट-बॉल या कोई भी सामान इस्तेमाल कर रहे हो तो खेलने के बाद उसको जिम्मेदारी से वापस करो। यदि दूसरे बच्चे का कोई सामान तुमसे टूट जाए तो अपने माता-पिता से कहकर उसे दूसरा खरीद कर दो। कई बार खेल का मैदान न मिलने पर तुम बच्चे सड़क पर खेलते हो। ऐसे में यदि खेलने के लिए ईंट या किसी अन्य सामान का इस्तेमाल किया है तो खेल खत्म होने पर वह सब सड़क से हटाकर किनारे रखकर जाना चाहिए। खेल के मैदान को गन्दा नहीं करना चाहिए। यदि गंदा हो गया हो तो खेल खत्म होने पर साफ कर देना चाहिए। खेलने जाने से पहले पानी जरूर लेकर जाना चाहिए। यदि जरूरत हो तो टॉवल-हैंकी भी लेकर जाना चाहिए। यदि कोई नया बच्चा तुम्हारे ग्रुप में खेलना चाहता हो तो उसका स्वागत करना चाहिए।

घनी बारिश वाले जंगल

तुम कभी ऐसे जंगल की कल्पना कर सकते हो, जो जानवरों की बजाय बारिश के लिये प्रसिद्ध है और जहां बारिश ही बारिश होती हो? ऐसे जंगल एशिया, अफ्रीका और साउथ अमेरिका में मिलते हैं। यहां के पेड़ इतने ऊंचे-ऊंचे होते हैं, मानो आसमान को छू रहे हों, उसके साथ खेल खेल रहे हों। अत्यधिक बारिश होने के कारण जंगल इतना घना हो जाता है कि पेड़ों को फलने-फूलने के लिये बहुत अच्छा मौका मिल जाता है। जंगल में पेड़ और इनकी पत्तियां इतनी घनी हो जाती हैं, मानो किसी ने जंगल में परदे से जमीन को ढंक दिया हो। यहां तक कि हवा को भी बहने के लिये जगह नहीं मिल पाती है। मौसम गर्म हो जाता है।
यहां का तापमान 20 से 35 डिग्री सेंटीग्रेड होता है। यह तापमान पेड़-पौधों, जानवरों और पशु-पक्षियों के लिए उपयुक्त रहता है। इस जंगल को ट्रोपिकल रेन फॉरेस्ट भी कहा जाता है। यह इकलौता ऐसा जंगल है, जहां दुनिया में सबसे ज्यादा बारिश होती है। दुनिया में यहीं तुम्हें पेड़ों और जानवरों की बहुत सारी वैरायटी देखने को मिल सकती हैं, क्योंकि हरा-भरा जंगल होने के कारण यहां के जानवरों को खाने-पीने की कोई कमी नहीं होती है। चारों तरफ हरियाली ही हरियाली देखने को मिलती है। यहां हर तीसरे और चौथे दिन बादलों की गड़गड़ाहट होती है, जो बारिश आने का संकेत होता है। भारी बारिश के कारण पेड़ों की ग्रोथ अच्छी होती है और इनकी लंबाई 40 मीटर से भी अधिक हो जाती है। पेड़ घने होने के कारण सूरज की रोशनी जमीन को छू नहीं पाती है। आपको इस जंगल में छोटे पेड़-पौधे देखने को केवल वहीं मिल सकते हैं, जहां खुली जगह हो। कई जानवर ऐसे हैं, जो ट्रोपिकल रेन फॉरेस्ट में ही देखने को मिल सकते हैं, जैसे बिग लेपर्ड, सांप, मगरमच्छ, बड़ी छिपकली। चीटे भी अपनी फौज को लेकर इसी जंगल में रहते हैं और मच्छर, मक्खी, और मधुमक्खी का तो यहां स्थायी निवास है। ट्रोपिकल रेन फॉरेस्ट को प्लैनेट का ग्रीन लंग्स (हरे फेफड़े) कहा जाता है, जो स्वास्थ्य के लिये अच्छा होता है। यहां के पेड़-पौधे कार्बन-डाई-ऑक्साइड लेकर हमें ऑक्सीजन देते हैं। यही ऑक्सीजन हमें जीवन प्रदान करता है। इस जंगल ने अपने अंदर ऐसे-ऐसे पेड़-पौधों को समा रखा है, जिनसे दवाइयां बनायी जाती हैं। यहां जड़ी-बूटियों का भंडार है। मेडिसिन की दुनिया में यह पौधे बहुत मूल्यवान हैं। तुम्हें जानकर हैरानी होगी कि कई हॉलीवुड फिल्मों और पुराने साहित्य में इस जंगल को खतरे का बताया गया है। ये भ्रान्तियां शायद इसलिये फैलायी गई हों ताकि जंगल को नुकसान से बचाया जा सके। ऐसा भी कह सकते हैं कि यह उन लोगों का पर्यावरण के प्रति प्यार होगा। अब लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरुकता आने पर इन जैसे जंगलों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है।

जिंदगी जितनी ज्यादा व्यवस्थित हो, आप उतने ज्यादा हेल्दी रहते हैं। जिस तरह आपने अपने सोने, जागने और रोजमर्रा के दूसरे कामों के लिए समय तय किया है, उसी तरह आपको अपने खानपान का भी समय निश्चित करना चाहिए। कुछ लोगों की आदत होती है कि वो अपने काम को इतना महत्व देते हैं कि काम के चक्कर में कभी जल्दी खाना खा लेते हैं, तो कभी बहुत देर में खाते हैं। आपकी इस आदत का आपके शरीर और सेहत पर बुरा असर पड़ता है।

दरअसल हम सभी के शरीर में एक प्राकृतिक घड़ी मौजूद है, जिसे सर्केडियन रिद्म कहते हैं। ये सर्केडिकन हमारे साइकोलॉजिकल सिस्टम के साथ कनेक्ट होती है और हमारी दिनभर की गतिविधियों के अनुसार शरीर के फंक्शन्स को कंट्रोल करती है। जैसे- आपके रोजाना सोने-जागने और खाने के समय के अनुसार ये हार्मोन्स के रिलीज होने और मेटाबॉलिक सिस्टम को एक्टिवेट करने का काम करती है। इसलिए अगर आप रोजमर्रा के कामों के लिए समय निश्चित कर लेते हैं, तो आपका सर्केडियन रिद्म इसे आपकी आदत मान लेता है। इससे शरीर के लिए फंक्शन करना ज्यादा आसान होता है। यही कारण है कि ऐसे लोग लंबे समय तक स्वस्थ रहते हैं। आइए आपको बताते हैं सुबह और रात के खाने की प्लानिंग करते समय आपको किन बातों का ख्याल रखना चाहिए।

सुबह के खाने की प्लानिंग कैसे करनी चाहिए?

नाश्ता: आमतौर पर रात में 7-8 घंटे के उपवास बाद जब आप सुबह उठते हैं, तो आपको सबसे पहले नाश्ता (ब्रेकफास्ट) करना चाहिए। आपको ब्रेकफास्ट सुबह उठने के 2-3 घंटे के भीतर कर लेना चाहिए। ऐसा न करने से आपके शरीर में इंसुलिन, ब्लड ग्लूकोज, ट्राईग्लिसराइड्स और कोलेस्ट्रॉल का लेवल गड़बड़ होने लगता है। यही कारण है कि हेल्थ एक्सपर्ट्स इस बात पर जोर देते हैं कि सुबह का नाश्ता नही छोड़ना चाहिए। आपका नाश्ता थोड़ा हैवी होना चाहिए, जिसमें प्रोटीन, विटामिन्स और थोड़े से हेल्दी कार्ब्स हो सकते हैं, जैसे- पोहा, पराठा, ऑमलेट, सैंडविच, ओट्स, नट्स, फल, जूस, दूध, अंडे आदि।

लंच और स्नैक्स: इसके बाद दोपहर का खाना आपको नाश्ते के 3-4 घंटे बाद ही करना चाहिए। दोपहर का खाना हल्का-फुल्का होना चाहिए, जिसमें आपके शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिल जाएं, जैसे- सब्जियां, रोटी, दाल, जरूरी हो तो थोड़ा सा चावल, चिकन करी, फलियों की सब्जी या डोसा, उत्पम, सलाद आदि। इसके अलावा ब्रेकफास्ट और लंच के बीच भूख लगने पर आप कोई हल्का-फुल्का स्नैक्स ले सकते हैं।

रात के खाने की प्लानिंग कैसे करें?

रात का खाना आपको सोने से कम से कम तीन घंटे पहले खा लेना चाहिए, क्योंकि इतना समय आपके सिस्टम को खाने को पचाने की क्रिया शुरू करने में लग जाता है। दोपहर के खाने और रात के खाने के बीच भी बहुत सारे लोगों को भूख लगती है। ऐसे लोग दोपहर के खाने के 2-3 घंटे बाद कोई हल्का फुल्का स्नैक्स ले सकते हैं। लेकिन यह ध्यान रखें कि आपका रात का खाना भी हल्का और सुपाच्य होना चाहिए। रात में ऐसी चीजें बिल्कुल न खाएं जिनमें कॉम्प्लेक्स कार्ब्स हो, क्योंकि इन्हें पचाने में आपके पाचनतंत्र को बहुत मेहनत करनी पड़ती है।

अगर किसी कारण से आपको रात के खाने में देर हो गई है, तो देर रात में पूरा खाना न लें, बल्कि हल्के-फुल्के स्नैक्स या लिक्विड डाइट ले लें। देर रात में खाया गया खाना आपके बॉडी फंक्शन को बिगाड़ता है, जिससे कई तरह की परेशानियां शुरू हो जाती हैं। इसके अलावा कुछ लोगों की आदत यह भी होती है कि वो रात में जागकर कुछ मीठा या जंक फूड्स खाने के आदी होते हैं। सेहत के लिहाज से ये आदत भी बहुत गलत है।

सुबह और रात के खाने में ध्यान रखने वाली जरूरी बातें

अगर आपका वजन ज्यादा है और आप डाइटिंग कर रहे हैं, तो भी आपको अपने सुबह का नाश्ता और दोपहर का खाना नहीं छोड़ना चाहिए। सुबह का नाश्ता ट्राईग्लिसराइड्स और ब्लड शुगर को कंट्रोल रखने के लिए बहुत जरूरी है। बाकी के समय आपको क्या खाना है और कितना खाना है, इस बारे में आप डायटीशियन की मदद ले सकते हैं। कई बार मोटापा सिर्फ खाने-पीने से नहीं, बल्कि किसी रोग या दवा के साइड इफेक्ट के कारण भी होता है, इसलिए एक बार डॉक्टर से चेकअप भी करा सकते हैं।

अपनी विंटर शॉपिंग लिस्ट में जरूर शामिल करें नारियल का तेल

अपनी खूबसूरती को बनाए रखने के लिए आपको सिर्फ अपने कपड़ों या मेकअप पर ही ध्यान नहीं देना चाहिए बल्कि आपको नेचुरल तरीकों को भी अपनाना चाहिए। जैसे, चेहरे की खूबसूरती बनाए रखने और विंटर के साइड इफेक्ट से बचने के लिए आपको नेचुरल ऑयल भी इस्तेमाल करने चाहिए। अगर आपको मार्केट जाकर इन तेलों को खरीदने का

मौका नहीं मिलता, तो आप ऑनलाइन भी कुछ जरूरी ऑयल मंगवा सकती हैं। आइए, डालते हैं एक नजर-

कोकोनट ऑयल यानी नारियल का तेल लेकिन इस विंटर आपको सिर्फ कोकोनट ऑइल नहीं लाना है बल्कि वर्जिन कोकोनट ऑइल लाना है। यह तेल पूरी तरह प्योर होने के साथ ही नरिशमेंट से भरपूर होता है। साथ ही यह बजट फ्रेंडली और असरदार ब्यूटी प्रॉडक्ट है।

अगर आपको लगता है कि आप कहीं से भी कोई भी तेल खरीद लेंगी, तो यह गलतफहमी अपने मन से निकाल लें क्योंकि इससे आप सिर्फ अपने पैसे ही बर्बाद करेंगी, इससे आपको फायदा नहीं मिलेगा इसलिए ऑनलाइन शॉपिंग करते वक्त आप तेल के रिव्यू जरूर पढ़ लें।

नारियल तेल सर्दियों में आपको कई तरह के अन्य प्रॉडक्ट्स की सेविंग से बचाकर बचत करा सकता है। क्योंकि आप इसे मेकअप रीमूवर, मॉइश्चराइजर, हेयर ऑयल और बॉडी लोशन की तरह यूज कर सकती हैं। ऐसे में आप इसे खरीदते वक्त किसी तरह की कंजूसी या लापरवाही ना करें। वर्जिन और ब्रैंडेड नारियल तेल ही खरीदें।

कोकोनट ऑयल के अलावा आप कई विंटर ब्यूटी प्रॉडक्ट अमेजॉन, फ्लिपकार्ट, मिंत्रा से भी खरीद सकते हैं। यहां कई बेहतरीन ऑप्शन उपलब्ध हैं।

रेसिपी

गाजर-कॉर्न सूप

सामग्री

- 1/2 कप फ्रोजन स्वीट कॉर्न
- 1 बे लीफ
- 5 लहसुन
- 1/2 चम्मच जैतून का तेल
- काली मिर्च
- 1 ग्राम कटा हुआ गाजर
- 1 प्याज
- 2 चम्मच मक्खन
- 1 कप पानी नमक स्वादानुसार

विधि

एक पैन में धीमी आंच पर पानी गर्म कर लें और इसमें गाजर और कॉर्न डालकर उबाल लें। इसके बाद कुछ देर छोड़ दे, फिर उबले हुए गाजर और कॉर्न की प्यूरी बना लें। धीमी आंच पर पैन रखकर उसमें ऑयल के साथ मक्खन डालें। मक्खन मेल्ट होने के बाद पिसा हुआ लहसुन, बारीक कटा प्याज और बे लीफ डालें। सभी को थोड़ी देर भूनें और प्याज को नरम होने दें। सब भून जाने के बाद गाजर और कॉर्न की प्यूरी को पैन में डालें और ऊपर से थोड़ा से नमक और काली मिर्च छिड़कें। इसको चलाते रहें ताकि गांठ न पड़ें। इसके बाद बची हुई गाजर को डालें और उबाल आने दें। एक बार उबाल आने के बाद आंच कम कर दें और कुछ देर तक पकने दें। जब अच्छी तरह पक कर गाढ़ा हो जाए, तो इसे कटोरे में निकाल लें और धनिया पत्ती को गार्निश करें और गर्म-गर्म परोसें।

रेसिपी

बादाम का हलवा

सामग्री

- ढाई कप चीनी
- 1 कप दूध
- 2 कप भिगोए बादाम
- आधा चम्मच केसर
- 1 कप घी

विधि

बादाम का हलवा बनाने के लिए सबसे पहले गर्म पानी में बादाम को एक घंटे तक भिगोकर छोड़ दें। इसके बाद बादाम के छिलके निकालकर उन्हें पीस लें। इसके बाद बादाम के इस पेस्ट में दूध चीनी और केसर डालकर इसे अच्छे से फेंट लें। एक कड़ाही लें और इसमें घी डालें। इसे तेज आंच पर गर्म करें। घी गर्म हो जाए तो इसमें बादाम का पेस्ट डाल दें। इसे लगातार चलाते रहें ताकि इसका तला न लगे। जब यह पेस्ट सूखकर हलवा हो जाए, गैस बंद कर दें। हलवे को बादाम और केसर से गार्निश करके गरमागरम सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगें। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। मेहमानों का आगमन होगा। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या खत्म होगी। अपने काम पर नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। धन लाभ की संभावना। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान हैं अतः वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-2-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। शुभांक-6-8-9

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य में गिरावट से चिंता रहेगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। शुभांक-4-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेंगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-3-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आय के नये स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता है। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति होगी। शुभांक-2-4-7

काकुरो पहेली - 5021

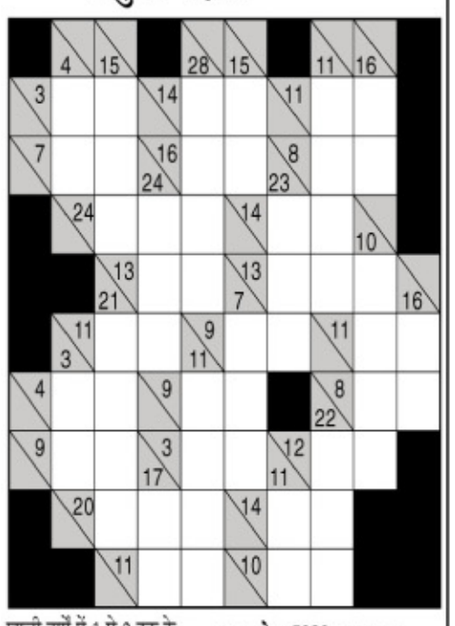

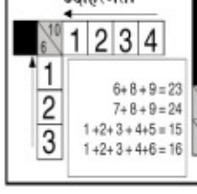

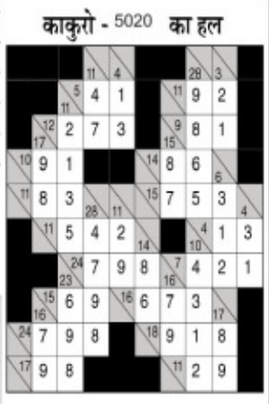

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 5020 का हल

लॉफिंग ज़ोन

गीता (अपने प्रेमी से)- रमन देखो! सामने खिड़की में जो तोता-मैना बैठे हैं, दोनों रोजाना यहाँ आते हैं। साथ-साथ बैठते हैं, प्यार भरी मीठी-मीठी बाते? करते हैं और चहचहाते रहते हैं और एक हम हैं कि हमेशा लड़ाई-झगड़ा करते ही रहते हैं।

प्रेमी (प्रेमिका से)- हाँ सही है! लेकिन तुमने उनकी एक खास बात पर ध्यान नहीं दिया, देखो यहाँ बैठने वाले जोड़े में से रोजाना तोता तो वही होता है, पर मैना रोज नई-नई होती है।

▯ ▯ ▯

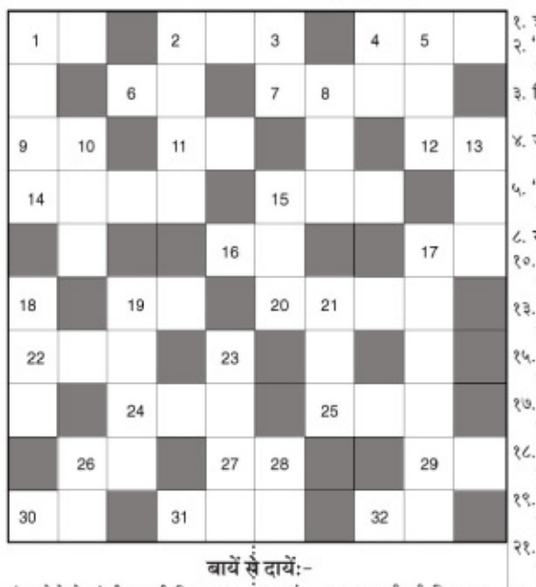

एक बार एक कार्यस्थल पर तीन छोटे-छोटे बंदर उधम मचाते हुए अंदर घुस गए। उनके गले में तीन तख्तियाँ टंगी हुई थी, जिनमें लिखा हुआ था, बुरा देखो, बुरा सुनो और बुरा बोलो। वहाँ बैठे एडिटर साहब गाँधीजी के तीन वाक्यों का अनादर होते देख उबल पड़े और बोले- ये वाक्य उल्टे कैसे हो गए?

तभी एक शरारती बंदर बोला- आप जानते नहीं अब हम भी एडिटर हो गए है।

▯ ▯ ▯

फिल्म वर्ग पहेली- 5021

बायें से दायें:-

१. 'बरसो रे मेघा' गीत वाली फिल्म-२
२. राजेशखन्ना, धर्मेन्द्र, वहीदा की फिल्म-३
४. 'नींद कभी रहती थी आँखों में' गीत वाली फिल्म-३
६. राज सोलंकी, हिना रहमान, पायल की फिल्म-२
७. 'कहना है जो दिल से कहो' गीत वाली फिल्म-४
९. संजीवकुमार, नूतन की फिल्म-२
११. 'हम और तुम तुम और' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका की फिल्म-२
१४. 'कुछ लोग यहाँ पर ऐसे है' गीत वाली फिल्म-४
१५. मकरंद देशपांडे, शबाना, श्वेता की फिल्म-३
१६. 'जब आती होगी याद मेरी' गीत वाली फिल्म-२
१७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
१९. 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-२
२०. अनिल धवन, रेहाना की फिल्म-२,२
२२. 'पर्दे में रहने दो पर्दा ना' गीत वाली फिल्म-३
२४. सुनील दत्त, साधना की फिल्म-३
२५. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
२६. अभिषेक, उदय, एशा की फिल्म-२
२७. 'शरमाए काहे घबराये' गीत वाली फिल्म-२
२९. आमिर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
३०. 'लगन लागी मन की लगन' गीत वाली फिल्म-२
३१. फिल्म 'मनोरंजन' में नायिका कौन थी-३
३२. शाहरुख, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. ऋषि, अनिल, श्रीदेवी की फिल्म-४
२. 'नील गगन पे उड़ते बादल आ' गीत वाली फिल्म-४
३. फिल्म 'मि. बॉण्ड' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
४. जीतेंद्र, रीना राय, रामेश्वरी की 'धक धक से धड़कना' गीत वाली फिल्म-२
५. 'सपनों का शहर हो' गीत वाली अरशद वारसी, महिमा चौधरी की फिल्म-३
८. सुष्मिता की पहली फिल्म ?-३
१०. 'चूड़े वाली छमिया मिला नैन रे' गीत वाली सनी, जयाप्रदा की फिल्म-३
१३. विनोद खन्ना, बिन्दू की 'दिल करने लगा है प्यार तुम्हे' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'जीना तेरी बाहों' गीत वाली सुनील शेट्टी, इंद्रकुमार, नम्रता की फिल्म-३
१७. प्रदीपकुमार, नर्गिस की 'दिल की गिरह खोल दो' गीत वाली फिल्म-२,२,२
१८. 'नजर के सामने जिगर' गीत वाली राहुल राय, अनु अग्रवाल की फिल्म-३
१९. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'डपली वाले डपली बजा' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'गोरी जो मटके बालों' गीत वाली सुनील, रवीना, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
२३. राजेंद्र कुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'हर एक घर में दिया' गीत वाली संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की फिल्म-२
२८. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'अभी साँस लेने की' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5020

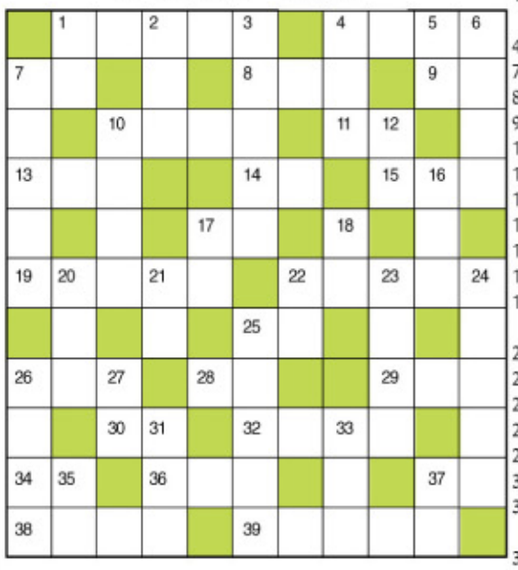

5021

6	3	7		1	5	4		9
	8						2	
		1		4	8			6
	6			9	7	1		
7	2						5	3
		5	6	3			9	
5			8	2		3		
	4						7	
1		3	7	5		2	6	8

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

5020

5	9	4	1	7	2	6	3	8
6	8	1	4	3	5	2	7	9
2	3	7	8	9	6	1	4	5
9	2	3	7	5	1	4	8	6
4	7	6	9	2	8	5	1	3
1	5	8	3	6	4	9	2	7
8	6	2	5	4	3	7	9	1
7	1	5	2	8	9	3	6	4
3	4	9	6	1	7	8	5	2

शब्द पहेली - 5021

बाएं से दाएं

1.महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित महाकाव्य-5
4.आज्ञापत्र, पतंगा-4
7.शरीर, बदन-2
8.होशियार, हुनरमंद-3
9.नस, नाड़ी-2
10.तीर रखने का पात्र-4
11.गधा, गर्दभ-2
13.जो बंदी हो-3
14.पत्नी, भार्या-2
15.दृष्टि, निगाह-3
17.खैरात, दक्षिणा-2
19.अपने ही घर में कैद होना-5
22.भाग्यवाला-5
25.जी, इच्छा-2
26.तन, काया-3
28.दुनिया, संसार-2
29.वेतन-3
30.भीगा हुआ-2
32.सागौन, एक प्रकार की मूल्यवान लकड़ी-4
34.परिणाम,हल,फ्रूट-2
36.सचेग-3
37.राजकपूर,नरगिस की फिल्म-2
38.चाणक्य के समय मगध की राजधानी-4
39.निरस्त करना-2,3

ऊपर से नीचे

1.आमिर,मनीषा कोइराला की फिल्म-2
2.रवि, सूर्य-3
3.तमाशा देखनेवाले-5
4.परीक्षण,जांच-3
5.सप्ताह का दिन-2
6.जो नापसंद हो (उर्दू-4)
7.गोविंदा व खुशबू की फिल्म-2,3
10.भाग्य,किस्मत-4
12.क्रिकेट में बनते हैं-2
16.नसीरुद्दीन शाह की एक फिल्म -3
17.खुजली-2
18.रस्सी पर अपराधी को लटकाना-2
20.आवश्यक-3
21.कैदी, बंधक-2
22.इसाई साध्वी-2
23.बालकपन-4
24.असावधान-5
25.महासमुद्र-5
26.सज्जनता, भद्रता-4
27.अभिषेक की फिल्म-2
31.मुद्दा (उर्दू-3)
33.वाचन करनेवाला-3
35.उद्देश्य-2
37.आगमन,आने का भाव-2

शब्द पहेली -5020 का हल

माटुंगा में ओवरहेड का वायर टूटने से मध्य रेलवे की सेवा प्रभावित

एजेंसी

मुंबई। माटुंगा में बुधवार को सुबह ओवरहेड वायर टूटने से मध्य रेलवे की सेवा प्रभावित हो गई है। इससे कई लोकल गाड़ियां जगह-जगह रेलवे ट्रैक पर खड़ी हो गई और यात्रियों को ट्रैक पर पैदल चलना पड़ा है। मध्य रेलवे के प्रवक्ता के अनुसार आज सुबह माटुंगा स्टेशन के पास ओवरहेड वायर टूट जाने से मध्य रेलवे की सेवा बाधित हो गई। लोकल गाड़ियां जगह-जगह खड़ीं हो गईं। सुबह का समय होने की वजह से समय पर ऑफिस पहुंचने के लिए यात्रियों को ट्रैक पर पैदल चलना पड़ा। स्लो ट्रैक पर लोकल ट्रेन चल रही थी। उसी ट्रैक पर मेल और एक्सप्रेस गाड़ियां भी चलाई जा रही हैं, इसलिए लोकल गाड़ियां आधे घंटे देरी से चल रही हैं। प्रवक्ता के अनुसार मध्य रेलवे की मरम्मत टीम ने मौके पर पहुंचकर ओवर हेड वायर को जोड़ दिया है। बहुत जल्द मध्य रेलवे की सेवा पूर्ववत कर दी जाएंगी।

बिहार लोक परीक्षा अनुचित साधन निवारण विधेयक विधानसभा से पास

पटना । बिहार विधानसभा ने बुधवार को 'बिहार लोक परीक्षा अनुचित साधन निवारण विधेयक-2024 पास कर दिया। राज्यपाल के हस्ताक्षर के बाद विधेयक प्रदेश में लागू हो जाएगा। विधेयक के लागू हो जाने के बाद पेपर लीक मामले बड़े अपराध की श्रेणी में आ जाएंगे, जिसमें 3 से 10 साल की सजा और 10 लाख से 1 करोड़ रुपये तक जुर्माना लगाने का प्रावधान है। विधानसभा में मंत्री विजय कुमार चौधरी ने विधेयक का प्रस्ताव रखा, जो पास हो गया। उन्होंने प्रस्ताव पेश करते हुए कहा कि आम तौर पर ऐसी परीक्षाएं नामांकन और सरकारी सेवाओं के लिए आयोजित होती हैं। ऐसे में गड़बड़ी की शिकायतें आती रहती थी। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में आई गड़बड़ी के बाद केंद्र सरकार और राज्य सरकार इसे लेकर चिंतित थी। उन्होंने बताया कि 1981 में भी ऐसे प्रयास किए गए थे। लेकिन, आज के समय में वह निष्प्रभावी हो गए थे। राज्य सरकार की तरफ से आयोजित होने वाली सभी परीक्षाओं में भी यह कानून लागू होंगे। केंद्र सरकार पहले ही ऐसा कानून बना चुकी है।

इस विधेयक के प्रस्ताव के दौरान विपक्ष ने वॉकआउट किया।

इस कानून के मुताबिक, अगर परीक्षा में शामिल कोई भी कर्मचारी पेपर लीक में दोषी पाया जाता है तो उसके लिए भी एक करोड़ रुपए के जुर्माने का प्रावधान है। साथ ही परीक्षा में जो भी खर्च आएगा, उसकी वसूली उन्हीं कर्मचारियों से की जाएगी। इसके अलावा जो भी संस्था पेपर लीक में शामिल होगी, उसे 4 साल के लिए ब्लैक लिस्टेड किया जाएगा।

जयपुर पुलिस आयुक्त 26 जुलाई को जयसिंहपुरा खोर थाने में करेंगे जनसुनवाई

जयपुर। आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय कायम रखने के लिए जयपुर पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ 26 जुलाई शुक्रवार को शाम 4 से 7 बजे तक जयसिंहपुरा खोर में जन सुनवाई करेंगे। जनसुनवाई के दौरान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कैलाश चंद्र विश्नोई, जिले के डीसीपी, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, सहायक पुलिस आयुक्त रामगंज व आमेर संबंधित एसएचओ और थाने के अधिकारी गण उपस्थित रहेंगे। इस दौरान वृत क्षेत्र रामगंज व आमेर जयपुर (उत्तर) के परिवादियों की जनसुनवाई की जावेगी। जनसुनवाई का उद्देश्य संबंधित क्षेत्र के परिवादियों की समस्याओं का तुरंत निस्तारण करते हुए आमजन को राहत पहुंचाना है। गौरतलब है कि इससे पूर्व पुलिस आयुक्त द्वारा शिप्रापथ (जयपुर दक्षिण), कानोता (जयपुर पूर्व), करधनी (जयपुर पश्चिम), विद्याधरनगर (जयपुर उत्तर), शिवदासपुरा (जयपुर दक्षिण), बगरू (जयपुर पश्चिम), चौमू (जयपुर पश्चिम) एवं प्रतापनगर (जयपुर पूर्व) थाने में जनसुनवाई कर परिवादियों की समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया जा चुका है।

सचिवालय के बाहर दृष्टि बाधित का धरना, चक्का जाम करने पर पुलिस से धक्का-मुक्की

शिमला। अपनी बैकलॉग भर्तियों को भरने की मांग को लेकर दृष्टिबाधित संघ से जुड़े लोग एक बार फिर राज्य सचिवालय का घेराव करने के लिए पहुंच गए। राज्य सचिवालय पहुंचने से पहले ही शिमला पुलिस ने दृष्टिबाधित और दृष्टिहीनों को राज्य सचिवालय आने से रोक दिया। इस दौरान ब्लाइंड पर्सन एसोसिएशन से जुड़े लोगों ने ट्रैफिक को बाधित करने की भी कोशिश की। पुलिस के साथ उनकी हल्की धक्का मुक्की भी हुई। दृष्टिबाधित और दृष्टिहीनों ने शिमला पुलिस पर तानाशाही करने का आरोप लगाया। ब्लाइंड पर्सन एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने बताया कि वह सभी लंबे वक्त से बैकलॉग भर्ती होने का इंतजार कर रहे हैं। साल 1995 के बाद से लेकर अब तक भर्ती नहीं हुई है। ब्लाइंड पर्सन एसोसिएशन को धरना देते हुए 274 दिन का वक्त बीत गया है। चुनाव आचार संहिता से पहले भी वह शिमला के मालरोड पर बने रेन शेल्टर में 100 दिनों से भी ज्यादा तक क्रमिक अनशन पर बैठे रहे। तब भी सरकार का कोई नुमाइंदा उनसे मिलने के लिए नहीं आया।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और आसपास 'आया सावन झूम के'

एजेंसी

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली-एनसीआर के अधिकांश हिस्सों में आज सुबह से झमाझम बारिश हो रही है। कल भी कुछ हिस्सों में हल्की बरसात हुई। इससे तापमान में गिरावट आई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग का कहना है कि आज और कल (बुधवार और गुरुवार) भी दिल्ली में हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। इस बीच मौसम की मेहरबानी से राष्ट्रीय राजधानी की हवा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है।

विभाग का अनुमान है कि आज के तापमान में दो डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आ सकती है। यह 34 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया जा सकता है। कल दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री ज्यादा 36.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। न्यूनतम तापमान सामान्य स्तर पर 27.4 डिग्री सेल्सियस रहा। हवा का स्तर 95 से 65 प्रतिशत तक रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार (मंगलवार) को दिल्ली का एक्यूआई 93 रहा। इस स्तर की हवा को संतोषजनक श्रेणी में रखा जाता है। राजधानी दिल्ली में कल शाम साढ़े पांच तक कहीं-कहीं अच्छी बारिश

हुई है। पालम में 6.6, लोधी रोड और रिज क्षेत्र में बूंदाबांदी,आयानगर में 0.7, पूसा क्षेत्र में 6.0, पीतमपुरा में 3.5 और मयूर विहार में 8.5 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने आज सुबह एक्स हैंडल पर फोटो और विवरण साझा किया है। इसमें कहा गया है कि अशोक रोड में सीवरेज पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण सी-हेक्सागन से विंडसर पैलेस की ओर 14, अशोक रोड के सामने यातायात प्रभावित है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने लोगों को सलाह दी है कि तदनुसार यात्रा की योजना बनाएं।

भाजपा सांसद अनिल बलूनी ने विदेश मंत्री से मुलाकात की, गोपेश्वर और कोटद्वार में पासपोर्ट ऑफिस खोलने की रखी मांग

एजेंसी

नई दिल्ली । उत्तराखंड की पौड़ी गढ़वाल लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद अनिल बलूनी ने बुधवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की। इस मुलाकात की जानकारी भाजपा सांसद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दी। इसके साथ ही मुलाकात की तस्वीरों को भी पोस्ट किया। मुलाकात के दौरान अनिल बलूनी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से गढ़वाल लोकसभा क्षेत्र के गोपेश्वर (चमोली) और कोटद्वार में पासपोर्ट ऑफिस खोलने की मांग की। उन्होंने बताया कि विदेश मंत्री ने सकारात्मक रूप से निवेदन पर सहमति जताई। इस संबंध में उन्होंने विदेश मंत्री को एक पत्र भी सौंपा।

भाजपा सांसद अनिल बलूनी ने एक्स पर लिखा, %%माननीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर से भेंट की और उनसे अपने गढ़वाल लोकसभा क्षेत्र के गोपेश्वर (चमोली) और कोटद्वार में पासपोर्ट ऑफिस खोलने की मांग की। विषम भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए स्थानीय छात्रों एवं नौजवानों को इन कार्यालयों के खुलने से बड़ी सुविधा होगी और उनका समय एवं धन बचेगा। माननीय मंत्री जी ने सकारात्मक रूप से निवेदन पर सहमति जताई। आशा

है, शीघ्र ही इन कार्यालयों के खुलने की खुशखबरी मिलेगी।

बता दें कि गोपेश्वर (चमोली) और कोटद्वार में पासपोर्ट ऑफिस नहीं होने के चलते लोगों को अपना पासपोर्ट बनवाने के लिए राजधानी देहरादून के अलावा हल्द्वानी समेत अन्य जिलों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। इसकी वजह से यहां की जनता को खासी परेशानी झेलनी पड़ रही है। ऐसे में भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी और सांसद अनिल बलूनी ने स्थानीय लोगों की पासपोर्ट संबंधित समस्याओं और सुविधाओं के लिए ये मांग रखी है।

अपना घर में आने से उत्तम की बदहाल जिंदगी अब सामान्य अवस्था की ओर हुई अग्रसर

दौसा। बेसहारा और निराश्रित लोगों के लिए अपना घर आश्रम वरदान साबित हो रहा है। अपना घर बस्सी के क्रिटिकल वार्ड में आवासरत उत्तम कुमार (30) आवासरत हैं। फ़रवरी माह में उत्कर्ष क्लासेज के फाउंडर निर्मल गहलोत और उनकी टीम के माध्यम से उत्तम को एसएमएस हॉस्पिटल जयपुर के आगे से दर्दनाक अवस्था में एडमिट करवाया गया था। एक समय ऐसा भी था जब दोनों हाथों के फोरेआर्म्स की रेडियस एवं अल्ना बॉन की काफी काम्प्लेक्स सर्जरी से गुजरना पड़ा। उसके बाद उतरोत्तर अपना घर बस्सी एवं एसएमएस हॉस्पिटल के ऑर्थो डिपार्टमेंट के सीनियर प्रोफेसर डॉ पंकज जैन व उनकी मेडिकल टीम के प्रयासों से उत्तम के हाथों को बचाने का सार्थक प्रयास किया गया है। इसके लिए उत्तम को एक महीने से भी ज्यादा एसएमएस हॉस्पिटल में एडमिट रखा गया। अब उत्तम काफी ठीक अवस्था में हैं। उनके एक हाथ में थोड़ी स्वेलिंग है। वह भी ठीक होने की उम्मीद है, जिससे सामान्य जीवन की ओर अग्रसर हो सकें।

महाराष्ट्र के पांच जिलों में बाढ़ के हालात, एनडीआरएफ अलर्ट मोड पर

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र में पिछले सप्ताह से हो रही लगातार मूसलाधार बारिश से सूबे के पांच जिले भंडारा, कोल्हापुर, सांगली, रायगढ़, गढ़चिरौली बाढ़ की चपेट में हैं। जिला प्रशासन ने इन जिलों में नदियों के तटीय इलाकों में रहने वालों को सुरक्षित स्थल पर जाने की अपील की है। इसके साथ ही एनडीआरएफ टीमों को भी अलर्ट मोड पर रखा गया है। भंडारा जिले में पिछले चार दिनों से लगातार मुसलाधार बारिश होने से वैनगंगा नदी भी खतरे के निशान को पार कर गई है। इसके चलते भंडारा के पास करधा छोटे पुल पर पानी आ जाने के कारण इस पुल को यातायात के लिए बंद कर दिया गया है। लगातार बारिश के कारण भंडारा जिले के गोसेखुर्द बांध में पानी की आवक बढ़ गई है।अब गोसेखुर्द बांध पानी का भंडारण बढ़ने की वजह से

बांध के 33 गेट खोल दिए गए हैं । इसके चलते बड़ी मात्रा में पानी नदी में छोड़ा जा रहा है और प्रशासन ने नदी के किनारे के गांवों को अलर्ट जारी कर दिया है। जिला प्रशासन नदी के तटीय इलाकों में रहने वालों को सुरक्षित स्थल पर स्थलांतरित भी कर रहा है। कोल्हापुर जिले में पिछले पांच दिनों से हो रही लगातार बारिश के कारण अब पंचगंगा नदी का जलस्तर 41 फीट तक पहुंच गया है। पंचगंगा नदी का चेतावनी स्तर 39 फीट है और खतरे का स्तर 43 फीट है। जिले में भारी बारिश से सड़क यातायात प्रभावित हुआ है। कोल्हापुर-रत्नागिरी, कोल्हापुर-गगनबावड़ा हाईवे यातायात के लिए बंद हैं। पुणे-बेंगलुरु हाईवे की ओर जाने वाला रास्ता भी बंद कर दिया गया है। गढ़चिरौली में पिछले कुछ दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है। गढ़चिरौली में पिछले 5 दिनों से बाढ़ के हालात हैं। गढ़चिरौली में लगातार बारिश और बाढ़ से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। इस बारिश के कारण गढ़चिरौली में नदी, नाले और नालों में बाढ़ आ गई है। इस बाढ़ के कारण कई गांवों का संपर्क टूट गया है। हाईवे पर बाढ़ का पानी आने से 4 प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग गढ़चिरौली-चामोर्शी, गढ़चिरौली-नागपुर, आष्टी-अल्लापल्ली, अलापल्ली-भामरागढ़ बंद हो गए हैं। इन 4 हाईवे के साथ ही जिले की 12 सड़कें भी बंद हो गई हैं। बाढ़ की स्थिति के कारण जिले में तीन दिनों से सब्जी, दूध और ब्रेड जैसी आवश्यक वस्तुओं की कमी हो गयी है। रायगढ़ जिले में पिछले कई दिनों से हो रही बारिश से कुंडलिका नदी खतरे के निशान को पार कर गई है। इससे नदी किनारों पर बसे लोगों को स्थलांतरित करने का काम जिला प्रशासन की ओर से किया जा रहा है। सांगली नदी में कृष्णा नदी का जलस्तर भी लगातर बढ रहा है। इससे जिला प्रशासन सतर्क है।

केंद्र सरकार ने दिल्ली और पंजाब के साथ सौतेला व्यवहार किया है : संदीप पाठक

एजेंसी

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री और राज्यसभा सांसद संदीप पाठक ने बजट को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने मंगलवार को दिल्ली में हुई इंडिया गठबंधन की बैठक में उठाए गए मुद्दों की भी जानकारी दी। संदीप पाठक ने कहा कि इस बार का बजट बेहद निराशाजनक रहा है। इस बजट में सरकार ने ना तो रोजगार पर ध्यान दिया है, ना ही युवाओं और किसानों के लिए कुछ किया है। केंद्र सरकार ने इस बजट में दिल्ली और पंजाब के साथ सौतेला व्यवहार किया है।

उन्होंने कहा कि इस बार के बजट से केंद्र सरकार का विजन साफ दिखाई दे रहा है। केंद्र सरकार छोटी मानसिकता के साथ काम कर रही है। आज सरकार को जगाने की जरूरत है। आप एक विशाल देश के प्रधानमंत्री हैं, इतने महान देश के पीएम होने के बाद इतनी छोटी विचारधारा से आप बजट बनाओगे तो देश आगे कैसे बढ़ेगा? उन्होंने बताया कि इंडिया गठबंधन की बैठक में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के स्वास्थ्य को लेकर भी चिंता जाहिर की गई। जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का स्वास्थ्य लगातार गिरता जा रहा है। उनका शुगर लेवल बार-बार कम हो रहा है। उनका शुगर लेवल 50 से भी नीचे गिरता जा रहा है। इस तरीके से रात में शुगर लेवल कम होना किसी भी व्यक्ति की जान के लिए बहुत बड़ा खतरा है। इस पर एलजी चिट्ठी लिखकर कहते हैं कि आप यह नहीं खा रहे हैं, वह नहीं खा रहे हैं। एक इंसान की जान का सवाल है और आप इस तरह का घटिया मजाक कर रहे हैं। इंडिया गठबंधन में शामिल विपक्ष के सभी नेताओं ने इस पर चिंता जाहिर की है और कहा कि अरविंद केजरीवाल की जान के साथ खिलवाड़ नहीं होना चाहिए।

बजट पर संदीप पाठक ने कहा कि सरकार के इस बजट का कोई लक्ष्य नहीं है। आप 10 साल से सरकार चला रहे हो तो आपके पास एक रोडमैप तो होना चाहिए। आपको पता होना चाहिए कि किस क्षेत्र को बढ़ावा देना है। आज बेरोजगारी दर 7.2 से बढ़कर 9 प्रतिशत हो गई है। आपका कॉर्पोरेट मुनाफा तो बढ़ गया है, लेकिन रोजगार नहीं बढ़ पाया है। किसानों को एमएसपी की गारंटी तो बहुत दूर की बात है आपने फर्टिलाइजर की सब्सिडी में 36 फीसदी की कमी कर दी है। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र से आपको कोई मतलब नहीं है। दिल्ली सरकार अपने बजट में 25 फीसदी शिक्षा पर खर्च करती है, वहीं केंद्र सरकार दो फीसदी से भी कम का बजट शिक्षा क्षेत्र को देती है।

उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत भी अन्य योजनाओं की तरह एक जुमला बनकर रह गया है। आयुष्मान भारत के लिए आप 7,000 करोड़ का बजट रखते हो। जबकि, अकेले दिल्ली सरकार का हेल्थ बजट 9,000 करोड़ रुपए है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और किसानों से इन्हें कोई मतलब नहीं है, इन्हें बस अपनी कुर्सी बचानी है। जो केंद्र सरकार के राजनीतिक दोस्त हैं, उन राज्यों को बजट में सबसे ऊपर रखा गया है। दिल्ली और पंजाब के साथ भेदभाव किया गया है क्योंकि यहां पर उनके साथियों की सरकार नहीं है।

सिन्हा ने श्रीनगर में किया जेके समाधान एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली का शुभारंभ

श्रीनगर।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को श्रीनगर में लोक शिकायत विभाग की एकीकृत शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली जेके समाधान का शुभारंभ किया। श्री सिन्हा जेके समाधान को लोगों को समर्पित करते हुए कहा कि आज शुरू की गई एकीकृत शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली सुशासन के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। उन्होंने कहा, प्रशासन के लिए हर आवाज मायने रखती है। हमने एक ऐसी प्रणाली बनाई है, जो बिना किसी भेदभाव के सभी के लिए काम करती है। जेके समाधान जीवन को आसान बनाने और नागरिकों को सशक्त बनाने के लिए पारदर्शी, समावेशी, जवाबदेह, सुलभ और उत्तरदायी शासन स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि यह उन्नत निगरानी और विश्लेषणात्मक क्षमता के माध्यम से शासन में सुधार करेगा और प्रणाली को गुमनाम शिकायतों से मुक्त करेगा तथा नागरिकों और प्रशासन के बीच अधिक विश्वास को बढ़ावा देगा। उन्होंने कहा कि नई प्रणाली नागरिकों को एक उपयोगकर्ता के अनुकूल इंटरफेस प्रदान करेगी और नोडल अधिकारियों की जवाबदेही तय करने के अलावा समय सीमा के भीतर शिकायतों को हल करने के लिए समर्पित है। नागरिक कॉल सेंटर, ऑनलाइन मोड और जेके समाधान मोबाइल ऐप के जरिए शिकायत दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि जेके समाधान वेब पोर्टल (एचटीटीपीएस-//समाधान.जेके.जीओवी.इन) और आज लॉन्च किया गया मोबाइल ऐप बहुभाषी हैं और नागरिक अपनी शिकायत अंग्रेजी, हिंदी और उर्दू में लिख सकते हैं। सिन्हा ने कहा कि अत्याधुनिक शिकायत निवारण प्रणाली नागरिक शिकायतों का कुशल और त्वरित निवारण सुनिश्चित करेगी।

उन्हें पैकेज मिल रहा है जो सरकार बचाने में मदद कर रहे हैं, बजट पर बोले अखिलेश यादव

एजेंसी

नई दिल्ली । आंध्र प्रदेश सरकार के खिलाफ पूर्व मुख्यमंत्री और वाईएसआरसीपी अध्यक्ष जगनमोहन रेड्डी दिल्ली में जंतर-मंतर पर धरना दे रहे हैं। पूर्व सीएम रेड्डी ने प्रदेश सरकार पर तानाशाही का आरोप लगाया है। धरना-प्रदर्शन में यूपी के पूर्व सीएम और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव भी शामिल हुए। इस दौरान पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार बचाने के लिए पैकेज दिया जा रहा है।

अखिलेश यादव ने कहा कि जो बजट पेश हुआ है उससे यह साफ दिखता है कि सरकार कितनी कमजोर है। हम लोग तो किसान के लिए समर्थन मूल्य मांग रहे थे। किसान-गरीब के लिए पैकेज मांगते

हैं। लेकिन, यह सरकार उन्हें पैकेज दे रही है, जो सरकार चलवा रहे हैं। सरकार चलवाने के लिए पैकेज मिल रहा है। बिहार को पैकेज मिला, आंध्र प्रदेश को पैकेज मिला। हम ये नहीं कहते कि पैकेज नहीं मिलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि डेवलपमेंट, इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए पैसा मिले, लेकिन दूसरे प्रदेशों के साथ भेदभाव न हो। उत्तर प्रदेश को क्यों नहीं पैकेज मिला? बिहार की बाढ़ रोकनी है तो भारत सरकार को नेपाल से बात करनी पड़ेगी। लेकिन, सरकार अगर उत्तर प्रदेश की बाढ़ रोकती है तो बिहार की बाढ़ भी रुक जाएगी। जो एक्सप्रेसवे बिहार को दिया जा रहा है, उसे अगर यूपी से भी जोड़ दिया जाता तो ज्यादा बेहतर होता। हम किसी को पैकेज देने के खिलाफ नहीं हैं। लेकिन, उत्तर प्रदेश के साथ भेदभाव स्वीकार नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने दस साल में नौजवानों की नौकरी और वेतन छीनी। अब आप युवाओं को पांच हजार की नौकरी देना चाहते हैं, वह भी तब जब सरकारी कर्मचारी आठवां वेतन आयोग लागू करने की मांग कर रहे हैं। सरकारी कर्मचारी महंगाई को देखते हुए आठवां वेतन आयोग लागू करने की मांग कर रहे हैं और सरकार पांच हजार रुपये की नौकरी दे रही है।

उन्होंने कहा कि हम तो नौजवानों के लिए पैकेज मांगते हैं। लेकिन सरकार पैकेज देकर सरकार चला रही है। वहीं नीट के मामले पर उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के आगे हम क्या ही कह सकते हैं? लेकिन ये बात तो मन में आती है कि एक ही सेंटर पर इतने कैसे पास हो रहे हैं। हमारी तो सरकार और शिक्षा मंत्री से निवेदन है कि यूपी में भी एक ऐसा सेंटर हो जहां सबसे ज्यादा बच्चे नीट में पास हो जाएं।

बजट में कर्नाटक को मिली निराशा, नीति आयोग की बैठक में नहीं होंगे शामिल : शिवकुमार

एजेंसी

बेंगलुरु । तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्रियों ने 27 जुलाई को होने वाली नीति आयोग की बैठक के बहिष्कार का ऐलान किया है। उन्होंने ये निर्णय बजट में अन्य राज्यों के साथ हुए भेदभाव को लेकर लिया है। इस बीच, कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने केंद्र सरकार के बजट और नीति आयोग की बैठक पर सवाल उठाए। डीके शिवकुमार ने कहा, अब नीति आयोग कहां है। केंद्रीय बजट में कर्नाटक को कुछ भी नहीं मिला, हमें सिर्फ निराशा मिली। इसी कारण हमारे नेताओं ने नीति आयोग की बैठक में शामिल नहीं होने का निर्णय लिया है डिप्टी सीएम शिवकुमार ने ग्रेटर बेंगलुरु गवर्नेंस बिल पर भी बात की। उन्होंने कहा, भाजपा इस फैसले का राजनीति कर रही है। मैंने इस बिल को पेश किया है। इसे सक्षम और मजबूत बनाना हमारी जिम्मेदारी है। वह इस पर चर्चा करें, हम बेंगलुरु में अच्छा शासन चाहते हैं। बेंगलुरु बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है और यहां की आबादी 1

करोड़ 40 लाख है। मैं सभी बुनियादी और वित्तीय ढांचे की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सभी को एक साथ लेकर चलना चाहता हूं। उन्होंने आगे कहा,इस समय बेंगलुरु को सर्वश्रेष्ठ विकास देने की जरूरत है। हमारे पास इच्छाशक्ति है, लेकिन फिर भी हम सभी लोगों की सलाह लेंगे। मैं जल्दबाजी में ऐसा नहीं करना चाहता। मैं सभी पक्षों से चर्चा करूंगा और उनकी सलाह लूंगा। इससे पहले कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने केंद्र सरकार के आम बजट को देश के लिए विभाजनकारी और खतरनाक बताया था। उन्होंने कहा कि यह बजट संघीय ढांचे और निष्पक्षता के खिलाफ है। तमिलनाडु के सीएम और कांग्रेस शासित राज्यों के तीनों मुख्यमंत्री नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार करेंगे।तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भी आम बजट पर सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि बजट में तमिलनाडु को सबसे बड़ा विश्वासघात झेलना पड़ा है। राज्य सरकार लगातार केंद्रीय निधियों के उचित हिस्से की मांग कर रही है, लेकिन इस बजट ने एक बार फिर हमारी सारी मांगों को नजरअंदाज कर दिया है।

गुड गवर्नेंस की मांग पर छत्तीसगढ़ विधानसभा का घेराव करेगी कांग्रेस

एजेंसी

रायपुर । छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार द्वारा चुनावों में किए वादे पूरे नहीं किए जाने पर कांग्रेस पार्टी विधानसभा का घेराव करेगी। छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट ने प्रेस कांफ्रेंस कर विधानसभा घेराव की जानकारी दी पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने भाजपा सरकार द्वारा चुनावों में किए वादों को पूरा न करने का आरोप लगाया। साथ ही गवर्नेंस के मुद्दे पर भी उन्होंने प्रदेश सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि समूचे प्रदेश से पार्टी कार्यकर्ता राजधानी रायपुर पहुंच कर विधानसभा का घेराव करेंगे। मुख्य रूप से प्रदेश की सरकार ने चुनाव के समय किये वादे पूरे नहीं किए। साथ ही जिस प्रकार से प्रदेश का प्रशासन चल रहा है, आपराधिक गतिविधियों के आसमान छूने के साथ लॉ एंड आर्डर एकदम चरमरा गया है। सरकार का ध्यान गवर्नेंस पर नहीं है। उसका ध्यान कांग्रेस के

लोगों परेशान करने के साथ उन्हें टारगेट करने पर है। सचिन पायलट ने कहा चुनाव के वक्त भाजपा सरकार ने जो आम लोगों को महंगाई, लॉ एंड आर्डर और गवर्नेंस के आश्वासन दिए थे, सरकार बनने के बाद वो दूर-दूर तक पूरे होते नहीं दिख रहे।विधानसभा घेराव करने राजधानी रायपुर आने वाले कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस द्वारा रोके जाने पर वह कहते हैं कि धरना करना, प्रदर्शन करना, रैलियां करना हमारा मौलिक अधिकार है, लेकिन लोगों को इसमें शामिल होने से रोका जा रहा है। लोगों को डिटेन कर उन पर फर्जी मुकद्दमे दर्ज किए जाते हैं। सरकार दबंग कार्यनीति का उपयोग कर रही है, जिसकी मैं निंदा करता हूं। घेराव में प्रदेश के तमाम नेता शामिल होंगे और हम एकजुटता से जनता की आवाज को मुखर करेंगे। हम जनता की मांगों को लेकर सरकार की नींद खोलना चाहते हैं। उम्मीद करते हैं प्रदर्शन के बाद सरकार जागेगी और जनता की आवाज सुनेग आम बजट पर पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए पायलट ने कहा,केंद्र का जो बजट आया है, वह सरकार बचाओ बजट है। बिहार और आंध्र प्रदेश के लोगों से हमारा कोई विरोध नहीं है, लेकिन केंद्र सरकार ने जिस हिसाब से राज्यों को बजट का आवंटन किया है, वह दुर्भावनापूर्ण है। छत्तीसगढ़ में लोकसभा की 11 सीटें हैं लेकिन यहां के लोगों को बजट में क्या मिला, वह ढूंढने से भी नहीं मिलेगा।

9 अगस्त को नांगल प्यारीवास के मीणा हाईकोर्ट में मनाया जाएगा आदिवासी महोत्सव

दौसा। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आदिवासी महोत्सव 9 अगस्त को नांगल प्यारीवास के मीणा हाईकोर्ट में मनाया जाएगा। कार्यक्रम के सह संयोजक धुंधीराम मीना ने बताया कि रिटायर्ड आरएएस जगमोहन मीना के संयोजन में इस महोत्सव में आदिवासी लोकगीत, आदिवासी नृत्य, आदिवासी पारंपरिक वेशभूषा, आदिवासी साहित्य का प्रचार प्रसार तथा आदिवासी समाज में एकजुटता का संदेश दिया जाएगा। कार्यक्रम में विभिन्न पार्टियों से जुड़े सभी आदिवासी नेताओं, विभिन्न आदिवासी संगठनों से जुड़े बुद्धिजीवियों, लेखकों, विचारकों को भी आमंत्रित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मीणा हाईकोर्ट में प्रत्येक वर्ष होने वाले इस आयोजन से एकता का संदेश पूरे देश प्रदेश के आदिवासियों में जाता है। इस वर्ष भी ऐतिहासिक आयोजन होगा, जिसकी तैयारियां जोरों पर है।

सुकून और सुंदरता

का एक ही नाम सफेद

- विज्ञान ने भी साबित किया है कि गर्मियों में हल्के सुहाने रंग राहत और सुकून पहुंचाते हैं। और यदि तेज, चुभती धूप में कपड़ों का रंग सफेद हो तो.... ये बिल्कुल जादू की तरह काम करता है। देखकर सुकून का आभास होता है।
- सफेद लिबास के साथ अवचेतन में इतनी शुभ्रता, शुचिता, सुकून के अहसास जुड़े हैं कि सफेद

गाउन में सजी कोई युवती पहली नजर में परियों-सी लगती है। हम जब भी खूबसूरती, मासूमियत और अलौकिकता की साझी कल्पना करते हैं तो दिलो-दिमाग में सफेद वस्त्रों में सजी परियां थिरक उठती हैं। बहरहाल, जिन देशों में मार्च के कदम रखते ही गर्मी भी दस्तक देने लगती है, वहां चिलचिलाती धूप और बेचैन करने वाली तपिश के दिनों में फैशन और सुकून का एक ही रंग दिखता है, सफेद।

- साल 2012 का प्रतिनिधि रंग कोई भी हो, दहलीज पर गर्मी के कदम पड़ते ही सफेद रंग की हुकूमत चारों तरफ दिखाई देने लगती है। यह महज संयोग नहीं है कि हर साल स्प्रिंग कलेक्शन यानी बसंत ऋतु में होने वाले फैशन सप्ताहों में सफेद रंग की बादशाहत दिखती है। गर्मियों में हल्का-फुल्का, ढीला-ढाला और कैजुअल कुछ भी पहन सकते हैं। चाहे बीच पार्टियां हों, चाहे किसी के जन्मदिन की पार्टी- सफेद हर जगह शानदार लगता है, गरिमामय लगता है। सफेद लिबास के साथ एक और सुविधा है। आप कई तरह की एक्सेसरीज पहन सकते हैं। बहुत कम ऐसे मौसम होते हैं जिनका कोई प्रतिनिधि रंग हो, लेकिन गर्मी का अपना प्रतिनिधि रंग है, सफेद। इन दिनों भड़कीले या बहुत धुंधले (डल) रंग न दिल को भाते हैं न आंखों को। सिर्फ अपने तन में ही नहीं, दूसरों पर भी इन दिनों सफेद रंग के कपड़े अच्छे लगते हैं।
- लड़कियों में सफेद कुर्ते, सफेद टॉप, सफेद गाउन कुछ इस तरह खिलते हैं, जैसे वाकई ये उजली-उजली परियां हों। एक फायदे की बात यह है कि आज सफेद रंग में हर तरह की एक्सेसरीज आसानी से मैच करती है।
- आप सफेद टॉप के साथ नीली जींस का क्लासिक कॉम्बिनेशन इस्तेमाल कर सकते हैं तो आमतौर पर काले को छोड़कर (...और वो भी इसलिए, क्योंकि काला रंग रोशनी को सोखता है, इसलिए इन दिनों बेचैन करता है) कोई भी रंग सफेद के साथ मैच कर जाता है यानी सफेद के साथ कॉम्बिनेशन बनाने में आपको कतई परेशान होने की जरूरत नहीं पड़ती है।
- इसकी रसायनिक विशिष्टता तो यह है कि यह आंखों का सुकून और दिल को ठंडक पहुंचाता है। यह हमारी तमाम उग्रता को ठंडा कर देता है।
- सफेद महज रंग नहीं है, यह पूरी संस्कृति है। यह एक पूरी सभ्यता है इसलिए सफेद रंग जितना चिलचिलाती गर्मी से सुकून देता है, वैसे ही बेचैन करने वाली भावनाओं के मामले में भी सुकून पहुंचाता है। यही कारण है कि दुनियाभर में बच्चों की मासूमियत को उभारने के लिए उन्हें उसके साथ जोड़कर देखने के लिए ज्यादातर स्कूलों की यूनीफॉर्म सफेद होती है।
- सफेद रंग शांति और शुद्धता का प्रतीक है। जब फिजा में आतिशी हवा के झोंके हों, कपड़े बेचैन करते हों, भला उस समय भड़कीले रंग किसे अच्छे लगते हैं यही वजह है कि पश्चिम से लेकर पूरब तक और उत्तर से लेकर दक्षिण तक गर्मियों में सफेद लिबास का जलवा दिखता है।
- डॉक्टर सफेद कोट पहनते हैं, क्योंकि वे यह बताना चाहते हैं कि यह रंग ईमानदारी, पवित्रता और ईश्वरीयता का प्रतिनिधि है।
- सफेद रंग के साथ कई फायदे हैं- भावनात्मक, कुदरती और सामाजिक भी। इसकी सामाजिकता में भी समरसता है। यही कारण है कि सफेद रंग सबको भाता है, सब पर फबता है चाहे सेलिब्रिटीज पहन लें या फिर कोई आम आदमी। सबको यह रंग आकर्षित करता और सब पर यह रंग आकर्षक लगता है। ऐसा नहीं है कि हम सफेद कपड़े कभी भी पहन सकते हैं।
- वाकई सफेद सदाबहार रंग है और इसके इतने विस्तृत आयाम हैं कि अगर आपने कई जोड़ी यानी जरूरत से ज्यादा भी इन दिनों सफेद कपड़े खरीद लिए हैं तो आपको सर्दियों के कपड़ों की तरह संदूक में साल के बाकी महीनों के लिए नहीं रखने पड़ेंगे। आप इन्हें लगातार पहन भी सकते/ सकती हैं। सफेद रंग के साथ आप अपनी चाहतों के सभी रंगों की एक्सेसरीज पहन सकती हैं। सफेद रंग कभी भी आउट ऑफ फैशन नहीं होता है। यह हमेशा खूबसूरत और ट्रेंडी लगता है।
- गर्मियों में सफेद टी-शर्ट और टॉप के जलवे देखते ही बनते हैं। मर्लिन मुनरो आज भी चेतन-अवचेतन में अगर किसी परी की तरह कैद हैं तो उसी सफेद ड्रेस में। गर्मियों में तमाम सेलिब्रिटीज सफेद रंग में ही नजर आते हैं तो आप क्यों न नजर आएं। इसलिए अगर सीजन की खरीदारी करने के लिए निकलना है तो अपनी सूची में सफेद कपड़ों के लिए जगह बना लीजिए, आखिर इन गर्मियों में परियों की तरह जो लगना है।

जब तक बच्चा स्कूल न जाए तब तो ठीक है, अगर वह रात में देर से भी सोता है तो सुबह देर तक सोकर अपनी नींद पूरी कर सकता है, लेकिन जब वह स्कूल जाने लगता है तो उसकी नींद पूरी नहीं हो पाती और वह चिड़चिड़ाने लगता है...।

कैसे शुरू करें बच्चों की

बेड टाइम ट्रेनिंग

आज की लाइफ स्टाइल पहले की लाइफ स्टाइल से बहुत अलग है। मोबाइल, टीवी, इंटरनेट ने हमारी जिंदगी में जितनी चीजें आसान बना दी है, उतना ही हम व्यस्त भी हो गए हैं। अगर आपके बच्चे का प्री-स्कूल जाने का समय आ गया है और उसका अभी भी रात में सोने का कोई निर्धारित समय नहीं है तो यह आपके लिए एक समस्या का कारण हो सकता है।

जब तक बच्चा स्कूल न जाए तब तो ठीक है। अगर वह रात में देर से भी सोता है तो सुबह देर तक सोकर अपनी नींद पूरी कर सकता है, लेकिन जब वह स्कूल जाने लगता है तो उसकी नींद पूरी नहीं हो पाती और वह चिड़चिड़ाने लगता है...।

नींद पूरी न होने से बच्चे के मस्तिष्क का पूरा विकास नहीं हो पाता। क्या आप अपने बच्चे के स्कूल की शुरुआत ऐसे करना चाहेंगे? इसलिए शुरू से उसे बेड टाइम ट्रेनिंग की आदत डालनी चाहिए।

यह ठीक उसी तरह है जिस तरह हमारी मां हमें सोने से पहले अपनी लोरियां सुनाती थीं। आइए जानें कुछ ऐसी बातें जिससे हम अपने बच्चे को ट्रेंड कर सकते हैं बेड टाइम ट्रेनिंग के लिए-

1. बेड टाइम ट्रेनिंग आप 4 से 5 माह के बच्चे के साथ कर सकते हैं। शुरुआत में आपको थोड़ी समस्या जरूर होगी लेकिन बाद में यह बहुत मददगार साबित होगी। बच्चे को सुलाने से पहले आप उनकी हल्की-हल्की मालिश कीजिए। गुनगुने पानी से उनका मुंह-हाथ धोएं (स्पंज करना)।
2. उनके कपड़े बदलकर उन्हें बेड के लिए तैयार करें। एक समय पर कमरे की लाइट्स बंद कर दें। ऐसा करके आप उन्हें सिग्नल दे रहे हैं और बेड टाइम के लिए तैयार कर रहे हैं।
3. बच्चों को कोई गाना, सॉफ्ट म्यूजिक सुनाएं। लाइट बंद करने से पहले आप बच्चों को पिक्चर बुक्स भी दिखा सकती हैं। ऐसा करने से बच्चों को बुक्स पड़ने की आदत पड़ती है।
4. सोने से पहले भगवान का कोई सा मंत्र भी सुना सकती हैं। कुछ बच्चों को अपना मनपसंद खिलौना लेकर सोना भी अच्छा लगता है। बच्चों को सोने से पहले सॉफ्ट म्यूजिक सुनना बहुत अच्छा लगता है और उसे सुनने से उनके दिमाग का विकास भी होता है इसीलिए तो बरसों से चलता आ रहा लोरी का एक अपना ही महत्व है।
5. छोटे बच्चे (6 माह से 1 साल के बीच) रात में दूध के लिए जरूर उठते हैं। धीरे-धीरे उसका भी एक समय बनाते जाएं जिससे बच्चा और आप दोनों अच्छे से अपनी नींद पूरी कर सकें।
6. जैसे-जैसे बच्चा धीरे-धीरे बड़ा होता है, आप उसे बेड में जाने से पहले मुंह-हाथ धुलाकर ब्रश करना सिखाएं। कपड़े बदलकर उन्हें बेड के लिए तैयार करें। सोने से पहले उन्हें दूध जरूर दें। उन्हें उनका मनपसंद खिलौना दें।
7. उन्हें किताब से कहानी सुनाएं। शुरुआत में तो बच्चे को टाइम देना आवश्यक है, लेकिन धीरे-धीरे बच्चे को जब इस टाइम टेबल की आदत हो जाएगी तो आपके और बच्चे दोनों के लिए ही बहुत लाभदायक होगा।
8. शाम को उसे कोई हॉबी क्लास या बगीचे में घूमने के लिए ले जाएं जिससे बच्चा अपना समय टीवी और लैपटॉप में न देकर खेले-कूदे और थक जाए। ऐसा करने से उसे नींद अच्छी आएगी और जल्दी आएगी।

कोशिश करें कि धीरे-धीरे उसे अपने आप टाइम से बेड पर जाने की आदत हो जाए ताकि आप भी अपने आपको कुछ समय दे सकें।

ऐसे करें अपने बच्चे को प्री-स्कूल भेजने की तैयारी

अपने बच्चे को प्री-स्कूल या आंगनवाड़ी भेजना बहुत बड़ा कदम है और यह टेंशन भी पैदा करता है। यहां गाइड आपको बताएंगे कि आप क्या उमीद रखें, जब आप अपने बच्चे को पहली बार स्कूल लेकर जाएं।

1. अपने बच्चे से प्री-स्कूल या आंगनवाड़ी के बारे में बात करें, उन्हें समझाने की कोशिश करें कि आप उसे अपने से दूर नहीं भेज रही है। उनसे उनके व्यहवार के बारे में बात करें और मूल बातें सिखाएं।
2. स्कूल के पहले दिन के लिए क्या-क्या आवश्यक है, इस बारे में पता करें- जैसे पढ़ने का समय, नाश्ते का समय आदि ताकि आप उन्हें समझा सकें कि स्कूल से ये क्या उम्मीद रखें।
3. स्कूल की जरूरत की चीजें खरीदने में मजा लाए जैसे आपके बच्चे के पसंदीदा कार्टून की पैंसिल खरिदें, अपने बजट का ध्यान रखें।
4. एक रात पहले उनसे पूछे कि स्कूल को लेकर उनके मन में क्या सवाल है?
5. उन्हें स्कूल छोडने जाएं और जब स्कूल खत्म हो तब स्कूल के बाहर उनका इंतजार करें।
6. अपने बच्चे की टीचर से हर रोज बातचीत करते रहे, उनसे समय-समय पर मिलकर बच्चे के बारे में जानकारी लें। इससे आपके बच्चे को स्कूल में नई सफलता मिलने लगेंगी। पता करें कि आप ऐसा क्या कर सकती है, जिससे आपके बच्चे और उसकी टीचर को मदद मिले।
7. अपने बच्चे से रोज पूछे कि उसने स्कूल में क्या किया? आपके बच्चे को पता होना चाहिए की स्कूल कितना जरूरी है।

लगभग 96 प्रतिशत महिलाएं दिन में एक बार किसी-न-किसी बात पर अपराध बोध महसूस करती हैं। वो कौन-सी बातें हैं, जिनके लिए हम खुद को दोषी ठहराती हैं और क्या है इस अपराध बोध से निकलने का तरीका।

पछताना छोड़ें

खुश रहना सीखें

क्या दिन में कम-से-कम एक बार आप इस बात का अफसोस जताती हैं कि मेरा वजन जरूर बढ़ गया है या फिर आज फिर से घर की सफाई को अधूरा छोड़कर मैं ऑफिस आ गई। अगर इन सब सवालों का जवाब हां में है, तो घबराएं नहीं। अधिकांश महिलाओं का यह स्वभाव होता है। पर परेशानी की बात यह है कि हर चीज के लिए खुद को दोषी ठहराने की हमारी आदत धीरे-धीरे हमारे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित होती जाती है। हर बिगड़े हुए काम के लिए खुद को लगातार दोषी ठहराने की आपकी यह आदत आपको अवसाद के घेरे में भी ले सकती है। बेहतर तो यह होगा कि इन अवसादों से उबरने का तरीका आप सीख लें।

बच्चों के साथ वक्त नहीं बिता पाती

अधिकांश काम-काजी मां का यह मानना होता है कि वे ऑफिस की अपनी जिम्मेदारियों और बच्चों की जिम्मेदारी के बीच सही संतुलन नहीं बना पाई हैं। पर सवाल यह है कि ऑफिस में रहकर बच्चों को वक्त न दे पाने का अफसोस जताने से न तो बच्चों के साथ आप वक्त बिता पा रही हैं और न ही ऑफिस की जिम्मेदारियों को पूरा करने में आप अपना 100 प्रतिशत दे पाएंगी। इस समस्या का एकमात्र हल यह है कि आप जो भी काम वर्तमान में कर रही हैं, उसे अपना 100 प्रतिशत दें। अगर ऑफिस में हैं तो वहां की जिम्मेदारियां पूरी तन्मयता से पूरी करें और अगर घर पर हैं तो बच्चों को पूरा वक्त दें।

वजन कम ही नहीं कर पा रही

70 प्रतिशत से ज्यादा महिलाएं कभी-न-कभी डाइटिंग करती हैं, बावजूद इसके कि उन्हें वजन कम करने की जरूरत हो या नहीं। अगर आप वाकई स्लिम और खूबसूरत दिखना चाहती हैं तो इस दिशा में आपको गंभीर प्रयास करना होगा। नियमित एक्सरसाइज करें या फिर जिम जाने के लिए वक्त निकालें। साथ ही इस बात को स्वीकारें कि वजन कम करना या फिर बढ़ाना आप पर पूरी तरह से निर्भर करता है, इसलिए खुद को दोष देने की जगह इस दिशा में प्रयास करें।

शॉपिंग में कुछ ज्यादा ही पैसे खर्च कर दिए

हर महिला को शॉपिंग करने में मजा आता है, पर कई लोग ढेर सारे शॉपिंग बैग के साथ घर लौटने के बाद अपराध बोध से ग्रस्त हो जाते हैं। पर आपको यह समझना होगा कि जब परिवार के अन्य सदस्यों पर खर्च करने से आपको किसी तरह का अपराध बोध नहीं होता, तो फिर खुद पर खर्च करने के बाद पछतावा क्यों? दूसरी बात यह भी है कि अगर आप शॉपिंग के दौरान खरीदे गए सामानों पर गौर करेंगी, तो पाएंगी कि आप सिर्फ उन्हीं चीजों पर खर्च कर रही है, जिसकी आपको वाकई जरूरत है।

कभी टाइम पर नहीं पहुंच पाती

कभी-कभार, स्थिति ऐसी पैदा हो जाती है कि लाख कोशिशों के बावजूद हम वक्त पर नहीं पहुंच पाते हैं। कभी-कभी हमारी इमेज ही लेट-लतीफ वाली बन जाती है। इसका परिणाम यह होता है कि हम अपराधबोध से ग्रस्त हो जाती हैं। ऑटो या बस में बैठकर और जाम में घंटों फंसे रहकर इस बात का अफसोस करने से कोई फायदा नहीं है कि आप लेट पहुंचने वाली हैं। कभी-कभार अपनी गलती के बिना भी आप किसी मीटिंग में देर से पहुंच सकती हैं। ऐसी घटनाओं के लिए खुद को दोष देना बंद करें।

खुद के लिए वक्त नहीं मिलता

सुपर वुमेन बनने की चाहत या मजबूरी के चलते महिलाओं को अक्सर खुद के लिए ही वक्त नहीं मिलता। फिर धीरे-धीरे शुरू होता है इस बात का अफसोस कि अपनी मनपसंद किताब पढ़े सालों बीत गए या फिर पार्लर जाने के लिए वक्त ही नहीं मिलता। पर आपको इस बात को समझना होगा कि कभी-कभार कुछ ना करना भी जरूरी है ताकि आप शारीरिक और मानसिक रूप से ऊर्जावान बन सकें।

और उस खिलाड़ी ने माफी मांग ली- अभिषेक शर्मा ने सुनाया युवराज सिंह से जुड़ा अनसुना किस्सा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि क्यों उनके करियर पर युवराज सिंह का अधिक प्रभाव है। 23 वर्षीय खिलाड़ी ने बताया कि कैसे पंजाब के लिए रणजी ट्रॉफी मैच के दौरान युवराज उनके बचाव में आए और उन्हें प्रतिद्वंद्वी की स्लेजिंग से बचाया। अभिषेक लंबे समय से पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह को अपना आदर्श मानते रहे हैं और हाल ही में यूट्यूब चैनल पर उन्होंने इस अनसुने किस्से को शेयर किया। अभिषेक ने कहा कि हमारा रणजी ट्रॉफी में मुकाबला था। प्लान के मुताबिक मैंने बॉलिंग करते वक्त एक खिलाड़ी को स्लेज किया। बाद में जब मैं बल्लेबाजी करने उतरा तो उक्त खिलाड़ी ने जवाबी हमला करते हुए छींटाकशी शुरू कर दी और गालियां दीं। अभिषेक ने याद करते हुए कहा कि युवी पाजी दूसरे छोर पर थे, उन्होंने देखा कि कोई चीज मुझे परेशान कर रही है। उन्होंने मुझसे इसके बारे में पूछा और मैंने उन्हें बताया कि यह आदमी मुझे गाली दे रहा था। युवी पाजी ने बस उसे देखा और खिलाड़ी ने तुरंत माफी मांगी।

अभिषेक पहली बार युवराज से तब मिले थे जब उन्होंने 16 साल की उम्र में रणजी ट्रॉफी में पदार्पण किया था। वह युवराज को देखकर आश्चर्यचकित रह गए थे। तब युवराज का सीजन शानदार रहा था, उन्होंने लगभग 800-900 रन बनाए थे। वह हमेशा से मेरे आदर्श रहे हैं। वास्तव में मैं 2007 में टी20 विश्व कप जीतने के बाद इस खेल को अपनाने के लिए प्रेरित हुआ था। मैंने सोचा था कि मैं उनकी तरह बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण करूंगा। उनका मेरी जिंदगी में काफी प्रभाव रहा है। मैं ड्रेसिंग रूम में बस उसे देखता रहा।

बल्लेबाजों को अपने जाल में फंसाओ- सचिन ने युजी चहल को भेजी बर्थडे विश

नई दिल्ली । महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने भारत के स्पिनर युजवेंद्र चहल को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं, जो 34 साल के हो गए। युजवेंद्र चहल वर्तमान में पुरुष टी20 क्रिकेट में भारत के अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 79 पारियों में 25.09 की औसत से 96 विकेट लिए हैं। अपने आधिकारिक एक्स खाते से तेंदुलकर ने उम्मीद जताई कि चहल अपने गेंदबाजी कौशल से बल्लेबाजों को फंसाना जारी रखेंगे। तेंदुलकर ने एक्स पर लिखा- जन्मदिन मुबारक हो, ञ्चयुजीङ्खचहल। आप इसे जारी रखें, बल्लेबाजों को अपने जाल में फंसाएं और हर विकेट का जश्न मुस्कुराहट के साथ मनाएं। अपने दिन का आनंद लें।

चहल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी हैं। उन्होंने 160 मैचों और 159 पारियों में भाग लेने के बाद 7.84 की इकॉनमी रेट से 205 विकेट लिए हैं। टी20 टूर्नामेंट में उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़ा 5/40 है।

एशिया कप सेमीफाइनल से पहले मंधाना ने कहा- आप किसी भी टीम को हल्के में नहीं ले सकते

दांबुला। भारत की कार्यवाहक कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि उनकी टीम महिला एशिया कप 2024 के सेमीफाइनल में अपने प्रतिद्वंद्वी को हल्के में नहीं लेगी। भारत के अंतिम चार में खेलने के लिए तैयार होने और उनके विरोधियों के बारे में अभी फैसला नहीं होने के साथ, स्मृति ने कहा कि भारतीय टीम अपने विरोधियों को हल्के में नहीं लेगी। नेपाल के खिलाफ मैच के बाद स्मृति ने कहा, आप किसी भी टीम (सेमीफाइनल प्रतिद्वंद्वी) को हल्के में नहीं ले सकते। हमारे पास आराम करने और अभ्यास करने के लिए दो दिन हैं, उसके बाद हम मैदान पर उतरेंगे और खुद को आजमाएंगे। भारत ने अपने अभियान की शुरुआत चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान पर 7 विकेट की शानदार जीत के साथ की। उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात पर 78 रन की जीत के साथ अपनी अपराजित लय जारी रखी। नेपाल के खिलाफ, भारत ने 82 रनों से जीत दर्ज की। नेपाल के शानदार प्रदर्शन को देखने के बाद, स्मृति को उम्मीद है कि वे आगे भी बेहतर प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा, उनके (नेपाल के) चेहरे पर हमेशा मुस्कान रहती थी, लेकिन कभी-कभी, हम जितना क्रिकेट खेलते हैं, हम खेल का आनंद लेना भूल जाते हैं। उन्होंने कुछ अच्छी क्रिकेट खेली, और उम्मीद है कि वे बेहतर होते रहेंगे, और हमें उनके साथ अक्सर खेलने का मौका मिलेगा।

मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के सबसे युवा अध्यक्ष बने अजिंक्य नाइक

मुंबई। अजिंक्य नाइक मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के सबसे युवा अध्यक्ष बन गए हैं। एमसीए चुनाव के नतीजों की घोषणा की गई। 37 साल की उम्र में नाइक ने मुंबई भाजपा प्रमुख और बीसीसीआई कोषाध्यक्ष आशीष शेलार के उम्मीदवार संजय नाइक को चुनाव में 107 वोटों से हराया।एमसीए के एक बयान के अनुसार, 335 वोट डाले गए। अजिंक्य को 221 वोट मिले, जबकि संजय को 114 वोट मिले एमसीए के पूर्व अध्यक्ष अमोल काले के निधन के कारण ये चुनाव कराए गए। काले का इस महीने की शुरुआत में न्यूयॉर्क में 47 साल की उम्र में निधन हो गया था। नाइक एमसीए के सचिव के रूप में कार्यरत थे। रिक्त पद को भरने के लिए, एमसीए ने चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की थी, जिसमें 25 जून से 2 जुलाई तक सदस्य क्लबों और पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के प्रतिनिधियों के नाम मांगे जाने शामिल थे।

गौतम गंभीर एक्टिव, टीम इंडिया ने की टी20 सीरीज के लिए प्रैक्टिस

एजेंसी

पाल्लेकल। नए मुख्य कोच गौतम गंभीर की देख रेख में भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 श्रृंखला से पहले यहां अपने शुरूआती अभ्यास सत्र में मैदान पर उतरी। दिग्गज राहुल द्रविड़ की जगह कोच बने गंभीर ने मैदान पर टीम का नेतृत्व किया और अभ्यास सत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान खिलाड़ियों ने हलका अभ्यास किया जिसमें क्षेत्ररक्षण अभ्यास, दौड़ने और गेंद को पकड़ने का अभ्यास शामिल था। इस दौरान टीम के खिलाड़ी टी 20 अंतरराष्ट्रीय टीम के नए कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ बातचीत करते देखे गए। गंभीर ने बल्लेबाजी अभ्यास कर रहे संजू सैमसन के साथ बातचीत करने के बाद मैदान पर हरफनमौला शिवम दुबे के साथ समय बिताया। भारत के पूर्व हरफनमौला अभिषेक नायर और नीदरलैंड के बल्लेबाज रयान टेन डोशेट श्रीलंका दौरे के लिए गंभीर के

कोचिंग स्टाफ का हिस्सा हैं। इन तीनों ने हाल ही में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को आईपीएल 2024 खिताब दिलाने के लिए सहयोग किया था। राष्ट्रीय टीम के साथ उनका पहला कार्य 27 जुलाई को टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के साथ शुरू होगा जिसके बाद 3 वनडे मैच होंगे। द्रविड़ के सहयोगी स्टाफ का हिस्सा क्षेत्ररक्षण कोच टी दिलीप टीम के साथ बने हुए है। इसके अतिरिक्त, बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) से जुड़े साईराज बहुतुले इस दौरे में अंतरिम गेंदबाजी कोच के रूप में काम करेंगे।

भारत की टी20 टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, रिंकू सिंह, रियान पराग, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, खलील अहमद, मोहम्मद सिराज।

भारत की वनडे टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, रियान पराग, अक्षर पटेल, खलील अहमद, हर्षित राणा।

पूर्व पाक क्रिकेटर अहमद शहजाद को स्थानीय निवासी ने एक ओवर में तीन बार किया आउट

एजेंसी

इस्लामाबाद। पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर अहमद शहजाद ने हाल ही में हुए टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम की आलोचना की थी। लेकिन उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वह एक स्थानीय निवासी द्वारा एक-दो नहीं बल्कि ओवर में तीन बार आउट हुए नजर आए। उक्त व्यक्ति का नाम इब्राहिम है और यह वीडियो चित्राल का है जो पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के उत्तरी क्षेत्र में चित्राल नदी के पास स्थित है। इंटरनेट पर वायरल वीडियो में अहमद शहजाद को पाकिस्तान के चित्राल शहर में एक गली मैच के दौरान बल्लेबाजी करते हुए देखा जा सकता है जिसमें विकेट के रूप में कुर्सी का इस्तेमाल किया गया है। वीडियो में अहमद शहजाद को एक स्थानीय गेंदबाज की चार गेंदों का सामना करते हुए दिखाया गया है, जो उचित क्रिकेट भी नहीं जानता है। छक्के मारने का दावा करने के बाद अहमद शहजाद उन चार गेंदों में से तीन बार क्लीन बोल्ड हो जाते हैं क्योंकि वह गेंद को मिड-विकेट की लाइन के पार ले जाने की कोशिश करते हैं, लेकिन बुरी तरह विफल हो जाते हैं। पाकिस्तान के पूर्व बल्लेबाज केवल एक गेंद ही खेल पाते हैं और वह भी गलत समय पर मारा गया शॉट होता है।

विरोधी से डरना नहीं है, अपनी ट्रेनिंग पर फोकस रखो, हाई जंपर सर्वेश कुशारे ने नीरज से सीखा

एजेंसी

नई दिल्ली। गांव में चारे के मैट पर अभ्यास से पेरिस ओलंपिक तक का सफर तय करने वाले हाई जंपर सर्वेश कुशारे को अपनी तैयारियों और भारतीय एथलेटिक्स के 'गोल्डन ब्वॉय' नीरज चोपड़ा से मिले इस मूलमंत्र पर यकीन है कि प्रतिद्वंद्वियों की ख्याति से डरे बिना बस अपनी ट्रेनिंग पर फोकस रखो। कुशारे ओलंपिक ऊंची कूद के लिये क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय एथलीट हैं। अभ्यास के दौरान 2.30 मीटर का आंकड़ा पार कर रहे कुशारे को अपनी कड़ी मेहनत और तोक्यो ओलंपिक में भालाफेंक में स्वर्ण पदक जीतकर एथलेटिक्स में भारत का खाता खोलने वाले नीरज की सलाह पर पूरा यकीन है। ओलंपिक में ऊंचे कद और भारी डील डौल वाले प्रतिद्वंद्वियों का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार पांच फुट नौ इंच के कुशारे ने इंटरव्यू में कहा, 'मेरा बस कद ही छोटा है लेकिन हम भी भीतर से बहुत मजबूत हैं। प्रतिद्वंद्वी की कद काठी देखकर कोई डर नहीं लगता। सही समय पर शीर्ष फॉर्म में रहना महत्वपूर्ण है।' महाराष्ट्र के नाशिक से कुछ किलोमीटर दूर देवरगांव के रहने वाले 29 वर्ष के इस एथलीट ने कहा, 'अभी तो काफी समय से नीरज भाई से मुलाकात नहीं हुई है लेकिन जब पिछली बार मिले थे तो उन्होंने कहा था कि ट्रेनिंग पर फोकस करो और विरोधी खिलाड़ियों की ख्याति से डरना नहीं है। वह हमेशा टिप्स देते रहते हैं।' उन्होंने कहा, 'हमारे आदर्श नीरज चोपड़ा ही हैं जिन्होंने एथलेटिक्स में पहला ओलंपिक पदक जीतकर हमारे भीतर भी आत्मविश्वास भरा। हम भी उनकी तरह बनना चाहते हैं और देश का मान बढाना चाहते हैं।

पंचकूला में जून में अंतर प्रांत राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में 2.25 मीटर की रिकॉर्ड कूद के साथ स्वर्ण जीतने वाले कुशारे ने क्वालीफिकेशन प्रक्रिया में 23वां स्थान हासिल करके पेरिस का टिकट कटाया। उन्होंने कहा, 'जून से पहले मेरी रैंकिंग 36 चली गई थी क्योंकि मई में जब पूरी दुनिया में स्पर्धायें

चल रही थी, मैं नहीं खेल सका था। मुझे डर लग रहा था कि ओलंपिक खेल सकूंगा कि नहीं। मैं काफी दबाव में आ गया था लेकिन फिर मलेशिया, कजाखस्तान और पंचकूला में लगातार अच्छा प्रदर्शन करके क्वालीफाई किया।'

उन्होंने कहा, 'टखने की चोट के कारण बहुत दिक्कतें आई थी लेकिन अब लगातार अच्छा अभ्यास करके मेरा आत्मविश्वास बढ़ा है। अभी फोकस क्वालीफिकेशन दौर पर है जो सात अगस्त को सुबह दस बजे होगा। पहला लक्ष्य फाइनल में जगह बनाने का है। उसके बाद की प्लानिंग बाद में करूंगा। वारसॉ में अत्याधुनिक सुविधाओं के बीच तैयारी कर रहे कुशारे ने जब खेलना शुरू किया तो गाय के चारे को मैट के रूप में इस्तेमाल करते थे। उन्होंने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा, 'हमारे गांव में ऊंची कूद का मैट नहीं था तो गाय के लिए जो मक्के का चारा इकट्ठा होता था, उसका मैट बनाया जाता था। उसका एक ही पीस लैंडिंग एरिया की तरह बनाया था और हम उस पर अभ्यास करते थे।

उन्होंने बताया, 'स्कूल के पीटी टीचर आर डब्ल्यू जाधव सर के मार्गदर्शन में खेलना शुरू किया। फिर सैन्य खेल संस्थान में गया और ओलंपिक गोल्ड क्रेस्ट (ओजीक्यू) से भी सहयोग मिला जिन्होंने अमेरिका में अभ्यास के लिये भेजा। कुशारे ने कहा, 'वारसॉ में बहुत अच्छी सुविधाएं हैं और सुबह शाम क्यूबाई कोच के साथ अभ्यास होता है। मैं ऊंची कूद में अकेला हूं लेकिन भारतीय एथलेटिक्स रिले टीम, शॉटपुट टीम, भालाफेंक खिलाड़ी किशोर जेना और अन्नू रानी सभी यहीं हैं। हम आपस में यही बात करते हैं कि ओलंपिक में अपना सर्वश्रेष्ठ देना है। वहां दिनचर्या के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा, 'अभ्यास में जिम, स्पीड वर्क, स्ट्रेंथ ट्रेनिंग सभी होता है। यहां रिकवरी सत्र बहुत अच्छे रहते हैं। खाली समय में बस रेस्ट करते हैं क्योंकि शरीर को आराम देना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा, 'मानसिक तैयारी के लिए खेल मनोवैज्ञानिक से नियमित बात करता हूं। वे बताते हैं कि दबाव से कैसे निपटना है और खुद को मानसिक रूप से तरोताजा कैसे रखना है। योग और ध्यान रोज सुबह करता हूं।

डकार 2026 युवा ओलंपिक के मोटो का किया गया अनावरण

पेरिस। डकार 2026 युवा ओलंपिक खेलों (वाईओजी) ने मंगलवार को यहां अपना आधिकारिक मोटो, अफ्रीका स्वागत करता है, डकार जश्न मनाता है का अनावरण किया। यह मोटो, सेनेगल को ओलंपिक खेल आयोजन की मेजबानी करने वाले पहले अफ्रीकी देश के रूप में उजागर करता है और फिर पूरे महाद्वीप की भूमिका पर जोर देता है, जिसे डकार 2026 आयोजन समिति (वाईओजीओसी) द्वारा अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के चल रहे 142वें सत्र में पेश किया गया था। आईओसी सदस्य और वाईओजी डकार 2026 के समन्वय आयोग की अध्यक्ष क्रिस्टी कोवेंट्री ने कहा, यह मोटो अफ्रीकी आतिथ्य और डकार की उत्सव भावना के सार को पकड़ने के लिए बनाया गया है, जो दुनिया को एक साथ साझा करने और जश्न मनाने के लिए आमंत्रित करता है। 31 अक्टूबर से 14 नवंबर तक चलने वाले डकार 2026 में तीन मेजबान स्थलों डकार, डायमनियाडियो और सैली में दुनिया के शीर्ष युवा एथलीट भाग लेंगे, जिसका उद्देश्य खेल के माध्यम से सेनेगल को बदलना और भविष्य के वाईओजी मेजबानों के लिए एक मिसाल कायम करना है।

सेमीफाइनल में पहुंचकर दीप्ति शर्मा ने बताया भारतीय टीम की सफलता का मंत्र

एजेंसी

दाम्बुला। सीनियर खिलाड़ी दीप्ति शर्मा ने कहा कि महिला टी20 एशिया कप में भारतीय टीम का सफलता का सूत्र एक बार में एक मैच पर ध्यान केंद्रित करना है, क्योंकि जब टीम पिछली बार यहां खेली थी तब से लेकर अब तक परिस्थितियों में कोई विशेष बदलाव नहीं आया है। भारत ने ग्रुप ए के अंतिम मैच में नेपाल को 82 रन से करारी शिकस्त देकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस मैच में शेफाली वर्मा ने 48 गेंद पर 81 रन की तूफानी पारी खेली थी जबकि दीप्ति ने 13 रन देकर 3 विकेट लिए थे। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 178 रन बनाए

और इसके बाद नेपाल को निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट पर 98 रन पर रोक दिया था। दीप्ति ने मैच के बाद कहा, 'हम पहले मैच से ही प्रत्येक मैच और प्रत्येक परिस्थिति को लेकर काफी आश्वस्त हैं। अब हमारी निगाह सेमीफाइनल पर है।'

भारतीय टीम इससे पहले जून 2022 में यहां खेली थी और दीप्ति ने कहा कि तब से लेकर अब तक परिस्थितियों में कोई खास बदलाव नहीं आया है। उन्होंने कहा, 'कुछ भी नहीं बदला है।

हमने इसे सरल बनाए रखा है और हमारा ध्यान केवल अगले मैच पर केंद्रित रहता है। मैं पिछली बार भी यहां खेली थी और तब से कोई बदलाव नहीं आया है। हमें खुद पर भरोसा है और परिस्थितियां पहले जैसी हैं।'

इस ऑफ स्पिनर ने अभी तक तीन मैच में 8 विकेट लिए हैं और उन्होंने कहा कि वह किसी भी तरह की स्थिति में गेंदबाजी करने के लिए तैयार रहती हैं। दीप्ति ने कहा, 'मैं किसी भी तरह की स्थिति में गेंदबाजी करने के लिए हमेशा तैयार रहती हूं। मुझे चुनौतियों का सामना करना पसंद है। मैं इनका पूरा लुत्फ उठाती हूं। गेंदबाजी इकाई के रूप में हमने अभी तक वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है।'

गुजरात टाइटंस के कोचिंग स्टाफ से जुड़ेंगे Yuvraj Singh, आशीष नेहरा की छुट्टी संभव

एजेंसी

इस्लामाबाद। गुजरात टाइटन्स के प्रशंसकों में प्रबंधन में बदलाव हो सकता है क्योंकि मुख्य कोच आशीष नेहरा और क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी संभावित रूप से फ्रेंचाइजी को अलविदा बोल सकते हैं। नेहरा और सोलंकी 2022 में अपने पहले सीजन के बाद से फ्रैंचाइज़ी से जुड़े हुए हैं। गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2022 में पहली बार खेलते ही खिताब जीता था। आईपीएल 2023 सीजन में वह उपविजेता रहे। गुजरात से जब कप्तान हार्दिक पांड्या अलग हुए तो शुभमन गिल को कप्तान बनाया गया। लेकिन टीम आईपीएल 2024 में अपनी सफलता दोहरा नहीं सकी।

बहरहाल, गुजरात टाइटंस की डूबती नैय्या को पार लगाने के लिए युवराज सिंह टीम के साथ जुड़ सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार गैरी कर्स्टन, जो फ्रेंचाइजी का मार्गदर्शन कर रहे थे, ने भी पाकिस्तान पुरुष टीम के लिए सफेद गेंद के कोच के रूप में शामिल किए जाने के बाद शिविर छोड़ दिया है। इसलिए कई बदलाव हो सकते हैं। आशीष नेहरा और विक्रम सोलंकी के आगे बढ़ने की पूरी संभावना है। जिसके बाद युवराज सिंह को लेकर चर्चा शुरू हो चुकी है। अभी कुछ भी फाइनल नहीं हुआ है, लेकिन गुजरात टाइटंस के कोचिंग स्टाफ में कुछ बड़े बदलाव हो सकते हैं। बता दें कि हार्दिक को आईपीएल 2024 से पहले एक रिकॉर्ड डील में मुंबई इंडियंस ने अपने साथ रखा था। जबकि गुजरात ने शुभमन गिल को कप्तान बनाया था।

भारत ने नेपाल को हरा महिला एशिया कप के सेमीफाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

मुंबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने दांबुला के मैदान पर वुमन एशिया कप के लीग मुकाबले में नेपाल को 82 रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। भारतीय टीम टूर्नामेंट में अजेय हैं। वह पाकिस्तान को 7 विकेट और यूएई को भी 78 रन से हरा चुकी है। बहरहाल, मंगलवार को खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम ने पहले खेलते हुए शैफाली वर्मा के 48 गेंदों पर 81 तो हेमलता के 47 रनों की बदौलत 178 रन बनाए थे। जवाब में खेलने उतरी नेपाल 92 रन पर आऊट हो गई। भारत की ओर से दीप्ति शर्मा ने 3, राधा यादव और अरुंधति रेड्डी ने 2-2 विकेट लीं।

भारतीय टीम ने इस मैच में

नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर और हरफनमौला पूजा वस्त्राकर को विश्राम दिया। शेफाली वर्मा के साथ मैच में टीम की अगुवाई कर रही स्मृति मंधाना की जगह हेमलता ने भारतीय पारी का आगाज किया। शेफाली ने पहले ओवर में कविता कुंवर और चौथे ओवर में शबनम राय के खिलाफ दो-दो चौके जड़कर एक बार फिर टीम को तेज शुरुआत दिलाई। दूसरे छोर से संभल कर खेल रही हेमलता ने पूजा महतो के खिलाफ दर्शनीय चौका जड़ आत्मविश्वास हासिल किया। भारतीय टीम ने छठे ओवर में रनों का अर्धशतक पूरा किया। शेफाली ने अगले ओवर में रुबीना छेत्री के खिलाफ छक्का और चौका लगाया तो वहीं हेमलता ने 8वें ओवर में कविता जोशी के खिलाफ ऐसा किया। शेफाली ने इसी ओवर में चौका जड़ने के बाद एक रन के साथ 26 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। शेफाली जहां नेपाल की गेंदबाजों के खिलाफ मन मुताबिक रन जुटा रही थी तो वहीं, हेमलता को गैप ढूंढने में परेशानी हो रही थी।

सीता राणा ने 14वें ओवर की आखिरी गेंद पर हेमलता को आउट कर नेपाल को पहली सफलता दिलाई। उनके अगले ओवर में आगे निकलकर बड़ा शॉट खेलने के चक्कर में शेफाली भी स्टंप हो गई। वस्त्राकर की जगह टीम में आयी संजना संजीवन कुछ खास नहीं कर सकी और 12 गेंद में 10 रन बनाकर कविता जोशी का शिकार बन गई। जेमिमा ने आखिरी ओवर में तीन चौके जड़कर टीम को 180 रन के करीब पहुंचाया।

श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले बागेश्वर धाम पहुंचे कुलदीप यादव

एजेंसी

नई दिल्ली। श्रीलंका के खिलाफ भारत की वनडे सीरीज से पहले कुलदीप यादव ने मध्य प्रदेश के छतरपुर में बागेश्वर धाम का दौरा किया। बागेश्वर धाम सरकार के आधिकारिक हैंडल ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो जारी किया। इस दिग्गज स्पिनर ने गुरु पूर्णिमा महोत्सव की पूर्व संध्या पर धीरेंद्र कुमार शास्त्री का आशीर्वाद लिया। श्रीलंका दौरे के लिए भारत की वनडे टीम में शामिल होने से पहले कुलदीप ने दर्शन किए। भारत के लिए कोई भी सीरीज शुरू करने से पहले कुलदीप अक्सर बागेश्वर धाम जाते थे। कुलदीप वनडे सीरीज में हिस्सा लेंगे और गेंदबाज को टी20 सीरीज के लिए आराम दिया गया है।

कुलदीप भारत के लिए टी20 विश्व कप 2024 की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, खासकर टूर्नामेंट के वेस्टइंडीज चरण में। पता चला है कि वनडे टीम का हिस्सा रहे कुलदीप को टी20 से ब्रेक दिया गया है और वह इस प्रारूप में भारत के मुख्य स्पिनर बने रहेंगे। चयनकर्ता चाहते थे कि रवि बिश्नोई को अधिक अनुभव मिले और उनका मानना है कि कुलदीप के बाद भारत के दूसरे कलाई के स्पिनर के रूप में वह सबसे बेहतर विकल्प हैं। विश्व चैंपियन कुलदीप श्रीलंका दौरे के वनडे चरण के दौरान फिर से मैदान में उतरेंगे। उन्हें भारत के दो स्पिन गेंदबाजी विकल्पों के रूप में बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल के साथ जोड़े जाने की उम्मीद है। इस बीच मुख्य कोच गौतम गंभीर की अगुआई वाली टीम इंडिया टी20 सीरीज के लिए श्रीलंका पहुंच गई है। सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली टी20 टीम ने भी प्रशिक्षण सत्र शुरू कर दिया है, जिसका पहला टी20 मैच 27 जुलाई को पल्लेकेले में खेला जाएगा।

टेस्ट क्रिकेट में 1936 के इस रिकॉर्ड को तोड़ सकता है इंग्लैंड : ओली पोप

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड के बल्लेबाज ओली पोप का मानना है कि उनकी टीम टेस्ट क्रिकेट में एक दिन के अंदर 600 रन बना सकती है और इन बातों को सिरे से खारिज कर दिया कि वे बल्लेबाजी में आक्रामक शैली 'बैजबॉल' से पीछे हट रहे हैं। टेस्ट क्रिकेट में एक दिन में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के नाम पर ही है। उसने 1936 में भारत के खिलाफ मैनचेस्टर में खेले गए मैच के दूसरे दिन 6 विकेट पर 588 रन बनाए थे और पोप का मानना है कि बेन स्टोक्स की अगुवाई वाली टीम इस रिकार्ड को तोड़ सकती है।

पोप ने कहा, 'कभी-कभी हम एक दिन में 280 या 300 रन बना सकते हैं क्योंकि हम परिस्थितियों को अच्छी तरह से समझते हैं। ऐसा भी हो सकता है कि भविष्य में कभी ऐसा दिन आए जब हम 500 से 600 रन बना लें और यह अच्छा रिकॉर्ड होगा।' इंग्लैंड ने दिसंबर 2022 में पाकिस्तान के खिलाफ रावलपिंडी में खेले गए पहले टेस्ट मैच के पहले दिन 506 रन बनाए थे। इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली जा रही तीन मैच की श्रृंखला में अभी 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर रखे हैं। उसने पहले टेस्ट मैच में पारी के अंतर से और दूसरे मैच में 241 रन से जीत हासिल की थी। पोप ने 'बैजबॉल' रणनीति के बारे में कहा, 'ट्रेंटब्रिज में पहले दिन मुझसे पूछा गया था क्या आपको इस तरह खेलने के लिए कहा जाता है। नहीं, हमें ऐसा नहीं कहा जाता। यह हमारा स्वाभाविक खेल है और हम इसे खेलने के तरीके अपनाते हैं।

पाकिस्तान ने यूएई को 10 विकेट से रौंदा, मजबूत किया सेमीफाइनल का दावा

एजेंसी

दाम्बुला। बाएं हाथ की स्पिनर सादिया इकबाल की अगुआई में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन के बाद सलामी बल्लेबाज गुल फिरोजा के नाबाद अर्धशतक से पाकिस्तान ने महिला एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के ग्रुप ए में यूएई को 10 विकेट से रौंदकर सेमीफाइनल में जगह बनाने की ओर मजबूत कदम बढ़ाए। यूएई के 104 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुल की 55 गेंद में आठ चौकों से नाबाद 62 रन की पारी और मुनीबा अली (नाबाद 37) के साथ उनकी पहले विकेट की अटूट शतकीय साझेदारी से पाकिस्तान ने 14.1 ओवर में बिना विकेट खोए 107 रन बनाकर बेहद आसान जीत दर्ज की। यूएई की टीम इससे पहले सादिया (11 रन पर दो विकेट), तुबा हसन (17

रन पर दो विकेट) और नासरा संधू (22 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने आठ विकेट पर 103 रन ही बना सकी। यूएई की ओर से सलामी बल्लेबाज तीर्था सतीश ने 36 गेंद में पांच चौकों की मदद से सर्वाधिक 40 रन बनाए। उनके अलावा सलामी बल्लेबाज और कप्तान ईशा ओझा (16) और खुशी शर्मा (12) ही दोहरे अंक तक पहुंच पाए। इस जीत से पाकिस्तान के तीन मैच में दो जीत से चार अंक हो गए हैं और टीम का सेमीफाइनल में जगह बनाने का दावा मजबूत हो गया है। यूएई की टीम तीनों मैच हारकर बाहर हो चुकी है। शाम को दूसरा मैच गत चैंपियन भारत और नेपाल के बीच होगा। भारत दो मैच में दो जीत से चार अंक के साथ शीर्ष पर है जबकि नेपाल दो अंक के साथ तीसरे स्थान पर है।

श्रद्धा कपूर

की Stree 2 में होगा डबल धमाका, अब अक्षय कुमार संग विकी कौशल भी आएंगे!

15 अगस्त का दिन सिनेमा प्रेमियों के लिए जबरदस्त होने वाला है. साउथ और बॉलीवुड की एक-दो नहीं, कई बड़ी फिल्में इस दिन सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली हैं. तैयारियां पूरी हो चुकी हैं. मंच भी सेट है अब बस इंतजार है 15 अगस्त का. पहले इसी दिन पुष्पाराज की भी एंट्री होने वाली थी, पर यहां मेकर्स ने फिल्म पोस्टपोन की, वहां दूसरे एक्टर्स ने अपनी फिल्म के लिए यह तारीख चुन ली. जो फिल्म इसी दिन थिएटर्स में धमाल मचाने वाली हैं, उसमें श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की स्ह्रह्द्ह्र 2 भी शामिल है. हाल ही में फिल्म का ट्रेलर आया था, जिसे जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला. सरकटे के आतंक से लेकर पंकज त्रिपाठी की कॉमिक टाइमिंग और श्रद्धा-राजकुमार राव का रोमांसज् फैन्स को तीनों चीजों ने बेहद खुश कर दिया.15 अगस्त को बहुत बड़ा धमाका होने वाला है. दरअसल इसी दिन अक्षय कुमार और विकी कौशल भी बड़े पर्दे पर आ रहे हैं. यूं तो कुछ दिनों पहले ही ऐसी खबर आई थी कि श्रद्धा कपूर की पिक्चर में अक्षय कुमार का कैमियो होने वाला है. मेकर्स ने उनका स्पेशल अपीयरेंस प्लान किया है. इसकी वजह है उनके फैन्स और बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग. 'भूल भुलैया' फ्रेंचाइज से बाहर होने के बाद से ही अक्षय कुमार के फैन्स उन्हें हॉरर कॉमेडी फिल्म में देखने का इंतजार कर रहे हैं. ऐसे में इसका पूरा-पूरा फायदा Stree 2 को मिलने की उम्मीद है. खैर, अक्षय कुमार और विकी कौशल कैसे इसी दिन दिखने वाले हैं, समझिए.

स्त्री 2 ' के साथ धमाल मचाएंगे अक्षय-विकी

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की Stree 2 को लेकर तगड़ा बज बना हुआ है. खासकर जबसे फिल्म का ट्रेलर आया है, तब से फैन्स भी फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. कई बड़ी फिल्में इस दिन आ रही हैं. इसमें अक्षय कुमार की 'खेल खेल में', जॉन अब्राहम की 'वेदा', श्रद्धा कपूर की 'स्त्री 2' शामिल हैं. यह रही बॉलीवुड की बात. अब साउथ फिल्मों पर आ जाते हैं. 15 अगस्त को ही रवि तेजा की 'मिस्टर बच्चन' आ रही है. वहीं, संजय दत्त की 'डबल आईस्मार्ट' भी इसी दिन थिएटर्स में रिलीज होगी. कई बड़े सुपरस्टार्स के बीच पहले ही क्लैश देखने को मिलने वाला है. इसी बीच तरण आदर्श ने ङ्ग पर एक जानकारी दी.

दरअसल श्रद्धा कपूर की फिल्म **Stree** 2 के साथ ही दिनेश विजन अपने अगले प्रोजेक्ट्स के टीजर लाने की प्लानिंग कर रहे हैं. हाल ही में पता लगा कि अक्षय कुमार-वीर पहाड़िया की Sky Force और विकी कौशल की Chhava का टीजर इसी फिल्म के साथ दिखाया जाएगा.

विकी-अक्षय कुमार की अगली फिल्म ?

अक्षय कुमार साल की शुरुआत से ही अपने प्रोजेक्ट्स को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं. इस साल उनकी दो फिल्में आ चुकी हैं. जहां 'बड़े मियां छोटे मियां' फ्लॉप हो गई. वहीं दूसरी फिल्म 'सरफिरा' को भी कुछ खास रिस्पॉन्स नहीं मिला. इसके अलावा 15 अगस्त को 'खेल खेल में' रिलीज होने वाली है. इसके बाद 2 अक्टूबर, 2024 को उनकी स्द्म4 द्घश्ह्म्द्ग आएगी, जिसका टीजर श्रद्धा की फिल्म के साथ आएगा. वहीं बात विकी कौशल की हो तो उनकी हाल ही में 'बैड न्यूज' रिलीज हुई. वहीं दिसंबर के पहले वीक में छावा आ सकती है.

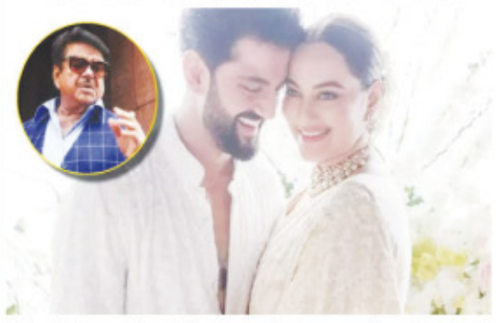

शादी के एक महीने बाद सोनाक्षी सिन्हा-जहीर इकबाल ने शत्रुघ्न सिन्हा को लेकर कही ये बात

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल ने 23 जून को शादी कर ली. दोनों करीब 7 साल से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे. शादी से पहले भी दोनों कई बार एक साथ स्पॉट किए गए थे. उनकी शादी की तस्वीरें और वीडियो इंटरनेट पर खूब वायरल हुए थे. सोशल मीडिया पर इन तस्वीरों और वीडियो को देखकर कई लोग अंदाजा लगा रहे थे कि सोनाक्षी सिन्हा के पिता, शत्रुघ्न सिन्हा और मां पूनम सिन्हा इस इंटरफेथ मैरिज से खुश नहीं हैं.हाल ही में एक इंटरव्यू में सोनाक्षी सिन्हा और जहीर शामिल हुए थे, जहां एक बार फिर इस बारे में बात की गई. इस बातचीत में उन्हें शत्रुघ्न सिन्हा का एक वीडियो क्लिप भी दिखाया गया है. इस वीडियो क्लिप में सोनाक्षी के माता-पिता उनका सपोर्ट करते नजर आए.

सोनाक्षी सिन्हा के बारे में कही गई ये बात

Galatta India को सोनाक्षी सिन्हा और जहीर ने इंटरव्यू दिया, जिसमें दिखाए गए क्लिप में सोनाक्षी सिन्हा और जहीर के बारे में शत्रुघ्न सिन्हा कहते हैं कि दोनों एक-दूसरे के लिए बने हैं. इस क्लिप में शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा, लोगों ने कुछ भी कहने की कोशिश की. लेकिन हमारे लिए हमारे बच्चों की खुशी सबसे जरूरी है. खासकर हमारी बेटी की. हमें लगा कि वो खुश है और भविष्य में भी खुश रहेगी. आखिरकार उसने ऐसा कुछ नहीं किया जो संविधान के खिलाफ हो या जिसकी अनुमति कानून नहीं देता. इस बातचीत में सोनाक्षी सिन्हा ने कहा कि माता-पिता अपने बच्चों के लिए बहुत कुछ करते हैं और ये उनकी बेटी के साथ खड़े होने का एक छोटा सा कंट्रीब्यूशन है.

आजकल जमाना बदल गया है...

अपनी बात पूरी करते हुए शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि शादी के बाद एक लड़की को अपना घर छोड़ना पड़ता है. फिर उन्होंने मजाक में कहा कि आजकल जमाना बदल गया है. खासकर मेट्रो शहरों में तो बेटियां शादी के 10 किलोमीटर ही दूर जाती हैं. हालांकि, इसके बाद भी यही अहसास होता है कि जैसे वो कहीं दूर जा रहे हैं. सोनाक्षी सिन्हा और जहीर ने अपने घर में ही रजिस्टर्ड मैरिज की थी. इसके बाद ग्रैंड रिसेप्शन रखा गया था. इस पार्टी में बॉलीवुड के कई सितारे नजर आए.

सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म 'काकुड़ा'

शादी के बाद सोनाक्षी सिन्हा की पहली फिल्म 'काकुड़ा' रिलीज हो गई है. इस पिक्चर का दर्शकों को बेसब्री से इंतज़ार था. इस हॉरर फिल्म में उनके साथ रितेश देशमुख और साकिब सलीम भी अहम भूमिका में हैं. ये पहली फिल्म है जिसमें सोनाक्षी डबल रोल में नजर आ रही हैं. इसे आदित्य सरपोतदार ने डायरेक्ट किया है. ये पिक्चर ओटीटी प्लेटफॉर्म'श्व5 पर स्ट्रीम हो रही है. इसे 12 जुलाई को रिलीज किया गया था.

शादी के बाद चमकी मुनव्वर फारूकी की किस्मत, स्टैंडअप कॉमेडी और रियलिटी शो के बाद एक्टिंग में करने जा रहे हैं डेब्यू

कंगना रनौत के 'लॉक अप' और सलमान खान के 'बिग बॉस' की ट्रॉफी अपने नाम करने के बाद, अब मुनव्वर फारूकी ने रियलिटी शो से ब्रेक ले लिया है. जल्द ये स्टैंडअप कॉमेडियन अपना एक्टिंग डेब्यू करने जा रहे हैं. लेकिन मुनव्वर किसी फिल्म या टीवी सीरियल से नहीं बल्कि वेब सीरीज से अपना एक्टिंग डेब्यू करने वाले हैं. दो किरदारों के इर्द-गिर्द घूमने वाली इस सीरीज में मुनव्वर के साथ सिंगर और एक्टर मेयांग चांग भी प्रमुख भूमिका में नजर आने वाले हैं. मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इस सीरीज में मुनव्वर एक कैदी के किरदार में नजर आएंगे.इस वेब सीरीज की कहानी के बारे में ईटाइम्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि मुनव्वर की इस वेब सीरीज में ऑडियंस को कैदी और पत्रकार की दिलचस्प कहानी देखने को मिलने वाली है. मयांग चांग इस सीरीज में उस पत्रकार का किरदार निभाएंगे, जो जेल में फंसे 'कैदी' मुनव्वर को वहां से बाहर निकालने की कोशिश करेंगे. अगले हफ्ते हैदराबाद में इस सीरीज की शूटिंग का पहला शेड्यूल शुरू हो जाएगा. अब तक म्यूजिक वीडियो में अपनी एक्टिंग की झलक दिखाने वाले मुनव्वर इस नए एक्टिंग प्रोजेक्ट को लेकर काफी एक्साइटेड हैं.

कॉमेडी करते हुए बुरे फंसे थे मुनव्वर

वैसे तो कॉमेडी लोगों को हंसाती है. लेकिन मुनव्वर की कॉमेडी ने उन्हें बड़ा रुलाया था. हिंदू देवी देवताओं पर भद्दी कॉमेडी करने के आरोप में पुलिस ने मुनव्वर को गिरफ्तार कर लिया था. 37 दिनों तक बिग बॉस 17 के ये विनर जेल में थे. यानी असल जिंदगी में भी मुनव्वर कैदी की जिंदगी जी चुके हैं. बिग बॉस के घर से बाहर आने के बाद दुनिया की नजरों से छिपकर मुनव्वर ने मेकअप आर्टिस्ट महजबीन कोटवाला से शादी की. भले ही सोशल मीडिया पर आधिकारिक तरीके से उन्होंने अपनी शादी की जानकारी शेयर न की हो, लेकिन अक्सर वो अपनी पत्नी और बेटे के साथ फोटो शेयर करते रहते हैं.

बिग बॉस में हुए थे बदनाम

कंगना रनौत के लॉक अप में अंजलि अरोड़ा के साथ खास दोस्ती का कनेक्शन बनाने वाले मुनव्वर फारूकी ने शो जीतने के बाद अंजलि को अपनी जिंदगी से पूरी तरह से बाहर कर दिया. इस दौरान उन्होंने ये खुलासा किया कि वो नाजिला को डेट कर रहे हैं. लॉक अप से लेकर बिग बॉस तक वो नाजिला को ही अपनी गर्लफ्रेंड बताते रहे. लेकिन बिग बॉस के अंदर प्रियंका चोपड़ा की बहन मन्नारा चोपड़ा के साथ उनकी खास दोस्ती हो गई. इन दोनों की दोस्ती तब टूटी जब सलमान खान के इस शो में आयशा खान की एंट्री हुई. आयशा ने दावा किया कि मुनव्वर उन्हें और नाजिला दोनों को धोखा दे रहे थे. हालांकि शो से बाहर आते ही मुनव्वर ने न तो नाजिला का हाथ थामा न ही आयशा का. उन्होंने महजबीन के साथ अपना घर बसा लिया.

अक्षरा सिंह

सावन के पहले सोमवार लाई बोल बम गीत, भोलेदानी जीत रहा शिव भक्तों का दिल

सावन की पहली सोमवारी के पावन मौके पर भोजपुरी सिनेमा की एक्ट्रेस और सिंगर अक्षरा सिंह बाबा भोलेनाथ के दरबार में नजर आईं. इस दौरान अक्षरा सिंह ने भोले बाबा के भक्तों को लिए नया भक्तिमय गाना भोलेदानी रिलीज किया, जो तेजी से वायरल हो रहा है. यह बोलबम स्पेशल गाना शिव भक्तों के बीच काफी लोकप्रिय हो रहा है. गान को यूट्यूब पर अक्षरा सिंह एंटरटेनमेंट चैनल से रिलीज किया गया है. भोलेदानी गाने में अक्षरा सिंह की शानदार आवाज और बेहतरीन अदाकारी ने दर्शकों का दिल जीत लिया है. इस गाने में शिवभक्ति का अनूठा रंग देखने को मिल रहा है, जो सावन के माहौल को और भी भक्तिमय बना रहा है. गाने में संगीत और लिरिक्स ने इसे और भी खास बना दिया है. गाने के रिलीज के बाद अक्षरा सिंह ने कहा, सावन का महीना शिवभक्तों के लिए बहुत खास होता है, और भोलेदानी गाना उनके भक्ति भाव को समर्पित है.

मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस गाने को पसंद करेंगे और इसमें शिवजी की महिमा का आनंद उठाएंगे.

भोजपुरी बोल बम सॉन्ग भोलेदानी गाने का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और दर्शक इसे खूब पसंद कर रहे हैं. अक्षरा सिंह के इस नए भक्तिमय गाने ने उनके फैंस के बीच उत्साह पैदा कर दिया है और सभी इसे लेकर बेहद उत्साहित हैं. इस गाने को सावन के माहौल को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है और इसमें शिवभक्ति के साथ-साथ मनोरंजन का भी पूरा ख्याल रखा गया है.

अक्षरा सिंह की अदाकारी और आवाज ने इस गाने को और भी खास बना दिया है. बोल बम गीत भोलेदानी गाने को सावन के पहले सोमवार के मौके पर रिलीज किया गया है. सावन की इस पहली सोमवारी पर शिवभक्तों के लिए यह गाना एक खास तोहफा साबित हो रहा है. बता दें कि अक्षरा सिंह के इस गाने का लिरिक्स विकी रौशन ने लिखा है. म्यूजिक डायरेक्टर रौशन सिंह हैं. डायरेक्टर आर्यन देव हैं.